* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

15 मार्च, 2023
चैत्र, कृष्ण पक्ष, अष्टमी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 08, अंक 144

भारत दुनिया का आठवां सबसे प्रदूषित देश, टॉप 20 प्रदूषित शहरों में 19 एशिया के

राजीव अरुण एक्का ने इडी से मांगा समय

आज 11 बजे होनी थी पूछताछ, विधानसभा सत्र का दिया हवाला

- सोमवार को भेजा था समन इडी कर चुकी थी तैयारी
- विशाल चौधरी के कार्यालय में बैठ कर सरकारी फाइलें निबटाने का है आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव आइएएस राजीव अरुण एक्का ने प्रवर्तन निदेशालय (इडी) से समय मांगा है। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने विधानसभा सत्र चलने का हवाला दिया है। उन्होंने कहा है कि 23 मार्च तक विधानसभा सत्र चलेगा। इसलिए 15 मार्च को उपस्थित नहीं हो पायेंगे। वह सत्र के बाद इडी के समक्ष उपस्थित हो सकते हैं। गौरतलब है कि इडी ने 15 मार्च को उन्हें सुबह 11 बजे एयरपोर्ट रोड स्थित अपने कार्यालय में हाजिर होने के लिए सोमवार को समन भेजा था। एक्का से पूछताछ के लिए इडी टीम ने पूरी तैयारी कर ली थी। जानकारी के अनुसार उनसे पूछे जानेवाले तीन दर्जन सवाल तैयार किये गये हैं। सूत्रों के मुताबिक राजीव अरुण एक्का ने एक हजार करोड़ के अवैध खनन घोटाले के सिलसिले में इडी की छापामारी के दौरान बरामद कतिपय दस्तावेजों के बारे में उनसे सवाल किये जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार इडी को विशाल चौधरी की मोबाइल से एक्का के संबंध में कुछ साक्ष्य मिले हैं, जिससे मनी लांड्रिंग की पुष्टि हुई है। जांच एजेंसी एक्का से जानना चाहेगी कि विशाल चौधरी से उनके क्या संबंध हैं। क्या दोनों के बीच पैसों का लेन-देन भी होता रहा है। एक्का झारखंड के तीसरे आइएएस अधिकारी हैं, जिनसे इडी पूछताछ करेगी। इससे पहले पूजा सिंघल और साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव से पूछताछ की जा चुकी है।

जांच के लिए एक सदस्यीय कमेटी का गठन : इडी द्वारा एक्का को समन भेजने के कुछ घंटे बाद राज्य सरकार ने पूरे मामले की जांच के लिए एक सदस्यीय कमिटी नियुक्त कर दिया। कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग ने झारखंड हाइकोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस विनोद कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में इस कमिटी का गठन किया। यह कमिटी छह माह में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी।

क्या है पूरा मामला : पिछले सप्ताह राजीव अरुण एक्का पर भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने गंभीर आरोप लगाये थे। उन्होंने 22 सेकेंड का एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया था कि सत्ता के दलाल विशाल चौधरी के ऑफिस में बैठ कर राजीव अरुण एक्का सरकारी फाइलें निपटाते हैं। इसके बाद भाजपा नेताओं ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिल कर कार्रवाई की मांग की थी। भाजपा नेता इडी के अधिकारियों से भी मिले थे और वीडियो सौंपा था। इसके बाद ही इडी ने उन्हें समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है।

वीडियो जारी होने पर सीएम के प्रधान सचिव पद से हटाये गये थे : आरोप लगाये जाने के समय एक्का सीएम के प्रधान सचिव थे। उनके पास सूचना एवं जनसंपर्क, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी था। वीडियो जारी होने के तत्काल बाद उन्हें इन सभी पदों से हटा दिया गया और उन्हें पंचायती राज विभाग का प्रधान सचिव बना दिया गया। मरांडी ने दावा किया था कि यह वीडियो क्लिप पिछले साल अप्रैल की है, जब एक्का टेंडर मैनेज करने वाली फाइल को विशाल चौधरी के ऑफिस में बैठ कर निपटा रहे हैं। वीडियो में एक महिला भी दिख रही है, जो विशाल की स्टाफ है। वीडियो में पैसों के लेन-देन की बात भी हो रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिये निर्देश

कांटाटोली और सिरमटोली फ्लाई ओवर का निर्माण समय पर हो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राजधानी रांची में बन रहे कांटाटोली फ्लाई ओवर और सिरमटोली फ्लाई ओवर के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कांटाटोली और सिरमटोली फ्लाईओवर के जंक्शन पर ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने की दिशा में उठाये जा रहे तकनीकी पहलुओं की जानकारी जुडको और पथ निर्माण विभाग के इंजीनियर्स से ली। मुख्यमंत्री ने दोनों फ्लाई ओवर के जंक्शन पर स्मूथ ट्रैफिक के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

यूटिलिटी शिफ्टिंग को लेकर दिये निर्देश : मुख्यमंत्री ने दोनों फ्लाई ओवर के निर्माण के क्रम में यूटिलिटी शिफ्टिंग को लेकर भी अधिकारियों से जानकारी लेते हुए कई आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने इंजीनियर्स से कहा कि अगर फ्लाई ओवर को लेकर किसी तरह की तकनीकी अड़चन आ रही है, तो उसका अविलंब समाधान निकाला जाये। उन्होंने कहा कि दोनों ही फ्लाई ओवर का निर्माण तय समय तक हर हाल में हो जाना चाहिए। इस मौके पर अधिकारियों ने बताया कि कांटाटोली और सिरमटोली फ्लाई ओवर निर्माण में आधुनिकतम तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस मौके पर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव वंदना डाडेल और पथ निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार मौजूद थे।

224 करोड़ की लागत से बन रहा कांटाटोली फ्लाई ओवर : बता दें कि रांची के कांटाटोली फ्लाई ओवर का निर्माण 224 करोड़ की लागत से हो रहा है। शुरुआत में इसके निर्माण को लेकर 40 करोड़ की डीपीआर बनी थी, लेकिन धीरे-धीरे इसकी लागत 224 करोड़ रुपये तक जा पहुंची।

337 करोड़ की लागत से सिरमटोली फ्लाई ओवर का हो रहा निर्माण : वहीं, सिरमटोली फ्लाई ओवर के निर्माण की लागत 337 करोड़ रुपये है। यह फ्लाई ओवर सिरमटोली से राजेंद्र चौक होते हुए मेकन गोल चक्कर तक जायेगा। राजेंद्र चौक से होते हुए मेकन कॉलोनी तक चार लेन में इसका निर्माण होगा। वहीं, ब्रिज का एक हिस्सा राजेंद्र चौक से नेपाल हाउस की ओर उतरेगा। यह हिस्सा दो लेन का होगा। चार लेनवाले ब्रिज की लंबाई 1632 मीटर और दो लेन वाले की लंबाई 295 मीटर होगी।

पत्रकार वेद प्रताप वैदिक का निधन

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। वरिष्ठ पत्रकार वेदप्रताप वैदिक का मंगलवार सुबह निधन हो गया। वह 78 साल के थे। वैदिक सुबह गुड़गांव स्थित अपने घर में करीब साढ़े नौ बजे के आसपास शौचालय गये थे और वह वहीं बेहोश हो गये। शौचालय का दरवाजा तोड़ कर उन्हें बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मृत्यु हो गयी। इससे पूर्व वैदिक पूरी तरह स्वस्थ थे और कल भी वह दिल्ली गये थे। डाक्टरों ने दिल का दौरा पड़ने को मृत्यु का संभावित कारण बताया है। उनके परिवार में एक पुत्र और एक पुत्री हैं। उनकी पत्नी का पहले ही निधन हो गया था। वैदिक पीटीआइ की हिंदी समाचार एजेंसी 'भाषा' के संस्थापक-संपादक रहे थे। वह पहले टाइम्स समूह के समाचारपत्र नवभारत टाइम्स में संपादक (विचार) रहने के साथ ही भारतीय भाषा सम्मेलन के अंतिम अध्यक्ष थे। उनके निधन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत कई नेताओं और पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया है।

नियोजन नीति को लेकर हेमंत पर बरसे बाबूलाल

मुख्यमंत्री यदि कार्रवाई नहीं करेंगे, तो जांच एजेंसी करेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। एक के बाद एक खुलासे होने के बाद भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर मंगलवार को बरस गये। उन्होने नियोजन नीति का मामला उठाते हुए कहा कि हमारी मांग बस इतनी है कि राज्य के मुख्यमंत्री सामने आकर बतायें कि उन्होंने कैसी नियोजन नीति बनायी है। अब तक वह 1932 का ढोल पीटते रहे, फिर यह कौन सी नियोजन नीति लाये हैं।

इधर सात लाख युवा अगर विरोध कर रहे हैं, इसमें बीजेपी कहां है? प्रदेश की जनता हमसे पूछेगी तो हम क्या जवाब देंगे। इतनी छोटी बात को मुख्यमंत्री को सामने आकर बताना चाहिए। वहीं राजीव अरुण एक्का पर मरांडी ने कहा कि पहले भी मुख्यमंत्री अपराधियों को बचाने का प्रयास करते रहे हैं, यह दूसरा नमूना है।

पहला नमूना जो अवैध तरीके से पत्थरों की ढुलाई हो रही थी, उसमें उन्होने कितनी अच्छी तरीके से कारीगरी दिखायी कि उसमें जांच बिठायी, लेकिन बस ट्रेन में अवैध ढुलाई की जांच होगी। ट्रेन में जांच करके क्या मिलेगा! पत्थर का उत्खनन जहां से हुआ, वहां से जांच की जाये। राजीव अरुण एक्का को बचाने के लिए पहले उन्होंने क्या किया। बस इनका विभाग चेंज किया।

ट्रांसफर कोई सजा नहीं होती। हम लोगों ने मांग की थी कि इनको निलंबित किया जाये। इनके ऊपर एफआइआर होनी चाहिए थी।

पत्रकार बंधुओं के सहारे भाजपा की रोजी-रोटी चल रही है: हेमंत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा के लिए किन-किन शब्दों का उपयोग करूं, यही सोच रहा हूं। सीएम ने कहा कि भाजपा अब किन-किन सहारों के भरोसे अपनी राजनीतिक रोटी सेंकेगी, यह तो आनेवाले समय में पता चलेगा, लेकिन वर्तमान स्थिति में मैं यही कह सकता हूं कि भारतीय जनता पार्टी की फिलहाल पत्रकार बंधुओं के सहारे ही रोजी रोटी चल रही है। सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को बजट सत्र के आठवें दिन शाम को सदन स्थगित होने के बाद पत्रकारों से यह बात कही। पंचायती राज विभाग के प्रधान राजीव अरुण एक्का की जांच के लिए बनायी गयी जांच कमेटी पर भाजपा के द्वारा उठाये गये सवाल का वह जवाब दे रहे थे।

बता दें कि पंचायती राज विभाग के प्रधान राजीव अरुण एक्का को इडी द्वारा समन भेजा गया है और पूछताछ के लिए बुधवार सुबह 11:00 बजे इडी ऑफिस बुलाया गया है। विशाल चौधरी के ऑफिस में बैठ कर राजीव अरुण एक्का फाइलें निपटाते दिखे थे। वीडियो वायरल होने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के पद से हटा कर पंचायती राज विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया। इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक सदस्यीय कमेटी का गठन किया है, जो हाइकोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस विनोद कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में इस मामले की जांच करेगी। कमेटी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी।

अवैध माइनिंग को लेकर हाइकोर्ट ने बनायी तीन सदस्यीय कमेटी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में मंगलवार को पलामू, गढ़वा और लातेहार में अवैध माइनिंग से संबंधित मामले को लेकर पंकज कुमार यादव की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। खंडपीठ ने मामले में आइजी रैंक के अधिकारी समेत माइनिंग विभाग के दो सीनियर अधिकारियों की तीन सदस्यीय कमेटी बनाने का निर्देश दिया है। इन दो सीनियर अधिकारियों को जियोलॉजी और माइनिंग की जानकारी होनी जरूरी है। गृह सचिव इन तीन सदस्यों वाली कमेटी को गठित करेंगे। इस कमेटी को लातेहार, गढ़वा और पलामू के डीसी जांच में सहयोग करेंगे। कमेटी तीनों जिलों में अवैध माइनिंग की जांच कर रिपोर्ट कोर्ट को सौंपेगी। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि झारखंड में राजस्व का प्रमुख सोर्स माइनिंग है, इसके बाद भी अवैध माइनिंग हो रही है। इस पर अंकुश लगाने की जरूरत है।

नियोजन नीति पर उबाल से सदन की गरमाहट बरकरार

झारखंड विधानसभा बजट सत्र का आठवां दिन : विपक्ष का विरोध जारी, पहली पाली की कार्यवाही बाधित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में नियोजन नीति को लेकर उबाल बरकरार है। एक तरफ युवा '60-40 नाय चलतौ' को लेकर ट्वीटर पर कैंपन चला रहे हैं, दूसरी तरफ सदन में इस मुद्दे की गरमाहट बरकरार है। बजट सत्र की बैठक के आठवें दिन विपक्ष ने एक बार फिर नियोजन नीति को लेकर हंगामा किया। भाजपा विधायक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस मुद्दे पर जवाब देने के लिए अड़े रहे। हंगामे की वजह से पहली पाली की कार्यवाही नहीं हो सकी। दूसरी पाली में बजट पर चर्चा हुई।

प्रश्नकाल रहा बाधित : मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही भाजपा विधायकों ने तेवर दिखा दिया था। वह पीले रंग की टी-शर्ट पहन कर पहुंचे थे। जिस पर '60-40 नाय चलतौ' लिखा हुआ था। उन्होंने सदन के बाहर प्रदर्शन किया और सरकार के विरोध में नारे लगाये। दोपहर 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। सदन में नारेबाजी की, मेज थपथपाया और तालियां बजा कर भी विरोध किया। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने बार- बार आग्रह किया कि प्रश्नकाल चलने दिया जाये। उन्होंने कहा कि हमको भी एक दो सवाल लेकर बोहनी करने दिया जाये। रोज-रोज का हंगामा कर प्रश्नकाल बाधित करना ठीक नहीं है। भाजपा विधायक नियोजन नीति पर सरकार से जवाब की मांग पर अड़े रहे और हंगामा करते रहे। इसके बाद अध्यक्ष ने कार्यवाही 12.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

हंगामे के बीच ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लिया : सदन की कार्यवाही 12.30 बजे फिर शुरू होने के बाद भी विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष के हंगामे के बीच सदन में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लिया गया। इसी बीच विधानसभा अध्यक्ष ने सदन को व्यवस्थित करने के लिए भाजपा विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा को बात रखने को कहा। नीलकंठ ने कहा कि सदन में दो-तीन दिनों से व्यवधान हो रहा है। विपक्ष की भावना का आदर करते हुए सदन चले। विपक्ष ने एकमात्र विषय को सदन में रखा है। राज्य के शिक्षित बेरोजगार प्रताड़ित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदन में सरकार बताये कि 1932 का क्या हुआ। 2016 से पहले की जो नियोजन नीति सरकार लागू करने जा रही है, वह क्या है। साथ ही उन्होनें पूछा कि 60-40 क्या है। सरकार इन सभी विषयों को स्पष्ट करे। इन विषयों पर मुख्यमंत्री का जवाब दिलाया जाये। मुख्यमंत्री सदन में उपस्थित नहीं थे। इसे लेकर विपक्ष ने निशाना साधा और फिर हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद सदन की कार्यवाही भोजन अवकाश तक के लिए स्थगित कर दी गयी। प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण और शून्यकाल पर चर्चा नहीं हो सकी।

सरकार के जवाब से पहले विपक्ष निकला बाहर : भोजन अवकाश के बाद कृषि बजट पर चर्चा शुरू हुई। चर्चा के बीच में ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच छींटाकशी शुरू हो गयी। विपक्ष ने सरकार को घेरने का प्रयास किया, तो सत्ता पक्ष ने बजट की सराहना की। सरकार का जवाब आने से पहले विपक्ष के सदस्य बहिष्कार कर सदन के बाहर चले गये।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 54,700 रु./10 ग्राम
चांदी 70,000 रु./प्रति किलो

योगी ने ध्वस्त कर दिया माफिया सरगना अतीक अहमद का साम्राज्य

■ कभी पूर्वांचल में आतंक का पर्याय माना जाता था, आज मांग रहा पनाह

■ कैसे एक तांगेवाले का बेटा बन गया जुर्म की दुनिया का बेताज बादशाह

■ आज उसकी जान की भीख मांग रही है उसकी पत्नी शाइस्ता परवीन

माफिया कोई भी हो मिट्टी में मिला दूंगा, ये शब्द हैं उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के। जैसे ही उन्होंने माफियाओं को मिट्टी में मिलाने की बात कही, उत्तरप्रदेश के बड़े से बड़े माफिया, गुंडों और यहां तक कि कई राजनेताओं का हलक सूख गया। सदन में सपा नेताओं की योगी आदित्यनाथ ने बखिया उधेड़ दी। योगी ने गरज कर कहा कि समाजवादी पार्टी पेशेवर माफियाओं की सरपरस्त है। अतीक अहमद समाजवादी पार्टी के द्वारा पोषित माफिया है, लेकिन उसकी कमर को तोड़ने का काम हमारी सरकार ने किया है। योगी राज में माफिया अपनी दुम को दूसरे राज्यों में दबाये हुए हैं। कई बड़े माफिया जेल में बंद हैं। वे जेल से निकलना भी नहीं चाहते। पहले योगी आदित्यनाथ ने मुख्तार अंसारी के साम्राज्य को मिट्टी में मिला दिया और अब अतीक अहमद का साम्राज्य धुआं-धुआं हो रहा है। योगी के नाम से अतीक कांप चुका है। उसकी पत्नी उसके जीवन की दुहाई मांग रही है। एक वक्त था, जब अतीक पूर्वांचल में खौफ का दूसरा नाम था। आज वह खुद खौफजदा है। होना भी यही चाहिए। कैसे एक मजबूत सरकार माफियाओं को मिट्टी में मिला सकती है, यह योगी आदित्यनाथ ने कर दिखाया है। कैसे एक तांगेवाले का बेटा अतीक अहमद देखते ही देखते इतना बड़ा डॉन बन गया? कैसे हजारों करोड़ का साम्राज्य उसने खड़ा कर दिया? कैसे गुजरात की जेल में बंद अतीक यूपी में मर्डर करवा रहा है? क्या है अतीक अहमद और राजू पाल हत्याकांड का कनेक्शन? कैसे आज उसी का कर्म कोढ़ बन कर उसका सर्वनाश कर रहा है, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

तारीख 24 फरवरी 2023, शुक्रवार को प्रयागराज में दिनदहाड़े बम और गोलियां चलती हैं। चार-पांच हमलावरों ने बसपा विधायक रहे राजू पाल हत्याकांड के आखिरी गवाह उमेश पाल की हत्या कर दी। हत्या के बाद उमेश पाल की पत्नी जया पाल की चीख ने उत्तरप्रदेश को हिला डाला। उन्होंने चीत्कार कर कहा, मेरे पति की हत्या जेल में बंद माफिया अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ, उसकी पत्नी शाइस्ता परवीन और उसके दोनों बेटों ने करवायी है। जया पाल ने इन सभी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। यूपी पुलिस की 10 टीमें तुरंत एक्टिव हुईं। पुलिस ने अतीक के दो बेटों समेत कुल नौ लोगों को हिरासत में लिया। उमेश पाल पूजा पाल को न्याय दिलाने के लिए 18 साल से मुकदमा लड़ रहा था। पूजा पाल उसकी चचेरी बहन थी। उसकी चचेरी बहन पूजा की शादी के ठीक 10 दिन बाद 25 जनवरी 2005 को उसके पति राजू पाल की हत्या कर दी गयी। राजू पाल की हत्या के बाद उस वक्त के सपा सांसद अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ और कई लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया। मामले की जांच शुरू हुई। राजू पाल की हत्या के बाद उपचुनाव में अतीक का भाई विधायक बन गया। फिर साल 2007 और 2012 में उसी सीट से राजू की पत्नी पूजा पाल ने चुनाव जीता। राजू पाल की हत्या के बाद आये दिन उमेश पाल को जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। शादी के एक हफ्ते के अंदर उसकी विधवा हुई चचेरी बहन पूजा पाल को न्याय तो नहीं मिला, लेकिन एक और हत्या हो गयी।

कैसे एक तांगा चलानेवाला का बेटा जुर्म की दुनिया का बेताज बादशाह बन गया

70 का दशक। तब के इलाहाबाद और आज के प्रयागराज में नये-नये शिक्षा केंद्रों, स्कूल-कॉलेजों का निर्माण चरम पर था। नये-नये उद्योग-धंधे लग भी रहे थे और फलफूल भी रहे थे। अलग-अलग विभागों से सरकारी ठेके बाढ़ की तरह बंट रहे थे। जिले में पैसों की चमक दिखने लगी। अमीरों की तादाद बढ़ने लगी। इधर नये खून में झटपट अमीर बनने का चस्का लग चुका था। जल्दी और शॉर्टकट तरीके से पैसा कमाने के लिए वे कुछ भी करने को तैयार थे। उन दिनों शहर में चांद बाबा की दहशत थी। इसी दहशत के बीच अचानक से चकिया मोहल्ले के एक नये लड़के का नाम सुर्खियों में आना शुरू हुआ। नाम था अतीक अहमद। फिरोज तांगेवाले का बेटा। पहलवान था। बहुत ही जल्द वह युवाओं में मशहूर होने लगा। पढ़ाई में कमजोर, लेकिन क्राइम की दुनिया में अव्वल। अतीक अहमद नाम का उदय हो चुका था। वैसे तो अतीक अहमद का जन्म 1960 में प्रयागराज के धूमनगंज कसारी नसारी में हुआ था, लेकिन मात्र सत्रह साल की उम्र में उसका नया जन्म हुआ। जुर्म की दुनिया में। अतीक के पिता तांगा चलाने के साथ-साथ कुश्ती लड़ा करते थे। अतीक भी पिता को देख कुश्ती लड़ा करता। यहीं से इलाके में उसका नाम पहलवान भी पड़ा। अतीक ने इंटर तक ही पढ़ाई की। साल 1979 में 17 साल का अतीक 10वीं कक्षा में फेल हो गया। उसी दौरान वह इलाके में रंगदारी वसूलने लगा। पहली रंगदारी उसने अपने मोहल्ले में ही वसूली। रंगदारी वसूलते-वसूलते वह क्राइम की दुनिया में एक कदम और आगे बढ़ गया। 1979 में ही पहली बार अतीक का नाम हत्या के केस में सामने आया। मो गुलाम हत्याकांड में अतीक का नाम पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुआ। यह मामला केस धारा 302 के तहत खुल्दाबाद थाने में दर्ज हुआ। मुकदमा संख्या 431 /79। इसके बाद उसका धंधा चल निकला। उसके नाम का खौफ बढ़ने लगा। देखते ही देखते एक तांगेवाला का बेटा क्राइम की दुनिया का बेताज बादशाह बन गया। समय के साथ उसे बड़े-बड़े सरकारी ठेके मिलने लगे और वह जम कर पैसा कमाने लगा। जैसे-जैसे अपराध की दुनिया में उसका नाम बड़ा होता गया, वैसे-वैसे अपराध की दुनिया में कई नाम उसके सामने बौने साबित होने लगे। बाहुबली चांद बाबा के विरोधी और पुलिस भी अतीक को शह देने लगी थी। अब अतीक अहमद का नाम प्रयागराज के सबसे बड़े माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा। सात सालों में अतीक चांद बाबा से भी ज्यादा खतरनाक हो गया था। जिस पुलिस ने कभी अतीक को शह दे रखी थी, अब उसी पुलिस की नाक में अतीक ने दम कर दिया। पुलिस बदनाम हो चुकी थी। उसे अपनी छवि सुधारनी थी। पुलिस दिन-रात उसे तलाशने में जुट गयी। एक दिन अतीक पुलिस के हत्थे चढ़ गया। लोगों को लगा कि अब अतीक का काम खत्म हो गया। उन दिनों प्रदेश में वीर बहादुर सिंह की सरकार थी और केंद्र में राजीव गांधी की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उस वक्त अतीक की गिरफ्तारी के बाद उसे छुड़ाने के लिए दिल्ली से फोन आया था। इस एक फोन कॉल ने दर्शा दिया कि अतीक की राजनीतिक पकड़ क्या है। वह कितना बड़ा बन चुका था।

माफियागिरी के सात सालों में प्रयागराज के कांग्रेस सांसद से उसके अच्छे संबंध बन चुके थे। अतीक की आपराधिक गतिविधि पर लगाम लगाने के लिए यूपी सरकार ने 1985 में गुंडा और 1986 में गैंगस्टर की कार्रवाई की। साथ ही और कड़ी निगरानी के लिए 17 फरवरी 1992 को इसकी हिस्ट्रीशीट खोली गयी, जिसका हिस्ट्रीशीट नंबर 39 ए है। उसके गैंग का नंबर आइएस -227 है।

क्राइम के बाद सोचा, चेहरा साफ किया जाये, सो राजनीति में आजमायी किस्मत

अतीक अहमद अब बड़ा हाथ मारना चाहता था। समाज सेवक का चोला ओढ़ना चाहता था। सो अब बारी थी राजनीति में एंट्री की। अतीक 1989 में प्रयागराज पश्चिमी सीट से अपने चिर प्रतिद्वंद्वी चांद बाबा के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरा। अतीक पहली बार में ही चांद बाबा को निगल गया। चांद बाबा को हरा कर वह विधायक बन गया। अब उसकी एंट्री राजनीति में ऑफिशियली हो गयी। वह विधायक बन चुका था। इसके बाद उसने पीछे मुड़ कर नहीं देखा और राजनीति के दम पर अपराध की दुनिया में एक अलग मुकाम स्थापित कर लिया। यह वह दौर था, जब माफिया सांसद या विधायक बन कर सफेद लिबास पहन अपने काले कारनामों की मैल ढकना चाहते थे। लेकिन जनता की नजर में उनका खौफ बरकरार रहे, उसके लिए अपने अपराध का स्तर भी दिन पर दिन हाइ-टेक करते रहते। अतीक अहमद पांच बार विधायक और एक बार सांसद चुना गया। एक समय ऐसा आ गया, जब उसके खिलाफ दर्ज मामलों की सुनवाई से बड़े-बड़े वकील और यहां तक कि जज तक उससे दूरी बनाने लगे। अतीक अहमद राजनीतिक गलियारे में रसूख बनाने के लिए हर हथकंडा अपना रहा था। इसी कड़ी में 1995 में उसे पहचान मिली। उसका नाम लखनऊ में हुए गेस्ट हाउस कांड में आया। सपा सरकार को बचाने के लिए उसने तत्कालीन बसपा प्रमुख मायावती और उनके दल के तमाम लोगों को बंधक बना लिया। लखनऊ के थाना हजरतगंज में अतीक पर मुकदमा दर्ज हुआ। उसकी विवेचना क्राइम ब्रांच, अपराध अनुसंधान विभाग लखनऊ (सीआइडी) ने की थी। इसमें उसका नाम प्रमुख अभियुक्त के रूप में दर्ज किया गया। इसके साथ ही प्रयागराज के धूमनगंज थाने में एक ही दिन में 114 केस अतीक के खिलाफ दर्ज किये गये। साल 1996 में सपा के टिकट पर वह विधायक बना। साल 1999 में अपना दल के टिकट पर प्रतापगढ़ से चुनाव लड़ा और हार गया। फिर 2002 में अपनी पुरानी इलाहाबाद पश्चिमी सीट से 5वीं बार विधायक बना।

माफिया अतीक अहमद के आवास को तोड़ता बुल्डोजर।

राजू पाल की हत्या और अतीक का कनेक्शन

साल 2002 में अतीक पर नस्सन की हत्या का आरोप लगा। साल 2003 में यूपी में मुलायम सिंह यादव की सरकार बनी। अतीक वापस सपा में शामिल हो गया। साल 2004 में मुरली मनोहर जोशी के करीबी भाजपा नेता अशरफ की हत्या हुई। इस हत्या में भी अतीक का नाम आया। मुकदमा दर्ज हुआ। लगातार हमले में नाम आने के बाद अतीक अब डॉन के नाम से जाना जाने लगा था। साल 2004 में देश में लोकसभा के चुनाव हुए। प्रयागराज की पश्चिम सीट के विधायक अतीक अहमद फूलपुर लोकसभा से ही सांसदी का चुनाव जीत गया। शहर पश्चिमी विधायक की कुर्सी खाली हो गयी। अब अतीक अपने छोटे भाई अशरफ को वहां से विधायक बनाना चाहता था। उपचुनाव की तारीख आयी, तो अतीक के खास रहे राजू पाल ने भी बसपा के टिकट पर विधायकी लड़ने का एलान कर दिया। 2004 के अक्टूबर महीने में अतीक को बड़ा सियासी झटका लगा। राजू पाल ने अशरफ को हरा दिया। इसी जीत के साथ राजू पाल अतीक का दुश्मन बन गया। विधायक बनने के तीन महीने बाद 15 जनवरी 2005 में राजू पाल ने पूजा पाल से शादी कर ली। शादी के ठीक 10 दिन बाद 25 जनवरी 2005 में राजू पाल की हत्या कर दी गयी। राजू पाल की हत्या के बाद उस वक्त के सपा सांसद अतीक अहमद, उनके भाई अशरफ, फरहान, रंजीत पाल, आबिद, गुफरान के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया। मामले की जांच शुरू कर दी गयी। राजू की हत्या के बाद उपचुनाव में अतीक का भाई विधायक बन गया। फिर साल 2007 और 2012 में उसी सीट से राजू की पत्नी पूजा ने चुनाव जीता।

अतीक का खराब टाइम शुरू

सल 2005 में विधायक राजू पाल हत्याकांड के बाद अतीक अहमद का बुरा वक्त शुरू हो गया। साल 2007 में यूपी की सत्ता बदली। मायावती सूबे की मुखिया बन गयीं। सत्ता जाते ही सपा ने अतीक को पार्टी से बाहर निकाल दिया। सीएम बनते ही मायावती ने ऑपरेशन अतीक शुरू किया। 20 हजार का इनाम रख कर अतीक को मोस्ट वांटेड घोषित किया गया। अतीक की करोड़ों की संपत्ति सीज कर दी गयी। इमारतें गिरा दी गयीं। खास प्रोजेक्ट अलीना सिटी को अवैध घोषित करते हुए ध्वस्त कर दिया गया। मायावती सरकार में अतीक पर एक ही दिन में 100 से ज्यादा मुकदमे दर्ज कराये गये। उसके पूरे गैंग का चार्टर तैयार हुआ। पुलिस ने अपने रिकॉर्ड में गैंग का नाम आइएस (इंटर स्टेट) 227 लिखा। उस वक्त अतीक के गैंग में 120 से ज्यादा सदस्य थे। इन दिनों सांसद रहते हुए अतीक फरार रहा।

साल 2012: जेल से चुनाव लड़ा, 10 जजों ने सुनवाई से खुद को अलग कर लिया

अतीक फरार था। उसको पकड़ने के लिए पूरे देश में अलर्ट जारी कर दिया गया। एक दिन दिल्ली पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया, हमने अतीक को गिरफ्तार कर लिया है। वह दिल्ली के प्रीतमपुरा के एक अपार्टमेंट में मौजूद था। यूपी पुलिस अतीक को अपने साथ ले गयी और उसे जेल में बंद कर दिया गया। साल 2012 में यूपी विधानसभा चुनाव हुए। अतीक ने जेल के अंदर से पर्चा भरा। इलाहाबाद हाइकोर्ट में जमानत की अर्जी लगायी। हाईकोर्ट के 10 जजों ने इसकी सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। एक जज सुनवाई के लिए राजी हुए। अतीक को जमानत मिल गयी। इस बार अतीक खुद राजू पाल की पत्नी के खिलाफ चुनाव लड़ा, लेकिन फिर जीत नहीं पाया। हालांकि राज्य में सपा सरकार बन गयी। पूजा पाल से चुनाव हारने के बाद अतीक सपा के टिकट पर श्रावस्ती से चुनाव लड़ा। हार गया। दिसंबर 2016 में मुलायम सिंह ने अतीक को कानपुर कैंट से टिकट दिया। 14 दिसंबर को अतीक और उसके 60 समर्थकों पर इलाहाबाद के शियाट्स कॉलेज में तोड़फोड़ और मारपीट का आरोप लगा। अतीक एक निलंबित छात्र की पैरवी करने कॉलेज गया था। उसने कॉलेज के अधिकारियों को भी धमकाया। वीडियो वायरल हो गया। यह मामला चल ही रहा था कि 22 दिसंबर को अतीक 500 गाड़ियों के काफिले के साथ कानपुर पहुंचा। खुद 'हमर' पर सवार था। हमर कार, जिसकी कीमत उस समय आठ करोड़ बतायी गयी थी। उस वक्त अतीक का ये काफिला सुर्खियां बना था। इसी बीच पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव बने। अतीक को पार्टी से बाहर निकाल दिया। शियाट्स कॉलेज मामले में हाइकोर्ट ने अतीक को गिरफ्तार करने के आदेश दे दिये। फरवरी 2017 में अतीक को गिरफ्तार कर लिया गया। हाइकोर्ट ने सारे मामलों में उसकी जमानत कैंसिल कर दी। इसके बाद से अब तक अतीक जेल में ही है।

योगी आदित्यनाथ ने अतीक अहमद के साम्राज्य को मिट्टी में मिला दिया

अब बारी अतीक के आतंक और जुर्म के दमन की थी। 2017 में भाजपा की सरकार बानी। योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने। फिर क्या था, मानो अपराधियों और मफियाओं के लिए काल बन कर आये योगी। योगी राज में पुलिस ने अतीक और उसके गुर्गों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। इसी का नतीजा है कि आज अतीक गुजरात की साबरमती जेल में बंद है। अतीक का भाई अशरफ बरेली जेल में बंद है। उसका एक बेटा उमर लखनऊ और दूसरा बेटा प्रयागराज नैनी जेल में बंद है। अतीक की पत्नी के खिलाफ भी 25 हजार का इनाम घोषित हो चुका है। वहीं, उसके दो नाबालिग बेटे भी उमेश पाल हत्या कांड के बाद पुलिस की रडार पर हैं। अतीक गैंग पर पिछले दिनों योगी सरकार का बुलडोजर भी जम कर चला है। पुलिस ने गैंग के 14 सदस्यों को गिरफ्तार करते हुए गुंडा एक्ट में कार्रवाई की। वहीं 22 की हिस्ट्रीशीट खुली और दो गुर्गों को जिला बदर किया गया। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत अब तक 415 करोड़ की संपत्ति जब्त की है। 68 शस्त्र लाइसेंस भी रद्द कर दिये। यही नहीं, 751 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियों को भी जमींदोज किया गया है। वहीं अतीक अहमद की पत्नी ने सीएम योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिख कर पति की जान बचाने की गुहार लगायी है। क्या से क्या हो गया अतीक। एक वक्त ऐसा था, जब अतीक पूर्वांचल में खौफ का दूसरा नाम था। आज वह खुद खौफ में है।

अतीक के खिलाफ अब तक 250 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। इनमें मायावती सरकार में एक ही दिन में दर्ज किये गये 100 से ज्यादा मुकदमे भी शामिल हैं। बाद में इन्हें हाइकोर्ट के आदेश पर स्पंज कर दिया गया था। बड़ी संख्या में उसके मुकदमे वापस लिये जा चुके हैं, जबकि सबूतों और गवाहों के अभाव में तमाम मुकदमों में वह बरी हो चुका है। मौजूदा समय में भी अतीक के खिलाफ 53 मुकदमे एक्टिव हैं। इनमें 42 मुकदमे कोर्ट में पेंडिंग हैं, जबकि 11 मामलों में अभी जांच पूरी नहीं हो सकी है। अतीक अहमद के खिलाफ उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कौशांबी, चित्रकूट, प्रयागराज ही नहीं, बल्कि बिहार राज्य में भी हत्या, अपहरण, जबरन वसूली आदि के मामले दर्ज हैं। अतीक के खिलाफ 17 धारा 302, 12 गैंगस्टर एक्ट, 8 आर्म्स एक्ट और 4 गुंडा एक्ट के मामले दर्ज हैं।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	33.8 °c	18.8 °c
सूर्यास्त (आज) :		17.58 बजे
सूर्योदय (कल) :		06.00 बजे

बजट सत्र : भाजपा के सभी विधायक 60:40 नाय चलतौ लिखी टी शर्ट पहन कर पहुंचे सदन

विधिसम्मत नियोजन नीति के लिए भाजपा विधायकों ने किया प्रदर्शन

कहा- नियोजन नीति को लेकर हेमंत सरकार की नीति स्पष्ट नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे चरण के दूसरे दिन मंगलवार को भाजपा विधायकों ने विधानसभा गेट पर नियोजन नीति के मुद्दे पर प्रदर्शन किया। सभी विधायक 60:40 नाय चलतो लिखा टी शर्ट पहन कर पहुंचे। इस दौरान 60:40 नाय चलतो, 1932 की भेलो का नारे लगाये। भाजपा विधायक मनीष जयसवाल ने कहा कि नियोजन नीति को लेकर सरकार की नीति स्पष्ट नहीं है। कैसे इस मामले पर राज्य में गतिरोध कायम रहे और युवा दर-दर भटकते रहे, इस पर सरकार काम कर रही है। सरकार के पास न तो रोजगार देने की नीति है और न ही नीयत। उन्होंने कहा कि सरकार पिछले दरवाजे से नियोजन नीति ला रही है, जबकि सत्र चल रहा है, तो इस नीति को पहले सदन में लाना चाहिए था।

राज्य के शिक्षित बेरोजगार प्रताड़ित हो रहे : नीलकंठ

रांची। सदन में मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति को लेकर भाजपा विधायकों ने हंगामा किया। विपक्ष ने सदन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हाजिर हो का नारा लगाया। विपक्ष के हंगामे के बीच सदन में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लिया जा रहा था। इसी बीच स्पीकर ने सदन को व्यवस्थित करने के लिए भाजपा विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा को बात रखने को कहा। नीलकंठ ने कहा कि सदन में दो तीन दिनों से व्यवधान हो रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की भावना का आदर करते हुए सदन चले। विपक्ष ने एकमात्र विषय को सदन में रखा है। राज्य के शिक्षित बेरोजगार प्रताड़ित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदन में सरकार बताये कि 1932 का क्या हुआ। 2016 से पहले की जो नियोजन नीति सरकार लागू करने जा रही है, वह क्या है। साथ ही उन्होंने पूछा कि 60-40 क्या है। सरकार इन सभी विषयों को स्पष्ट करे। उन्होंने कहा कि पक्ष और विपक्ष ने सर्वसम्मति से आपको स्पीकर की कुर्सी पर बैठाया है, जो मामले विपक्ष उठा रहा है, उस पर मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए।

विपक्ष को नियोजन नीति का समर्थन करना चाहिए: बंधु

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। एक तरफ जहां नियोजन नीति को लेकर रार छिड़ी हुई है तो वहीं दूसरी तरफ सरकार इसे अपनी उपलब्धि बता रही है। नियोजन नीति को लेकर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा है कि हेमंत सरकार जो नयी नियोजन नीति लायी है, वह हेमंत सरकार की संवेदनशीलता का परिणाम है। विपक्षी दलों को सरकार की आलोचना की बजाय सकारात्मक परिप्रेक्ष्य में झारखंड के आम लोगों के हित के बारे में सोचना चाहिए। विपक्ष की तरफ से की जा रही कार्रवाई की बंधु तिर्की ने तीखी आलोचना करते हुए कहा कि राजनीति हर हाल में हो, लेकिन यह आम लोगों की सुरक्षा, उनके विकास और उनके हित की कीमत पर कभी नहीं होनी चाहिए।

पूरी तरह सही है नियोजन नीति

नयी नियोजन नीति पूरी तरह तार्किक है और जब प्रत्येक राज्य का स्थानीयता के संदर्भ में अपना कानून है, तो फिर झारखंड को ही इससे परहेज क्यों करना चाहिए? झारखंड की जमीनी हकीकत को देख कर कोई भी व्यक्ति खतियान आधारित स्थानीयता नीति की गंभीरता और सार्थकता को आसानी से समझ सकता है। लेकिन न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए और आम लोगों एवं युवाओं की जरूरतों के साथ ही बड़ी संख्या में युवाओं की आयु सीमा पार होने के तथ्य को ध्यान में रखते हुए झारखंड के लोगों के हित में नियोजन नीति की घोषणा की गयी है। इसे सभी का समर्थन मिलना ही चाहिए न कि राजनीति के चलते अनावश्यक आलोचना की जानी चाहिए।

झारखंड विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव:

मॉडल और उत्कृष्ट विद्यालयों में भी होगी संताली भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंगलवार को साढ़े बारह बजे तक स्थगित सदन के दूसरी बार शुरू होते ही ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाने की बात विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने की। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के दौरान नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि राज्य में बेरोजगारी अहम मुद्दा है। ऐसे में राज्य सरकार से यह उम्मीद करते हैं कि 1932 खतियान का क्या हुआ। 2016 से पहले की नियोजन नीति क्या है और 60:40 क्या है, इसे स्पष्ट करे।

डीवीसी विस्थापितों को कब मिलेगा जमीन का पट्टा : अकेला

बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने सदन में कहा कि तिलैया जलाशय निर्माण के दौरान चौपारण प्रखंड के हराई और बहमर गांव के लोगों को विस्थापित कर श्रीनगर गांव में बसा दिया गया। ऐसा साल 1951-52 में किया गया, लेकिन अब तक उन्हें जमीन का कागज नहीं दिया गया। इस वजह से वे कई लाभ से वंचित रह जा रहे हैं। इसके जवाब में कल्याण मंत्री जोबा मांझी ने कहा कि एक माह के भीतर इसकी जांच करायी जायेगी और नियम संगत लाभ दिया जायेगा।

शिक्षकों की नियुक्ति के लिए पद सृजन शुरू : आलमगीर

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के दौरान विधायक समीर मोहंती ने पूर्वी सिंहभूम के तीन उत्कृष्ट और 19 मॉडल स्कूलों में शिक्षक नियुक्ति का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि यहां स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है, लेकिन इस नियुक्ति में संताली भाषा के शिक्षक नहीं हैं। इस सवाल का जवाब देते संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि 27 जनवरी को जारी पत्र के आधार पर संताली भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति के लिए पद सृजन शुरू किया गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि अगले महीने नियुक्ति हो जायेगी।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

- **मेष** — संतानपक्ष से हर्षदायक समाचार की प्राप्ति होगी, इच्छित कार्य में सफलता।
- **वृष** — कानूनी उलझनों से छुटकारा, रोग-शोक-दुःश्चिंताओं से मुक्ति मिलेगी।
- **मिथुन** — कामकाज की स्थिति बेहतर होगी, परिश्रम-प्रयत्न से वांछित उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे।
- **कर्क** — कार्य की अधिकता, रोजगार-व्यवसाय में समस्याओं के समाधान का रास्ता निकलेगा।
- **सिंह** — जमीन-मकान, आवास, वाहन संबंधी समस्या का समाधान मिलेगा, उलझनें दूर होंगी।
- **कन्या** — राजनीतिक लाभ, अनेक रचनात्मक काम शुरू होंगे, परेशानियों में कमी होगी।
- **तुला** — धर्म-समाज के प्रति दायित्व पूरे होंगे, गृह-भूमि-वाहन का सुख, आमदनी के स्रोत बढ़ेंगे।
- **वृश्चिक** — जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी, संपत्ति बढ़ेगी
- **धनु** — सरकारी नौकरी से जुड़े लोग खुशहाल रहेंगे, गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा।
- **मकर** — व्यावसायिक स्थिति में निरंतर मजबूती बढ़ेगी, शत्रु पराभूत होंगे, आकस्मिक धनलाभ।
- **कुंभ** — प्रेम प्रसंग में सफलता, विरोधियों पर विजय, पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।
- **मीन** — परिस्थिति में सुधार, महत्वपूर्ण कार्य में सफलता, धनलाभ, शुभ समाचार मिलेगा।

पारा टीचरों के मानदेय में नहीं हुई 10 फीसदी की बढ़ोत्तरी : दीपिका

रांची। सदन में विधायक दीपिका पांडेय ने कहा कि राज्यभर के पारा टीचर (सहायक अध्यापक) दो वर्षों से मानदेय में 10 फीसदी बढ़ोतरी के इंतजार में हैं। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड ने अब आश्वासन दिया है कि पारा शिक्षकों के आकलन परीक्षा के बाद ही इस संबंध में कदम उठाये जायेंगे। झारखंड अधिविध परिषद (जैक), रांची द्वारा इसके लिए ऑनलाइन आवेदन लिये जा चुके हैं। अभी परिषद माध्यमिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा आयोजित करने में लगा है। इसके बाद आकलन परीक्षा ली जायेगी। विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने स्कूली शिक्षा विभाग से जानकारी मांगी थी कि अब तक 47 हजार सहायक अध्यापकों के मानदेय में 10 फीसदी बढ़ोतरी क्यों नहीं हुई। जबकि दिसंबर 2021 में शिक्षा मंत्री एवं सचिव के साथ हुई वार्ता में कहा गया था कि पारा शिक्षकों के लिए आकलन परीक्षा तीन माह के अंदर करा ली जायेगी। इस पर विभाग ने लिखित सूचना उपलब्ध कराते बताया है कि विभागीय मंत्री के साथ बैठक में गैर टेट पास एवं ट्रेंड पारा शिक्षकों के मानदेय में आकलन परीक्षा पास करने पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत बोनस देने की बात हुई थी। झारखंड सहायक सेवाशर्त नियमावली 2021 के अनुसार ऐसे सभी कार्यरत ट्रेंड शिक्षक (संप्रति पारा शिक्षक) जिनके सर्टिफिकेट वैध होंगे, वे आकलन परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। आकलन परीक्षा के लिए चार मौके दिये जायेंगे। राज्य के प्राथमिक और मिडिल स्कूलों के 61,161 सहायक अध्यापकों में से 56,633 के एकेडमिक और अन्य सर्टिफिकेटों का सत्यापन किया जा चुका है। अभी राज्य में चल रही मैट्रिक, इंटर की परीक्षा के बाद आकलन परीक्षा ली जायेगी।

सीपी सिंह ने पूर्व स्पीकर के लिए सरकारी आवास की मांग की

कमेटी बनाने के लिए स्पीकर से आग्रह किया है: मंत्री आलमगीर आलम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे चरण के दूसरे दिन मंगलवार को भोजनावकाश के बाद पूर्व स्पीकर और भाजपा विधायक सीपी सिंह ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के लिए सरकारी मकान, चालक और सहायक देने का मामला उठाया। सीपी सिंह ने कहा कि यह पद बहुत महत्वपूर्ण होता है। पूर्व स्पीकर सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सके, यह व्यवस्था की जानी चाहिए। साथ ही सीपी सिंह ने स्पीकर और सरकार से एक कमेटी बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि संसदीय परंपरा के अनुसार स्पीकर के चुनाव के समय कोई राजनीतिक दल कैंडिडेट खड़ा नहीं करता है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में यह व्यवस्था है कि पूर्व स्पीकर को कई सरकारी सुविधाएं दी जाती हैं। इस पर संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने सदन को जानकारी दी कि दूसरे राज्यों में पूर्व स्पीकर को सुविधा देय है। इस पर उन्होंने कमेटी बनाने के लिए स्पीकर से आग्रह किया। स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने भी कमेटी बनाने पर सहमति प्रदान की। भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही ने स्पीकर से आग्रह किया कि पूर्व स्पीकर को सुविधा देने के लिए जो कमेटी बने, वही कमेटी विधायकों का वेतन भत्ता बढ़ाने पर भी विचार करे।

24 प्रखंडों का सृजन करने के लिए लिये गये निर्णय को लागू किया जाये: डॉ लंबोदर महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने 10 वर्ष पूर्व झारखंड सरकार की मंत्रिपरिषद परिषद की बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों के 24 प्रखंडों को सृजन करने के लिए लिये गये निर्णय को लागू करने की मांग की है। उन्होंने यह मांग झारखंड विधानसभा के चल रहे बजट सत्र के दौरान मंगलवार को सदन में शून्यकाल के दौरान की। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार की मंत्रिपरिषद की हुई बैठक में चतरा जिले के जारी, पूर्वी सिंहभूम जिले के कोवाली, रामगढ़ जिले के चैनगड्डा, धनबाद जिले के मैथन, चिरकुंडा, पुटकी और राजगंज, रांची जिले के पिठौरिया, तमाड़ पूर्वी, सोनाहातु और जोन्हा, सरायकेला खरसावां जिले के सन्नी, पलामू जिले के रामगढ़, पश्चिम सिंहभूम जिले के टोकलो, बोकारो जिले के पिड्राजोरा, अमलाबाद, माराफारी, बरमसिया, खैराचातर, महुआटांड़, चतरोचट्टी और उपरघाट, खूंटी जिले के बीरबांकी और लातेहार जिले के मुरपा को प्रखंड बनाने का निर्णय लिया गया है। मगर 10 वर्ष के बाद भी उक्त निर्णय को अब तक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने सदन के माध्यम से से उक्त निर्णय के आलोक में कंडिका (एक) में अंकित स्थानों में प्रखंडों का सृजन करने का निर्णय लेने की मांग की है।

सदन में सरकार ने माना, राज्य के विवि में 40 फीसदी से ज्यादा शिक्षकों के पद खाली

माले विधायक विनोद सिंह के सवाल पर सरकार की ओर से मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने दिया जवाब

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बजट सत्र के दूसरे चरण के आठवें दिन सदन में माले विधायक विनोद सिंह ने अनुसूचित प्रश्न के जरिए राज्य के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में 300 से ज्यादा जेआरएफ पास अभ्यर्थियों को शिक्षकों के अभाव में शोध निदेशक नहीं मिल रहे हैं। वहीं विश्वविद्यालयों में स्वीकृत पदों के 40 फीसदी से ज्यादा शिक्षकों के पद खाली हैं।

इस पर सरकार की ओर से मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने जवाब देते हुए कहा, यह सही है कि राज्य के विश्वविद्यालयों में 40 फीसदी से ज्यादा शिक्षकों के पद खाली हैं। लेकिन शोध निदेशकों का अभाव नहीं है। उन्होंने बताया कि रांची यूनिवर्सिटी में जेआरएफ पास अभ्यर्थियों की संख्या 142 है, जबकि शोध निदेशक 92 हैं। वहीं विनोबा भावे यूनिवर्सिटी में जेआरएफ पास अभ्यर्थियों की संख्या 88 है, जबकि शोध निदेशकों की संख्या 42 है। सिदो-कान्हू मुर्मू यूनिवर्सिटी में जेआरएफ पास अभ्यर्थियों की संख्या 19 है, जबकि शोध निदेशकों की संख्या 63 है। शोध निदेशकों की राज्य में कमी नहीं है।

जहां तक बात विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति का है, तो इसके लिए राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों के मुख्यालय और अंगीभूत कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए विश्वविद्यालय को इकाई मान कर आरक्षण रोस्टर क्लीयरेंस की प्रक्रिया का प्रस्ताव कार्मिक विभाग को भेजा है। शिक्षकों की नियुक्ति की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

शिक्षा मंत्री की तबीयत बिगड़ी

रांची के पारस हॉस्पिटल से चेन्नई ले जाये गये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पिछले कई दिनों से झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो शारीरिक रूप से अस्वस्थ चल रहे हैं। 14 मार्च की अहले सुबह तीन बजे अस्वस्थ होने के बाद उन्हें पारस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। सीएम हेमंत सोरेन ने अस्पताल जाकर शिक्षा मंत्री से मुलाकात की और चेन्नई जाकर जांच कराने की सलाह दी। इसके बाद उन्हें विशेष विमान से चेन्नई ले जाया गया।

शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के पुत्र राजू महतो ने जानकारी दी है कि वह सुबह तीन बजे अस्वस्थ महसूस कर रहे थे। उनकी तबीयत को देखते हुए उन्हें रांची के पारस हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। इसके थोड़ी देर बाद वह स्वस्थ महसूस करने लगे। वहीं उन्होंने भोजन भी किया।

इसी बीच सीएम की सलाह पर उन्हें विशेष विमान से चेन्नई ले जाने की तैयारी की जाने लगी और अब से कुछ ही देर पहले विशेष विमान द्वारा उन्हे चेन्नई ले जाया गया। बता दें झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को जैसे ही शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के अस्वस्थ होने की जानकारी मिल, वैसे ही वह उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने अस्पताल पहुंच गये। वहां पहुंच कर सीएम ने डॉक्टरों और मंत्री के परिजनों से स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान हेमंत सोरेन ने उन्हें चेन्नई ले जाकर जांच कराने का सुझाव दिया।

गढ़वा में जिस कब्रिस्तान के चलते मामला फंसा है, वह अवैध रूप से गैरमजरूआ भूमि पर अवस्थित है

एनएच-75 का काम गढ़वा में 90 फीसदी तक हो चुका है पूरा : रवींद्र तिवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेशनल रोड सेफ्टी काउंसिल (एनआरएससी) सदस्य रवींद्र तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-75 का काम गढ़वा में 90 फीसदी तक पूरा हो चुका है। शेष काम अब इसलिए अटक गया है, क्योंकि राज्य सरकार एक विशेष समुदाय को खुश करने में लग गयी है। राज्य सरकार को विकास के प्रति न्यायपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले के अचला नावाडीह गांव में खाता संख्या-114, 88 (प्लॉट सं 139,47) में रकबा 1.85 एकड़ और 0.58 एकड़ जमीन गैरमजरूआ है। इस पर अवैध तरीके से कब्रिस्तान बना लिया गया है। इससे इस एनएच पर 600 मीटर का काम बाधित है। तिवारी रांची के कडरू स्थित पर्ल रिजेंसी होटल में मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने पिछले दिनों नयी दिल्ली जाकर सड़क, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भेंट कर कब्रिस्तान जमीन पर फ्लाईओवर बनाने की मांग की है, जो नाजायज और प्रावधान के विपरीत है। इस एनएच का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 जुलाई 2022 को देवघर से किया था। मार्च 2023 में इसे जनता को समर्पित किया जाना था। लेकिन राज्य सरकार की तुष्टिकरण नीति के कारण इसमें अब अड़ंगा लग रहा है। इन मसलों को लेकर सड़क परिवहन मंत्री (केंद्र) को लेटर लिखकर शिकायत भी कर दी गयी है। तिवारी ने कहा कि गढ़वा में एनएच-75 का काम पूरा होने से शहर को जाम से मुक्ति मिलेगी। इससे बिहार, यूपी, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ आने-जाने में मदद मिलेगी। परियोजना में लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। भूमि की अनुपलब्धता के कारण 22.30 किमी लंबे राजमार्ग में मात्र 1.700 किमी के कार्य पर ग्रहण लगा हुआ है। गढ़वा में जिस कब्रिस्तान के चलते मामला फंसा है, उसके लिए गढ़वा सीओ कार्यालय ने अभिलेखों की जांच में पाया था कि कब्रिस्तान अवैध रूप से गैर मजरूआ भूमि पर अवस्थित है। इस पर दफनाने के लिए बंदोबस्ती का कोई रिकॉर्ड नहीं है। सीओ ने अतिक्रमण हटाने को 6 मार्च 2019 को आदेश भी जारी किया था। इसके बाद सड़क निर्माण का विरोध करने वाले झारखंड हाइकोर्ट गये। 11 दिसंबर 2020 को मामला जब हाइकोर्ट के सामने आया तो याचिकाकर्ता के पास कोई भी सबूत या दस्तावेज नहीं था। इसके बाद याचिका वापस ले ली गयी थी। गढ़वा डीसी ने 26 दिसंबर 2022 को भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की पहल की। 15 जनवरी तक इस पर काम पूरा करते हुए रोड निर्माण के कार्य को प्रारंभ कराना था। पर इस पर किसी कारण से कोई कार्रवाई नहीं हुई और डीसी भी बदल दिये गये।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

बजट सत्र : झारखंड विधानसभा में विपक्ष का कटौती प्रस्ताव खारिज

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2804 करोड़ की अनुदान मांग पारित

केंद्रीय मंत्री कहते हैं कि फेडरल सिस्टम में सहयोग करें नहीं तो केंद्रीय योजनाओं की राशि रोक दी जायेगी: बादल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में मंगलवार को कृषि, पशुपालन, सहकारिता विभाग के वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2804 करोड़ रुपये की अनुदान मांग ध्वनिमत से पारित हुई और विपक्ष का कटौती प्रस्ताव खारिज हुआ। अनुदान मांग पर चर्चा का जवाब देते हुए कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि राज्य तो काम करने के लिए तैयार है लेकिन केंद्र सरकार उनके हिसाब से काम नहीं करने पर राशि रोक देने की धमकी देती है। मंत्री ने कहा कि कृषि बाजार समिति के मामले में भी ऐसा ही हुआ। पूर्व की सरकार के समय प्रधानमंत्री ने रघुवर दास को पत्र लिखकर कहा था कि आपको अमुक व्यवस्था के तहत काम करना है। अभी केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर पत्र लिखकर कहते हैं कि फेडरल सिस्टम में सहयोग करें नहीं तो केंद्रीय योजनाओं की राशि रोक दी जायेगी। उन्होंने कहा कि बाजार समिति शरीर में एक घाव की तरह है। हमारी सरकार इसका इलाज कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को हमने शौक से बंद नहीं किया था। समीक्षा में पाया कि इसमें जो राशि हम दे रहे हैं उसमें 14 प्रतिशत राशि ही किसानों के खाते तक पहुंच रही थी बाकी राशि बीमा कंपनी को जा रहा था। अब हमारी सरकार ने अपने स्तर से बीमा शुरू किया है और अबतक 10 लाख 56 हजार किसानों के खाते में 367 करोड़ रुपये गये हैं। कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि आज की सरकार गरीब, किसानों, मजदूरों का बैंक में जमा पैसा उद्योगपतियों को दे रही है। देश में महंगाई की स्थिति यह है कि जो सामान 6 हजार रुपये में खरीदते थे अब वही सामान 12 हजार रुपये में मिल रहा है। बादल ने कहा कि विपक्ष झूठ को प्रचारित करने में माहिर है। विपक्ष का आरोप है कि कृषि विभाग में 18 फीसदी राशि ही खर्च हुई है, जबकि सच्चाई इसके विपरीत है। कृषि विभाग के सहकारिता क्षेत्र में 75 प्रतिशत, मत्स्य में 79 प्रतिशत, पशुपालन में 61 प्रतिशत, दुग्ध उत्पादन में 75 फीसदी राशि खर्च हो चुकी है। पूर्व की सरकार के समय प्रतिदिन दूध का उत्पादन प्रतिदिन 97 हजार लीटर था आज यह बढ़कर एक लाख 45 हजार लीटर है। सरकार मवेशी पालन में सब्सिडी दे रही है। भाजपा के लोग गाय की बात कर राजनीति करते हैं लेकिन हमारी सरकार गौ संवर्धन पर काम कर रही है। हमने गौ मुक्तिधाम शुरू किया। पायलट प्रोजेक्ट के तहत जोड़ा बैल योजना चल रही है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार जो कहती है वह करती है।

बजट में विजन और मिशन तो है, पर परेशानी का जिक्र नहीं : सरयू राय

अनुदान मांग पर चर्चा में विधायक सरयू राय ने कहा कि नीति बने तो पड़ोसी राज्यों का भी अध्ययन किया जाये। बड़े संक्षिप्त तौर पर बजट को रखा गया है, जैसे पीपीटी बनाया गया हो। विजन, मिशन तो दिया लेकिन परेशानियां नहीं बतायीं। आंकड़ों में विरोधाभास है, जमीनी तौर पर इसे काम कर तैयार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि फसल का उत्पादन घटा है, जिसमें खरीफ फसल में लक्ष्य हासिल नहीं करने की बात कही है लेकिन रबी फसल के लिए क्या किया, जो लक्ष्य हासिल किया, यह बताना चाहिए था। उत्पादन के आंकड़ों में आत्मनिर्भरता का दावा किया जा रहा है तो बताना चाहिए कि बाजार समिति में कितनी अनाज की खरीद हो रही है। आंकड़ों को फिर से मंत्री चेक करवाएं। हमारे आस-पास के राज्यों की स्थिति देखे बगैर नीति बनाना बेकार है।

कृषि विभाग की मात्र 18 प्रतिशत राशि ही खर्च हुई : रणधीर

कृषि विभाग की अनुदान मांग पर कटौती प्रस्ताव लाते हुए भाजपा विधायक रणधीर सिंह ने कहा कि बजट तो विधानसभा से पारित होता है लेकिन खर्च में यह सरकार फिसड्डी है। अबतक कृषि विभाग की मात्र 18 प्रतिशत राशि ही खर्च हो पायी है। इस सरकार का काम सिर्फ पूर्व से चली आ रही योजनाओं को बंद करना है। प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना को बंद किया, मुख्यमंत्री कृषि सम्मान योजना को बंद किया।

साढ़े चार लाख किसानों का हुआ कृषि ऋण माफ : रामदास सोरेन

झामुमो विधायक रामदास सोरेन ने कहा कि ऋण से मुक्ति के लिए कृषि ऋण माफी योजना लायी गयी। साढ़े चार लाख किसान लाभान्वित हुए। सुखाड़ पीड़ित किसानों को 3500 रुपये साढ़े तीन लाख किसानों को दिया गया। कृषि समृद्धि योजना सरकार ला रही है। कृषि क्षेत्र में नये तकनीक के लिए कार्यक्रम बनाये जा रहे हैं। किसानों के मूल आय के स्रोत पशुधन हैं।

कृषि का बजट कम किया गया : अनंत ओझा

भाजपा विधायक अनंत ओझा ने कहा कि कृषि के बजट का मात्र 18 फीसदी सरकार खर्च कर पायी। बजट की बात करें तो आश्चर्य होगा कि कृषि का बजट कम कर दिया। कृषि में पिछले वित्तीय वर्ष में 5.92 फीसदी इस बजट में घट कर कृषि का आकार 5.66 फीसदी रह गया। 76 में 53 योजनाओं में सरकार ने कोई खर्च ही नहीं किया। स्मार्ट विलेज की योजना पर काम नहीं हुआ। मछुआरों की आवास योजना पर भी खर्च शून्य रहा।

कई जनाकांक्षी योजनाओं का लाभ किसानों को दिया : रामचंद्र सिंह

कांग्रेस विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि केसीसी ऋण 4.47 लाख किसानों के माफ किये गये। दुग्ध उत्पादकों को प्रति लीटर दो रुपये राशि बढ़ाकर दी। 34 कोल्ड स्टोरेज रूम का निर्माण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री पशुधन योजना का लाभ किसानों को मिला, कई जनाकांक्षी योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जा रहा है। किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अनुदान पर बीज दिया जा रहा है।

बादलजी आंकड़ों के बाजीगर हैं : लंबोदर महतो

आजसू विधायक लंबोदर महतो ने कहा कि आंकड़ों के बाजीगर हैं बादल जी। बजट की पुस्तक में एसएलबीसी के रिपोर्ट के मुताबिक 9.58 लाख किसान कर्ज के बोझ तले दबे हैं। 1782.22 करोड़ बांटा लेकिन 7000 करोड़ से अधिक का किसानों का ऋण बाकी है। सरकार आपके द्वार में कई आवेदन आये लेकिन आवेदन अफसरों के यहां धूल फांक रहे।

संजय सेठ ने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन से मुलाकात की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के सांसद संजय सेठ ने मंगलवार को रेलवे बोर्ड के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रांची लोकसभा क्षेत्र के चांडिल, खलारी, टाटीसिल्वे ,पिस्का नगड़ी और रांची में रेल यात्रियों के सुविधा विस्तार और स्टेशन के आधुनिकीकरण सहित वंदे भारत एक्सप्रेस के संचालन प्रारंभ करने पर चर्चा की।

श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 40वां श्री सुंदरकांड और श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ किया गया। मंडल के उप मंत्री अनिल नारनोली ने मंडल के कार्यकारिणी सदस्य स्नेह पोद्दार से बालाजी महाराज की अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करवायी। इस दौरान केसरिया पेड़ा, चना, गुड़, संतरा, फल का प्रसाद ज्योत में अर्पित किया गया। स्नेह पोद्दार ने श्री राम चरित मानस ग्रंथ व पाठवाचक को का भी पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ गणेश वंदना करके पाठ प्रारंभ किया। इन्होंने सैकड़ों भक्तों से सुंदरकांड हनुमान चालीसा का भक्ति में वातावरण में पाठ करवाया। पूरा मंदिर परिसर बजरंग बली के जय जयकारों से गूंज रहा था। भक्तजन श्री हनुमान जी महाराज की आराधना में लीन थे । श्री सुंदरकांड पाठ के पहले और बाद में भी श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। सभी भक्तजनों ने अखंड ज्योति में आहुति देकर दरबार में अपना मत्था टेका। मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढांनढनिया ने चना प्रसाद की सेवा निवेदित की। कार्यक्रम की व्यवस्था में स्नेह पोद्दार व स्नेहा पोद्दार का सराहनीय सहयोग रहा। महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ । इस अवसर पर अनिल नारौली स्नेह पोद्दार स्नेहा पोद्दार निखिल नारनौली श्याम सुंदर जोशी संजय सराफ रौनक पौदार पंकज गाड़ोदिया वेद भूषण जैन ने सहयोग किया।

श्री रामनवमी महोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंगलवार को श्री रामनवमी महोत्सव धूमधाम से मनाने को लेकर श्री राम बानर सेना की वार्षिक बैठक प्रधान कार्यालय श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर मेन रोड रांची में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता लंकेश सिंह ने की और संचालन पवन कुमार झा ने किया। बैठक में वर्ष 2022-23 के आय-व्यय का व्यौरा महासचिव पवन झा के द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसहमति से पारित किया गया। बैठक में वर्ष 2023-24 श्री रामनवमी मोहत्सव को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। लंकेश सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य झांकी प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में पुरानी कमिटी को भंग कर नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया,

श्री राम बानर सेना की वार्षिक बैठक संपन्न

जो कि इस प्रकार है :-

संरक्षक : राजीव रंजन मिश्रा, राजीव चटर्जी, हरिनारायण सिंह, ऋषिनाथ शाहदेव, संजय सहाय, सूरजभान सिंह, किशोर साहू, **अध्यक्ष :** लंकेश सिंह, **कार्यकारी अध्यक्ष :** मंटू लाला, **उपाध्यक्ष:** विक्रम सिंह, सतीश पांडेय, अखिलेश राय, बबलू सिंह, **महासचिव:** पवन कुमार झा, **सचिव:** अविनाश सिंह, सतेंद्र रजक, मिंटू सिंह, सूरज पांडेय, चंदन गुप्ता, **संगठन मंत्री:** सुदामा सिंह, शिव जी, राणा रणवीर, नीरज पांडेय सहित 21 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में ओमकार दास त्यागी, वीरू दास, लाल दास सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित थे।

रांची में 98 फीसदी बच्चों ने दी बोर्ड की परीक्षा

मैट्रिक के वोकेशनल विषय की हुई परीक्षा, कॉमर्स, होम साइंस और हिंदी-अंग्रेजी का एग्जाम आज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की मैट्रिक और इंटर की परीक्षा मंगलवार से शुरू हुई। मंगलवार को मैट्रिक और इंटर दोनों के वोकेशनल विषय की परीक्षा ली गयी। इसमें राजधानी रांची में लगभग 98 फीसदी परीक्षार्थी शामिल हुए। रांची में वोकेशनल विषय की परीक्षा 54 केंद्रों में ली गयी। पहली पाली में मैट्रिक के वोकेशनल पेपर की परीक्षा ली गयी। मैट्रिक के लिए 3834 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसमें से कुल 3773 परीक्षार्थी शामिल हुए।

मैट्रिक के वोकेशनल विषय की मंगलवार को ली गयी परीक्षा में 61 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे, जबकि परीक्षा देनेवाले स्टूडेंट्स की संख्या 98 फीसदी रही। मैट्रिक परीक्षा से संबंधित यह जानकारी रांची जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय द्वारा दी गयी। बता दें कि रांची जिले में मैट्रिक की परीक्षा के लिए कुल 102 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं।

बुधवार को मूल विषय की होगी परीक्षा : 15 मार्च को मैट्रिक और इंटर के मूल विषयों की परीक्षा ली जायेगी।

मैट्रिक में वाणिज्य और होम साइंस की परीक्षा ली जायेगी, जबकि इंटरमीडिएट के आइए में हिंदी ए, हिंदी बी मातृभाषा और अंग्रेजी ए, आइएससी और आइकॉम में हिंदी ए, हिंदी बी मातृभाषा और अंग्रेजी ए विषय की परीक्षा ली जायेगी।

रांची और गिरिडीह में सबसे अधिक विद्यार्थी

मैट्रिक में सबसे अधिक परीक्षार्थी गिरिडीह और इंटर में रांची में सबसे अधिक परीक्षार्थी हैं। गिरिडीह में मैट्रिक की परीक्षा में शामिल होने के लिए कुल 37716 परीक्षार्थियों ने आवेदन जमा किया था, वहीं रांची में इंटर में सबसे अधिक 38913 परीक्षार्थी। सबसे कम विद्यार्थियों के आंकड़े की बात करें तो खूंटी जिला से मैट्रिक की परीक्षा में शामिल होने के लिए कुल 6630 परीक्षार्थियों ने आवेदन जमा किया है। वहीं इंटर में सबसे कम परीक्षार्थी पाकुड़ जिला में हैं। पाकुड़ जिला से कुल 4400 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन दिया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मैट्रिक-इंटर के परीक्षार्थियों को दी शुभकामनाएं

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) बोर्ड की मंगलवार से शुरू हुई मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं को लेकर सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और शिक्षकों को अपनी शुभकामनाएं दीं। राज्य में 7.68 लाख विद्यार्थी कुल 1959 केंद्रों पर मंगलवार से मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहे हैं।

डीजीपी से मिल कर दी बधाई

रांची (आजाद सिपाही)। राष्ट्र बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह और झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष लोकृति गुप्ता ने राज्य के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अजय कुमार सिंह से मिलकर उन्हें डीजीपी बनाये जाने पर बधाई दी। इस अवसर पर सुनील कुमार सिंह ने डीजीपी को बधाई देते हुए कहा कि राज्य के अमन, चैन, शांति और अपराध पर लगाम लगाने में डीजीपी अजय कुमार सिंह की भूमिका सराहनीय होगी। वहीं, मौके पर राष्ट्र बचाओ आंदोलन के प्रदेश उपाध्यक्ष लोकृति गुप्ता ने स्वरचित पुस्तक क्योंकि तुम ही हो...डीजीपी को भेंट की। पुस्तक में प्रेम कहानी को बताया गया है। पुस्तक को लिखने में करीब 10 वर्षों का समय लगा है। पुस्तक में बताया गया है कि प्रेम का मतलब त्याग और समर्पण है न कि स्वार्थ सिद्धि। प्रेम राधा-कृष्ण के जैसा होना चाहिए। लोकृति गुप्ता ने बताया कि आज के समय में प्रेम का मलतब सिर्फ स्वार्थ सिद्धि रह गया है, इससे लोगों को बाहर निकलने की जरूरत है।

डॉ एके चटोराज का हुआ स्वागत

रांची (आजाद सिपाही)। मंगलवार को रांची विवि में वाणिज्य विभाग के नये विभागाध्यक्ष डॉ एके चटोराज को वाणिज्य विभाग के शोधकर्ता, छात्रों और शिक्षकों ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर बधाई दी। इस मौके पर गौरव अग्रवाल ने कहा कि आशा करता हूं कि अब वाणिज्य विभाग में नये तरह से विकास होगा और छात्र और शोधकर्ताओं के हित का ध्यान रखा जायेगा। वहीं इस अवसर पर डॉ एके चटोराज ने कहा कि शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए हर तरह की व्यस्था पर आवश्यक पहल करेंगे। इस मौके पर डॉ स्वेता, डॉ पंकज, सिमरन, नेहा, अमित, हेमंत, रितिक आदि लोग उपस्थित थे।

वनवासी विवाह उत्सव 17 मार्च को

रांची (आजाद सिपाही)। 17 मार्च दिन शुक्रवार को मारवाड़ी आरोग्य भवन बरियातु रोड रांची में एकल श्रीहरि सत्संग समिति द्वारा 27 वनवासी जोड़ों के सामूहिक विवाह उत्सव का आयोजन किया जाना है। इस आयोजन की संपूर्ण जानकारी के लिए आज बुधवार को दोपहर 3.30 बजे एकल ग्राम संगठन कार्यालय मारवाड़ी आरोग्य भवन बरियातु राड में बैठक रखी गयी है। विशेष जानकारी के लिए आयोजन समिति के सुमित पोद्दार और अर्मेंद्र विष्णुपुरी से 9835331112 और 9431118989 पर संपर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रम : श्री साहित्य कुंज रांची का चतुर्थ वार्षिकोत्सव मनाया गया

पुस्तक विमोचन सह सम्मान समारोह का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री साहित्य कुंज रांची का वार्षिकोत्सव मंगलवार होटल सिटी पैलेस लालपुर में धूमधाम से मनाया गया। इसमें दो साझा संकलन काव्य गुंजना व नटखट बचपन के साथ वार्षिक पत्रिका साहित्य संवाहक का लोकार्पण किया गया। रांची की तीन रचनाकार निर्मला कर्ण को कथा एक मासूम की, कविता रानी को कहानी संकलन रिश्ते के लिए व विभा वर्मा को काव्य पुस्तक काव्यारूण और जमशेदपुर की आरती श्रीवास्तव विपुला को उनकी पुस्तक स्वारग के लिए साहित्य नवप्रभा पुस्तक सम्मान से सम्मानित किया गया। मंच के वार्षिक प्रतियोगिता के सम्मान पत्र का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जमशेदपुर की वरिष्ठ साहित्यकार प्रतिभा प्रसाद कुमकुम ने की। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ हरेराम चेतन त्रिपाठी व मधु मंसूरी हसमुख शरीक हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में जमशेदपुर तुलसीभवन के मानद सचिव प्रसेनजीत तिवारी, आर्य युवासमाज मध्य प्रदेश के डॉ भानुप्रताप वेदालंकार, राजवीर सिंह, प्रशांत कर्ण, रेणु झा रेणुका, वीणा पांडेय भारती मौजूद थीं। जमशेदपुर से कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए अति विशिष्ट अतिथियों में निवेदिता श्रीवास्तव, पदमा प्रसाद, माधवी उपाध्याय, रीना सिन्हा, रीना गुप्ता शामिल हुईं। सरस्वती वंदना माधवी उपाध्याय ने किया। ऋतुराज वर्षा को मीडिया प्रभारी का विशेष सम्मान प्रदान किया गया। मंच संचालन खुशबू बर्णवाल ने किया व पुस्तक समीक्षा मंच की अध्यक्ष प्रतिमा त्रिपाठी ने की। धन्यवाद ज्ञापन संस्थापिका मनीषा सहाय सुमन ने किया।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 15 मार्च, 2023
www.azadsipahi.in
05

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में ग्रेजुएशन डे क्रिसालिस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची के परिसर में प्री-प्राइमरी विंग के छात्रों के लिए ग्रेजुएशन डे क्रिसालिस का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय झारखंड के रजिस्ट्रार कर्नल, प्रोफेसर डॉ राजेश कुमार रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्रों ने स्वागत गान के पश्चात सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी।

इस मौके पर कक्षाओं में सभी स्तरों पर सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को स्टार किड्स अवॉर्ड, प्रशस्ति-पत्र और ट्रॉफी प्रदान की गयी। इसके साथ ही शैक्षणिक और अन्य गतिविधियों में समान रूप से अपना श्रेष्ठ देने वाले छात्रों को भी प्रशस्ति- पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान शत-प्रतिशत उपस्थिति और विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक लाने वाले छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि कर्नल प्रोफेसर डॉ राजेश कुमार ने कहा कि विद्यालय का प्रयास सराहनीय है, जो इतने छोटे-छोटे बच्चों का सर्वांगीण विकास कर रहा है। अभिभावक यह भी सुनिश्चित करें कि बच्चा शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारी भी बने। मौके पर प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि सीखने की प्रक्रिया बड़ी दिलचस्प होती है। प्रत्येक विद्यार्थी विशेष प्रतिभा के धनी होते हैं। विद्यालय उसे निखार कर विशिष्ट बनाता है। नामांकन के समय जो छात्र थोड़ा सकुचाये और घबराये से परिसर में प्रवेश करता है, वही छात्र विद्यालय के सार्थक प्रयास से उत्तरोत्तर आत्मविश्वास से चमक उठता है।

झारखंड हाइकोर्ट ने आइटीआइ भवन चालू करने के मामले में राज्य सरकार ने मांगी स्टेटस रिपोर्ट

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मंगलवार को राज्य के जिलों एवं कुछ प्रखंड मुख्यालयों में बने आइटीआइ भवन के चालू हालत में नहीं होने से संबंधित डॉ भीम प्रभाकर की जनहित याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि आइटीआइ संस्थान कब तक शुरू कर दिया जायेगा और और यहां कब तक शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी। मामले की अगली सुनवाई 11 अप्रैल को होगी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने पैरवी की। पूर्व की सुनवाई में राज्य सरकार की ओर से बताया गया था कि आइटीआइ भवन में इंस्ट्रक्टर की नियुक्ति के लिए रूल फ्रेम कर दिया गया है। वर्ष 2008 से वर्ष 2010 के बीच राज्य के जिलों एवं कुछ प्रखंड मुख्यालय में श्रम नियोजन, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से आइटीआइ भवन बनाये गये थे। इन भवनों में आधारभूत संरचना यथा टेबल, कुर्सी, पंखा, स्टेशनरी आदि की भी खरीद कर ली गयी है, लेकिन यह वर्षों से यूं ही पड़ा हुआ है और खराब हो रहा है। निर्मित आइटीआइ भवनों के चालू हालत में नहीं रहने से यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा हो गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि जल्द से जल्द इन आइटीआइ भवनों को चालू किया जाये और वहां शिक्षकों की बहाली की जाये।

धरती आबा बिरसा मुंडा की धरती पर पहली बार 19 से राष्ट्रीय स्तर की हॉकी प्रतियोगिता

रांची (आजाद सिपाही)। धरती आबा बिरसा मुंडा की धरती खूंटी में पहली बार राष्ट्रीय स्तर की हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 19 मार्च से होगा। 26 मार्च तक हॉकी स्टेडियम, खूंटी में प्रथम हॉकी इंडिया जूनियर महिला एवं पुरुष ईस्ट जॉन हॉकी चैंपियनशिप 2023 आयोजित होगी। इसमें महिला वर्ग से छह राज्यों की टीम भाग लेगी, जिनमें झारखंड, ओड़िशा, मिजोरम, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार की टीम शामिल हैं। वहीं पुरुष वर्ग से सात राज्यों की टीम भाग लेगी, जिनमें झारखंड के अलावा ओड़िशा, प. बंगाल, बिहार, मिजोरम, असम और त्रिपुरा की टीमें शामिल हैं। कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी देनेवाले खूंटी में हॉकी की इस स्तर की पहली राष्ट्रीय प्रतियोगिता होगी। इसे लेकर स्थानीय खिलाड़ियों और लोगों में भी खूब उत्साह है। खूंटी में होनेवाली राष्ट्रीय स्तर की हॉकी प्रतियोगिता की तैयारी अंतिम चरणों में है। आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने हॉकी इंडिया के महासचिव सह हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह एवं हॉकी झारखंड के संयुक्त सचिव माइकल लाल मंगलवार को खूंटी स्टेडियम पहुंचे। हॉकी खूंटी के पदाधिकारियों से मिल कर उनसे तैयारियों के संबंध में पूरी जानकारी ली। खेल स्थल, खिलाड़ियों के आवास स्थल, भोजन स्थल सहित ऑफिशियल के रहने की व्यवस्था सहित आयोजन से सबंधित सभी बिंदुओं का जायजा लिया गया। मौके पर हॉकी खूंटी के सचिव दशरथ महतो सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

मौसम फिर करवट लेने को तैयार

आज से कई इलाकों में होगी तेज गर्जन के साथ बारिश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य का मौसम फिर कर-वट लेनेवाला है। उत्तर पश्चिमी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में आंशिक बादल छाये रहने की संभावना है। साथ ही काही-कहीं गर्जन के साथ हल्के दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। राज्य के पूर्वी तथा निकटवर्ती भागों में 15 मार्च को हल्के दर्जे की बारिश हो सकती हो यहां 16 और 17 मार्च को कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा की संभावना है। राज्य के कई स्थानों में 18 मार्च को गर्जन के साथ हल्के मध्यम दर्जे की वर्षा होगी। 19 और 20 मार्च को भी हल्की बारिश की संभावना कुछ इलाकों में है। 16 और 17 मार्च को गर्जन के साथ वज्रपात संभावना है।

किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं

अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले तीन दिन में 4 से 5 डिग्री की गिरावट की संभावना है। पिछले 24 घंटे में मौसम शुष्क रहा। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस जमशेदपुर जबकि न्यूनतम तापमान 16.5 डिग्री सेल्सियस गढ़वा का दर्ज किया गया।

रांची महानगर कांग्रेस कमेटी सहित सभी प्रखंड अध्यक्ष संग बैठक

आपसी मतभेदों को भुला कर संगठन को सशक्त बनायें : सुबोधकांत सहाय

बूथ कमेटी को सशक्त बनाने और हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को सफल बनाने का निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर संगठन को सशक्त बनाने और पार्टी का जनाधार बढ़ाने की अपील की है। श्री सहाय मंगलवार को एचइसी परिसर स्थित अपने आवासीय कार्यालय में रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के पदधारियों और सभी प्रखंड अध्यक्षों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

श्री सहाय ने कहा कि जनहित में बनाई गई कांग्रेस की नीतियों से पूरे देश की जनता लाभान्वित हो रही है। झारखंड में भी कांग्रेस पार्टी की नीतियों व सिद्धांतों को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। पार्टी के प्रति जनता का विश्वास काफी बढ़ रहा है। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन को सशक्त बनाना हर कार्यकर्ता की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आगामी चुनाव के मद्देनजर बूथ कमेटियों को सशक्त बनाने और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रव्यापी अभियान हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को सफल बनाने की अपील की। श्री सहाय ने कहा कि सांप्रदायिक शक्तियां नहीं चाहती कि राष्ट्रहित में कांग्रेस के द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों का जनता समर्थन करे। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर राष्ट्र विरोधी ताकतों के खिलाफ आवाज बुलंद करें।

मौके पर रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ.कुमार राजा ने भी सभी प्रखंड अध्यक्षों से पार्टी हित में सक्रियता से जुड़े रहने की अपील की। इस अवसर पर रांची महानगर कांग्रेस कमेटी अंतर्गत सभी 18 प्रखंडों के अध्यक्ष मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वाद विवाद प्रतियोगिता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार को बीआईटी लालपुर में एनएसएस के तत्वावधान में एक वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजिन किया गया। इस कार्यक्रम में महिला और पुरूष की शक्ति और उसकी समानता पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस आयोजन में प्रथम वक्ता के रूप में निदेशक डॉ वंदना भट्टाचार्य ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की महत्व और उसकी जरूरत पर महिलाओं और छात्राओं को बताया की आज महिला सशक्तिकरण की बात करे तो सबसे पहले अपने हक के लिए सबसे पहले खुद से ही लड़ना होगा ताकी दुनिया से लड़ने के लिए अपने आप को तैयार कर सके और अपने को मजबूत बना सके। महिलाओं को सबसे पहले आत्म विश्वास बढ़ाने की जरूरत पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास के बढ़ने से ही हम आत्मसम्मान हासिल कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ अभय रंजन श्रीवास्तव ने लैंगिक समानता पर अपनी बात रखते हुए प्रतिभागियों को उत्साहित किया। डॉ प्रदीप मुंडा ने महिलाओं पर आदिकाल से होने वाले मानसिक और शारिरिक प्रताड़ना पर बोलते हुए इस दिवस को और मजबूती प्रदान करने की बातें रखी। इस महिला दिवस में डॉ महुवा, डॉ मिलि दत्ता, डॉ स्वाती मिंज, अनुपमा सहाय ने महिलाओं की आत्म विश्वास और आत्मनिर्भर बनने के अपने अपने विचारों से छात्र छात्राओं को उत्साहित करने और देश के लिए अपनी उपलब्धियों पर साथ साथ चलने पर जोर दिया।

डॉ उमेश कुमार, डॉ संदीप शाहदेव, डॉ प्रशांत सिंह, विजया लक्ष्मी, एलिस टोप्पो, मिनी दुबे, अनामिका कुमारी, सरिता तिग्गा डॉ अनीश हैदर ने उपस्थित होकर प्रतिभागियों को उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता में इन विद्यार्थियों ने भाग ऋषि, सिमरन, अर्चिता मोदी, स्नेहा सिंह, शालिनी पांडेय, दानिश राजा, विराज, अनुरिमा सहित भारी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी राणा प्रताप मिश्रा ने दी।

मां भारती के सम्मान में निकलेगी भव्य यात्रा : काले

तिरंगा यात्रा को लेकर कई स्थानों पर हुई बैठकें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मां भारती के वीर सपूत भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के बलिदान दिवस पर 'नमन' द्वारा संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले के नेतृत्व में 23 मार्च को आयोजित तिरंगा यात्रा को सफल बनाने हेतु नमन कार्यालय, ह्युमपाइप, केबुल टाउन, गोलमुरी, देवनगर सहित अन्य स्थानों पर बैठकों में शामिल होकर तिरंगा यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया। इस मौके पर श्री काले ने कहा कि राष्ट्रीय प्रगति को आगे बढ़ाने में समर्पित सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें, राष्ट्र की अखंडता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लेकर इस तिरंगा यात्रा में शामिल होकर देश की एकता और अखंडता के के खिलाफ जो ताकतें काम कर रही है उन्हें मुंह तोड जवाब दें। इन बैठकों को सफल बनाने में मनीफीट से लखींदर सिंह लाली, सरजीत सिंह, रसपाल सिंह, अमर सिंह, मोंटी सिंह, आशीष उपाध्याय, बलदेव कुमार गोलमुरी से मनोज कुमार खत्री, गुरुचरण सिंह बिल्ला, सुरजीत सिंह, बबलू पाजी, उमा शंकर सिंह, गुड्डू, कुनाल, शंभू सिंह ,देबू प्रमाणिक, राकेश पांडे नमन कार्यालय से धीरु कालतनीया, प्रकाश काविठीया, दिलीप, बिनोद भिरभरिया, पिंटू भिरभरिया ह्युमपाइप से अंकेश भुइया, सुनील पांडे, जॉनी भुइयां, संजय मिश्रा, सोनू, अनीश कुमार सिंह, दीपक मिश्रा केबुल टाउन से ओमप्रकाश सिंह, अजय सिन्हा, अभिषेक कुमार, सुरेश दास, देवाशीष झा देवनगर से मनु ढोके, रामा राव, रवि गोप, मंटु मछाव, श्याम गोप, विमल भोई का योगदान रहा।

अनुशासित व्यक्ति ही अपने जीवन में अर्जित कर सकता है सफलता : राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। एक अनुशासित व्यक्ति ही अपने जीवन में सफलता अर्जित कर सकता है। अनुशासन निर्माण में एनसीसी की भूमिका सराहनीय रही है। मैं खुद भी कभी एनसीसी कैडेट था और एनसीसी की गतिवधियों को निकट से जानता हूं। ये बातें राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कही। वे मंगलवार को राजभवन में नयी दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड 2023 में राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले एनसीसी कैडेटों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों को सम्मानित कर रहे थे। उन्होंने कैडेटों से कहा कि सभी अपने जीवन में कार्य के प्रति निष्ठा रखें एवं ध्यान केन्द्रित कर अपना कार्य करें। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना एवं देशभक्ति का जज्बा विकिसित करने के लिए कार्यरत है। उन्होंने युवाओं से एनसीसी से जुड़कर अपना समग्र विकास करने को कहा।

इस अवसर पर अपर महानिदेशक, एनसीसी बिहार-झारखंड मेजर जनरल एएस बजाज ने एनसीसी की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

मौके पर ये रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी, विभिन्न सैन्य पदाधिकारी, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत सिन्हा, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य, राज्य एनएसएस पदाधिकारी डॉ ब्रजेश कुमार एवं एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

सरहुल और रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक हुई

रांची (आजाद सिपाही)। डेली मार्केट और हिंदपीढ़ी थाना के शांति समिति की संयुक्त बैठक डेली मार्केट थाना में कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोंय की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में डेली मार्केट थाना प्रभारी आलोक सिंह और हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी विनय कुमार सहित शांति समिति के सदस्यगण मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि आने वाले दिन से मंगलवारी जुलूस रामनवमी के उपलक्ष्य में निकाली जाती है। इसी के संबंध में यह बैठक रखी गयी थी। मंगलवार को कैसे जुलूस शांतिपूर्वक निकाल कर सद्भावना का मिसाल दें और आपसी भाईचारे के साथ त्योहारों को मनायें, क्योंकि आने वाले दिनों में रमजान का पावन महीना भी शुरू होने वाला है। इस बैठक में सेंट्रल पीस कमेटी के सदस्य जितेंद्र गुप्ता ने कहा कि होली और शब-ए-बरात एक साथ मनाया गया। इसी तरह से सरहुल, रामनवमी और रमजान भी शांतिपूर्वक और सद्भावना के साथ मनाया जायेगा। बैठक में असलम, जितेंद्र गुप्ता, विक्रम सिंह, चर्च रोड महावीर मंडल के अध्यक्ष रुपेश जयसवाल, संरक्षक सुमन साहू, विक्रम सिंह, अफरोज, वीरू सिंह, अंजुमन इस्लामिया के सेक्रेटरी सहित अन्य मौजूद थे।

प्रेम मित्तल बने झारखंड ग्रामीण बैंक के निदेशक

रांची (आजाद सिपाही) ।झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के निदेशक प्रेम मित्तल बनाये गये हैं। इस संबंध में केंद्रीय वित्त विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना में बताया गया है कि ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 के प्रावधानों के तहत प्रेम मित्तल की निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में नियुक्ति की गयी है। पदभार ग्रहण करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक मित्तल पद पर बने रहेंगे।

वेद प्रताप वैदिक का निधन अपूर्णीय क्षति: राजेंद्र

रांची (आजाद सिपाही)। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने वरिष्ठ पत्रकार वेद प्रताप वैदिक के निधन पर शोक प्रकट किया है। प्रसाद ने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार वेद प्रताप वैदिक ,राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ थे। वेद प्रताप वैदिक का निधन पत्रकार जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रसाद ने कहा कि वेद प्रताप वैदिक एक गंभीर और व्यवहार कुशल व्यक्ति थे।

सहकारी बैंक चयनित प्रतिनिधियों ने निर्देशक पर्षद बोर्ड के गठन के लिए किया नामांकन

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य सहकारी बैंक लि. के निर्देशक पर्षद बोर्ड के गठन के लिए जिलास्तर और राज्यस्तर पर बैंक से संबद्ध समितियों के चयनित प्रतिनिधियों ने निर्वाचन के लिए अपना नामांकन किया। बता दें कि कुल 17 पदों पर निर्वाचन किया जाना है, जिसके लिए प्रतिनिधियों द्वारा निम्नानुसार नामांकन किया गया। वहीं नामांकन कार्य निर्वाचन पदाधिकारी अन जार्ज कुजूर, आनुकल्पिक निर्वाचन पदाधिकारी लाल मनोज नाथ शाहदेव, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी उदय सिन्हा और मिथिलेश झा के द्वारा संपन्न कराया गया। नामांकन के समय पर्यवेक्षण पदाधिकारी लुईस टोप्पो संयुक्त निवारक सहयोग समितियां, संथाल परगना प्रमंडल, दुमका उपस्थित थे।

सेकंड होम प्री स्कूल के उद्घाटन में न्यायाधीश राजेश शंकर ने कहा : आधुनिक तरीके से शिक्षा जरूरी

रांची (आजाद सिपाही)। सेकंड होम प्री स्कूल का उद्घाटन झारखंड हाइकोर्ट के न्यायाधीश राजेश शंकर ने किया। इस दौरान न्यायाधीश राजेश शंकर ने स्कूली व्यवस्था की प्रशंसा की। वहीं, नयी पीढ़ी को आधुनिक तरीके से शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता और शिक्षा के साथ बच्चों के चरित्र निर्माण की आधारशिला मजबूत करने की बात कही। सेकेंड होम प्री स्कूल की निदेशक अलका कुमारी ने आश्वस्त करते हुए कहा कि नाम के अनुरूप ही विद्यालय में दाखिला लेनेवाले बच्चों को घर के जैसा ही माहौल में शिक्षित और प्रशिक्षित किया जायेगा, ताकि उनकी नींव मजबूत हो। इस दौरान पूलिस महानिरीक्षक संजय रंजन सिंह, एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष रीतु कुमार, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ सुबोध कुमार, राजकुमार प्रसाद सिंह, डॉ अंजेश कुमार, अनिल सिंह, आनंद कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

हिनू यूनाइटेड परिसर में दशकर्म घाट के नये भवन का किया गया उद्घाटन

रांची। हिनू यूनाइटेड परिसर में दशकर्म घाट के नये भवन का उद्घाटन रांची नगर निगम के उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय एवम भाजपा के प्रदेश मंत्री सुबोध कुमार सिंह गुड्डू ने किया। आज से यह नई भवन जन सरोकार के लिए समर्पित हो गया। सुबोध कुमार सिंह ने इस अवसर पर लोगों के समक्ष अपना विचार व्यक्त करते हुए बताया कि आज से स्थानीय स्तर पर हमारे लोगों की तकलीफ दूर हो गई। दशकर्म घाट पर गर्मी, बरसात एवं जाड़े में जो आमजन को तकलीफ उठानी पड़ती थी, उससे मुक्ति मिल गयी। साथ ही समाज के सारे लोगों का यह कर्तव्य है कि इस जगह की स्वच्छता एवं रख रखाव का हम पूर्ण खयाल रखें। आगे भी हम लोग इस घाट की सौंदर्यीकरण एवं विकास के लिए हिनू के लोगों के सहयोग से करते रहेंगे एवम जिला में अपनी मानक व्यवस्था के लिए यह घाट जानी जायेगी। इस अवसर हिनू मंडल भाजपा अध्यक्ष पप्पू जायसवाल, स्थानीय पार्षद जमीला खातून, पवन पासवान, अचल तिवारी, भोला सिंह, मनोज झा, अरविंद उपाध्याय, आशुतोष सिंह, संजीव कुमार, सुजीत नांबियार, राकेश कुमार, डब्ल्यू झा, विक्की सिंह, नवीन कुमार, शप्रदीप और बउआ सहित सैकड़ों स्थानीय बंधु बांधव उपस्थित थे।

अब तो बहस हो

संसद के बजट सत्र के दूसरे हिस्से की सोमवार को जैसी शुरुआत हुई, उसे अगर संकेत माना जाये, तो उससे यह उम्मीद मजबूत नहीं होती कि दूसरे हिस्से में कामकाज अपेक्षाकृत ज्यादा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से होगा। पहले दिन लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने विदेशी धरती पर देश के कथित अपमान का मुद्दा उठाया और कहा कि इसके लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। उसके बाद जो हंगामा शुरू हुआ, उसमें दोनों सदनों की बैठक स्थगित करने के अलावा कोई और चारा न रहा। एक दिन पहले कर्नाटक में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा था कि विदेशी धरती पर जाकर भारतीय लोकतंत्र पर हमले करना देश का अपमान है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उनके सख्त तेवर को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया था कि संसद सत्र के दौरान सत्तारूढ़ पक्ष इस मुद्दे पर आक्रामक रवैया अपनायेगा। हालांकि विपक्ष ने भी अपनी तैयारी कर रखी थी। सोमवार को ही 16 विपक्षी दलों के नेताओं की एक बैठक संसद भवन में हुई थी, जिसमें खास तौर पर जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग और अडाणी मसले पर जोर देने की बात तय हुई थी। ध्यान रहे, बजट सत्र के पहले हिस्से में पक्ष-विपक्ष के बीच टकराव खासतौर पर अडाणी मसले पर ही केंद्रित रहा था।

यही स्थिति रही, तो बजट सत्र की बाकी बची अवधि भी ऐसे ही शोर-शराबे की भेंट चढ़ जायेगी। ध्यान रहे कि सत्र के इस हिस्से में ग्रांट की मांगों पर चर्चा होनी है और बजट को भी पास किया जाना है।

ऐसे में लगता यही है कि अगर सत्ता पक्ष ने राहुल गांधी के बयान को मुद्दा नहीं बना दिया होता, तो विपक्ष की ओर से उपरोक्त दोनों में से कोई मुद्दा उठाया जाता, लेकिन आखिरकार माहौल ऐसा ही बनता। यह चिंताजनक है कि संसद में शांतिपूर्ण ढंग से स्वस्थ बहस की उम्मीद लगातार कमजोर होती दिख रही है। अगर राहुल गांधी द्वारा लंदन में अलग-अलग मंचों से भारतीय लोकतंत्र के कथित अपमान के ही मसले को लिया जाये, तो क्या यह बेहतर नहीं होता कि सत्ता पक्ष के आरोप के बाद विपक्ष उस पर अपनी बात कहता। राहुल गांधी ने सही या गलत जो भी आरोप लगाये, उनके कारणों पर बात होती, उनसे उन मौकों के विवरण मांगे जाते जब उनके मुताबिक उनकी माइक बंद की गयी। इसकी जांच होती कि वे शिकायतें निराधार हैं या उनके पीछे कोई तकनीकी गड़बड़ियां जिम्मेदार हैं। इनसे संसद में कामकाज का स्तर सुधारने की गुंजाइश बनती, लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, कोई भी इन मुद्दों की जड़ तक पहुंच कर उन्हें संबोधित करने में दिलचस्पी नहीं ले रहा। यही स्थिति रही, तो बजट सत्र की बाकी बची अवधि भी ऐसे ही शोर-शराबे की भेंट चढ़ जायेगी। ध्यान रहे कि सत्र के इस हिस्से में ग्रांट की मांगों पर चर्चा होनी है और बजट को भी पास किया जाना है। इसके अलावा राज्यसभा में 26 बिल और लोकसभा में करीब नौ बिल पेंडिंग हैं। इन सब पर ढंग से चर्चा नहीं हो पाना वाकई दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

अभिमत
आजाद सिपाही

संसद के उद्घाटनी सत्र में पेश की गयी कार्य रिपोर्ट में सुरक्षाबलों की उपलब्धियों को गिनाये बगैर अनसुलझे बार्डर तथा उत्तरी लद्दाख में तनावपूर्वक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि सेना ने बार्डर डिफेंस के मुख्य उद्देश्य के साथ बड़ी दृढ़ता तथा परिवर्तन योग्य ढंग से निर्धारित मिशन में कामयाबी हासिल की है तथा अब हथियारबंद सेनाओं को युद्ध संबंधी सामर्थ्य बढ़ाना चाहिए, ताकि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से सौंपा हुआ कार्य संपूर्ण हो सके।

चीन का रक्षा बजट : युद्ध की तैयारी के संकेत

कुलदीप सिंह काहलों

चीन ने 5 मार्च को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए रक्षा बजट को 7.2 प्रतिशत बढ़ाकर करीब 225 अरब डालर यानी कि 1550 अरब युआन खर्च करना तय किया है, जो कि बीजिंग के सैन्य बजट में निरंतर आठवीं बढ़ौतरी है। चीन की संसद नैशनल पीपल्स कांग्रेस के प्रधानमंत्री ली केकियांग की ओर से बजट पेश करते समय हथियारबंद सुरक्षाकर्मियों को युद्ध की तैयारियों की ओर अग्रसर होने का आमंत्रण दिया।

संसद के उद्घाटनी सत्र में पेश की गयी कार्य रिपोर्ट में सुरक्षाबलों की उपलब्धियों को गिनाये बगैर अनसुलझे बार्डर तथा उत्तरी लद्दाख में तनावपूर्वक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि सेना ने बार्डर डिफैंस के मुख्य उद्देश्य के साथ बड़ी दृढ़ता तथा परिवर्तन योग्य ढंग से निर्धारित मिशन में कामयाबी हासिल की है तथा अब हथियारबंद सेनाओं को युद्ध संबंधी सामर्थ्य बढ़ाना चाहिए, ताकि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से सौंपा हुआ कार्य संपूर्ण हो सके।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं का केंद्र बिंदू पीएलए (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) की 2027 में प्रथम शताब्दी के समय तक युद्ध सिखलाई में महारत हासिल कर सैन्य आप्रेशन हेतु तैयार-बर-तैयार रहना होगा। चीन का लक्ष्य अपनी सेना को दुनिया की सर्वोत्तम सेना बनाने का है।

बीजिंग ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि वह अपना नजरिया बदले, नहीं तो संघर्ष के लिए तैयार रहे।

इस समय अमेरिका की सेना सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है तथा उसका 2023 का बजट 816 बिलियन डालर है। चीन का 2025 बिलियन डालर का बजट भारत के 5.9 लाख करोड़ से 3 गुणा अधिक है। चीन का रक्षा बजट बेशक अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर आता है, मगर उसकी 20 लाख की पीएलए सबसे अधिक है। चीन के प्रधानमंत्री की ओर से रक्षा बजट के बारे में चर्चा करते समय बार-बार युद्ध तैयारी पर जोर देने के आखिर मायने क्या हैं? ऐसा प्रतीत होता है कि पीएलए की ओर से पूर्वी लद्दाख में मई 2020 में आक्रमण शक्ति वाला संदेश छिपा हुआ तो नहीं?

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं का केंद्र बिंदू पीएलए (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) की 2027 में प्रथम शताब्दी के समय तक युद्ध सिखलाई में महारत हासिल कर सैन्य आप्रेशन हेतु तैयार-बर-तैयार रहना होगा। चीन का लक्ष्य अपनी सेना को दुनिया की सर्वोत्तम सेना बनाने का है।

चीन का लक्ष्य तथा भौगोलिक स्थिति

बीजिंग विस्तारवादी नीति के चलते आने वाले समय में आर्थिक, औद्योगिक, तकनीक, स्पेस तथा विशेष तौर पर सेना तथा परमाणु शक्ति के तौर पर अमेरिका को पछाड़ते हुए विश्व गुरु बनने का ख्याल रखता है। जिस तरीके से चीन के जासूसी गुब्बारे अमेरिका से लेकर कनाडा तक देखने को मिले तथा अमेरिका की ओर से मिसाइल के प्रयोग से उन गुब्बारों को निशाना बनाया गया, उससे यह सिद्ध होता है कि चीन के इरादे नेक नहीं हैं।

जिक्रयोग्य यह भी है कि विश्व व्यापी रणनीतिक पक्ष से दक्षिणी चीन सागर बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसी क्षेत्र में पीएलए का फाइटर जेट अमेरिका के सर्वेक्षण वाले विमान से टकराते हुए बचा है। इससे पहले भी वर्ष 2001 में पीएलए का विमान अमेरिका के विमान से टकराया, जिसमें चीन के पायलट की मौत हो गयी, पर अमेरिका के पायलट को पीएलए की एक टुकड़ी ने उस समय दबोच लिया, जबकि उसे आपात स्थिति में लैंडिंग करनी पड़ी। यह घटना हेनान घटना के तौर पर जानी जाती है। निःसंदेह दक्षिण चीन सागर विश्व भर की ऊर्जा से लेकर सैमीकंडक्टर चिप्स जैसी नाजुक जरूरतों को पूरा करता है।

इसके लिए समुद्री आवाजाही बेहद महत्वपूर्ण है। चीन के विदेश मंत्री ने अमरीका की हिंद प्रशांत नीति की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका, भारत, जापान तथा आस्ट्रेलिया को मिलाकर बना क्वाड हो या आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमरीका को शामिल कर ए, यूके, यूएस जैसे संगठनों का उद्देश्य चीन को बिखेरने का है।

बीजिंग ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि वह अपना नजरिया बदले, नहीं तो संघर्ष के लिए तैयार रहे। इसका प्रभाव भारत पर भी पड़ना स्वाभाविक है। इसी तरीके से ताईवान मुद्दे पर अमेरिका-चीन के दरम्यान कशमकश भारत की विदेश नीति को भी प्रभावित करेगी।

बाज वाली नजर

भारत के सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने आर्मी दिवस परेड से पहले 12 जनवरी को प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि चीन से लगती सीमा पर हालात स्थिर तथा नियंत्रित जरूर हैं मगर यह आशानुरूप नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हम पूर्वी लद्दाख में एल.ए.सी. के झगड़े वाले 7 स्थानों में से 5 का निपटारा कर चुके हैं।

मैं यहां स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जब पीएलए की टुकड़ियां पांच-छह मई 2020 को एलएसी को पार कर पेंगोंग त्सो झील के उत्तर-पूर्व की ओर भारतीय क्षेत्र में दाखिल होकर घिनौनी हरकतों पर उतर आयीं, फिर सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर कई बैठकों के दौरान चीनियों को भगाया न जा सका, तो हमारी सेना ने फिंगर चार के दक्षिण की ओर पड़ते 15000 फुट वाले कैलाश रेंज की रणनीतिक महत्ता वाली छह-सात चोटियों के ऊपर अगस्त 2021 में कब्जा कर लिया।

तब जाकर गोगरा-हॉट सिंप्रग, पेट्रोलिंग प्वाइंट से दोनों देशों की सेनाएं पीछे हटीं, जोकि बड़ा मसला नहीं था। चीन के 225 अरब डालर के रक्षा बजट के अलावा कुछ ऐसे पहलू हैं, जो कि भारत की सुरक्षा नीति तथा युद्ध तैयारी को प्रभावित करते हैं।

मिसाल के तौर पर ड्रैगन की चीन-पाकिस्तान का आर्थिक गलियारा, ब्रह्मपुत्र दरिया के ऊपर बांधों की उसारी, हमारे पड़ोसी मुल्कों को आर्थिक तथा सैन्य सहायता से भारत की घेराबंदी करने की योजना है। हाल ही में अमेरिकी सरकार की खुफिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि भारत-चीन तथा भारत-पाकिस्तान के दरम्यान संघर्ष का माहौल बनने से युद्ध का अंदेशा है।

(लेखक : रिटायर ब्रिगेडियर हैं।)

जमशेदपुर की खबरें

विधायकों ने मुखिया संघ के साथ मुख्यमंत्री से की मुलाकात, 10 सूत्री मांग पत्र सौंप कर लगायी गुहार

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। पूर्वी सिंहभूम जिले के विधायकों ने कोल्हान प्रमंडल मुखिया संघ के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की। मंगलवार को मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने 10 सूत्री मांग पत्र सौंपा। मौके पर विधायक मंगल कालिंदी, विधायक संजीव सरदार, विधायक समीर मोहंती शामिल रहे। मांग पत्र के माध्यम से निवेदन पूर्वक कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया। मांग पत्र में 15 वें वित आयोग फंड के अलावा राज्य सरकार की ओर से फंड का व्यवस्था,सभी 29 विभागों का पूर्ण अधिकार मुखियाओं को मिले, टाइड एवं अनटाइड को एक साथ सामायोजित हो, ताकि ग्रामसभा से अनुमोदित योजनाओं का निष्पादन किया जा सके। सभी पंचायत में सफाई कर्मी एवं नाइट गार्ड की बहाली, पंचायत में पंचायत भवन का निर्माण, सभी मुखिया का मानदेय 10000 से बढ़ कर 20000 से 25000 रुपये तक सम्मानजनक बढ़ाया जाये, मुखियाओं को बीमा एवं पेंशन की सुविधा, सभी पंचायत भवन में कंप्यूटर ऑपरेटर की बहाली, प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि को बढ़ाया जाये, मुखिया को लोक सेवक की परिभाषा के दायरे में परिभाषित कर लोक सेवक को मिलने वाली सुविधाएं देने की मांग की गयी। उन्होंने सीएम से न्याय पूर्ण माँगों को संवेदना पूर्वक विचार करते हुए पूरा करने की अपील की। प्रतिनिधि मंडल में पलटन मुर्मू, दुलारी सोरेन,सरोस्ती टुडू, कान्हु मुर्मू, मायावती टुडू, राकेश चंद्र मुर्मू, लिना मुंडा, सींगो मुर्मू, जोबा मारदी, कालिदास टुडू, संजू, हरिन तमसोय, सिमती सरदार, रामचंद्र मुर्मू और दुलारी मुर्मू आदि शामिल रहे।

पोटका विधायक की पहल पर दिव्यांग को मिली ट्राई साइकिल, जताया आभार

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका विधायक संजीव सरदार के पहल पर दिव्यांग मागलु गोप को ट्राई साइकिल उपलब्ध होने से परिवार में खुशी देखने को मिली। सोमवार को विधायक के निर्देश पर झामुमो पंचायत अध्यक्ष सह वार्ड सदस्य देव पालीत के द्वारा कल्याण विभाग की ओर से पोटका ब्लॉक मुख्यालय के बाल विकास परियोजना कार्यालय में ट्राई साइकिल उपलब्ध कराया गया। मौके पर झामुमो पंचायत अध्यक्ष सह वार्ड सदस्य देव पालीत ने बताया पोटका प्रखंड के हल्दीपोखर निवासी मागलु गोप पैरों से दिव्यांग है। चंलने फिरने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसकी जानकारी विधायक संजीव सरदार को दी गई। सूचना मिलते ही पोटका विधायक संजीव सरदार ने दिव्यांग मागलु गोप को ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया मागलु गोप टाई साइकिल पाकर काफी खुश हुए। उन्होंने पोटका विधानसभा क्षेत्र के युवा विधायक संजीव सरदार को तहे दिल से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किए।

बहरागोड़ा में कच्चे रास्ते से बालू उठाव, पूर्व विधायक ने जारी की वीडियो, मचा हड़कंप

आजाद सिपाही संवाददाता

बहरागोड़ा। पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा स्थित स्वर्णरेखा नदी से अवैध बालू खनन पर सरकार ने रोक लगा दी। वहीं बालू माफियाओं ने अवैध बालू उठाव और परिवहन के लिए नदी घाट तक कच्ची सड़क बनवा दी। बीते रात भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सह बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने एक ट्रक को बालू ढोते हुए देख वीडियो जारी कर दिया।

पूर्व विधायक के अनुसार कुछ दिन पूर्व बहरागोडा विधायक व उनके सहयोगियो के द्वारा बालू की अवैध तस्करी करते पाए जाने पर प्रति ट्रक पर ईनाम की घोषणा की गयी थी। लेकिन गुहियापाल गांव से हाइवे तक की सडक पर रात में ट्रक कौन से सरकारी विकास योजना के लिए बालू लेकर जा रहे हैं। उधर पूर्व विधायक ने जैसे ही ट्वीट पर वीडियो डाला, जिला प्रशासन हरकत में आ गया। सोमवार को प्रशासन के वरीय अधिकारियों ने नदी घाट तक के बने रास्ते का जायजा लिया, जहां जेसीबी की मदद से रास्तों को बंद किया गया। पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने वीडियो जारी कर जिला प्रशासन की सुस्त कार्यशैली पर सवाल उठाया। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राज्य सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा महीनों से चिर निद्रा में सोई प्रशासन की नींद अब खुली है। उन्होंने कहा कि नदी घाट तक जाने वाले इन रास्तों का निर्माण स्वाभाविक तौर पर एक या दो दिन में नही हो सकता। सत्ता के संरक्षण प्राप्त खनन माफिया रास्ता बनाकर महीनों से बालू का उठाव आसानी से कर रहे हैं।

पूर्व विधायक ने कहा बालू के अवैध खनन को रोकने के लिए प्रशासन को अधिक सख्ती और सक्रियता बढ़ाने की जरूरत है। ताकि खनन माफियाओं द्वारा बालू घाट पर अवैध बालू उठाव को समय पर पूर्ण रूप से नियंत्रित किया जा सके।

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में टेलीकॉम जागरूकता कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में बोकारो महिला कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में कंज्यूमर अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया। ट्राई की ओर से चलाये जाने वाले विशेष अभियान के तहत यूनिवर्सिटी के बिष्टुपुर कैंपस कार्यक्रम आयोजन में झारखंड में ट्राई के कंज्यूमर अवेयरनेस ग्रुप (सीएजी) के सदस्य व महिला कल्याण समिति, बोकारो के महासचिव और कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर श्याम कुंवर भारती रहे. कार्यक्रम में बीएसएनएल के एजीएम विनोद कुमार मुख्य अतिथि एवं जियो के दीपांकर दास रिसोर्स पर्सन के रूप में शामिल हुए। मुख्य अतिथि विनोद कुमार ने बीएसएनएल के पूरे कोल्हान प्रमंडल में विकास के कार्यों की रूप रेखा सामने रखी। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार की योजना को पूरा करते हुए प्रमंडल के तीन जिलों, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला के 350 गांवों में बीएसएनएल 4जी टावर का काम शीघ्र पूरा कर लेगा। उन्होंने साइबर फ्रॉड की चर्चा करते हुए उपभोक्ताओं को ओटीपी किसी से भी साझा न करने की हिदायत दी। श्याम कुंवर भारती ने बताया कि किसी भी टीएसपी को ट्राई के नियमों का ही पालन करना पड़ता है। उन्होंने छात्राओं को स्मार्टफोन के स्मार्ट यूजर बनने की सलाह देते हुए सजग रहने की व सोशल मीडिया के बेहतर उपयोग की सलाह दी। संसाधन सेवी दीपांकर दास ने भी सभी की बातों में और उदाहरण बताते हुए सबको सजग रहने को कहा। किसी भी समस्या के समाधान के लिए 1991, 199198 और जीओचैट के द्वारा 70007 पर बात करने की सलाह दी। उन्होंने जमशेदपुर में जियो के 4जी से 5जी के परिवर्तन की चर्चा करते हुए कहा कि शीघ्र ही पूरे शहर को 5जी से जोड़ दिया जायेगा।

नुवोको सीमेंट व टाटा पावर के बिना ट्रीटमेंट पानी को नाले में छोड़ने के मामले को विधायक मंगल कालिंदी ने सदन में रखा

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने झारखंड विधानसभा सत्र के दौरान शून्यकाल में जनता से जुड़े प्रश्न रखा। विधायक ने सत्र में बताया जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के गोविंदपुर एवं गदड़ा मौजा के नौ पंचायतों के लगभग 45,000 हजार लोग टाटा पावर एवं नुवोको सीमेंट प्लांट के द्वारा उत्सार्जित वायु प्रदूषण के वाटवरण में जीने को मजबूर है। बिना ट्रीटमेंट किये गये पानी को नाले में छोड़ने के कारण जलीय जीव जंतु एवं खेती के साथ लोगों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विधायक मंगल कालिंदी ने आसन के माध्यम से जनहित एवं लोकहित में जांच कमेटी गठित कर उक्त दो दोषी कंपनियों के विरुद्ध कानूनी कारवाई करने की सरकार से मांग की।

राष्ट्रीय जल नीति के अनुसार नदी के जल पर पीने का पहला अधिकार : सरयू

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। विधायक सरयू राय ने जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा में मोहरदा जलापूर्ति परियोजना में सुवर्णरेखा नदी के पानी कम होने से परिचालन में हो रही कठिनाई की मामला विधान सभा मे उठाया। विधायक ने राज्य सरकार को जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा के जनता से जुड़े पियेजल की समस्या पर चांडिल डैम से पानी छोड़ने का निर्देश देने के लिए अपील की। विधायक सरयू राय ने सदन से कहा पूर्वी विधानसभा में चांडिल डैम से मोहरदा पेयजल परियोजना के लिए पानी छोड़ने के संबंध में दो दिन पूर्व सवाल किया गया था। लेकिन सरकार ने इंकार कर दिया। उन्होंने कहा किसान डैम को पूरा भरने नहीं देते। इसलिए पानी छोड़ना संभव नहीं है। विधायक ने कहा राष्ट्रीय जल नीति 2002 के अनुसार नदी के जल पर पहला अधिकार पीने के पानी के लिए है। प्राथमिकता में नदी के जल का औद्योगिक उपयोग चौथे नम्बर पर है। यदि डैम में पानी कम है तो उद्योगों के लिये नदी से जल देने में सरकार कटौती करे, न कि पेयजल के हिस्सा में रोक लगे। श्री राय ने सभा अध्यक्ष से कहा वे जल संसाधन विभाग से आँकड़ा माँगे चांडिल डैम का डेड स्टोरेज लेन्स क्या है और पूरा लेने वाले कितना है। मानसून से पूर्व विभाग डैम का कितना पानी खाली करना चाहती है। ताकि बरसात के समय यहाँ ज्यादा पानी संग्रह हो सके। साथ ही निचले इलाके में रहने वाले बाढ़ से बच सके। इस आधार पर सरकार मोहरदा जलापूर्ति के लिए पानी छोड़ने का विवरण प्रस्तुत करे। मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने संसदीय कार्य मंत्री को विषय का संज्ञान में लेने व सरकार से सदन की मंशा को क्रियान्वित करने का नियमन दिया। वही श्री राय ने संसदीय कार्य मंत्री से भी वार्ता की। उन्होंने कहा इस मुद्दे पर में बुधवार को बैठक कर मामले का निपटारा करेंगे।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 15 मार्च, 2023
www.azadsipahi.in

गढ़वा के आलोक झारखंड स्टेट कैरम चैंपियनशिप के बने विजेता

गढ़वा (आजाद सिपाही)। दुमका में आयोजित झारखंड स्टेट कैरम चैंपियनशिप के फाइनल में गढ़वा के स्टार खिलाड़ी आलोक कुमार कश्यप ने रांची के सोनू पांडेय को 2-1 से पराजित कर झारखंड स्टेट कैरम चैंपियन बनने का गौरव हाशिल किया। इसके पूर्व भी दो बार आलोक ने इस खिताब को अपने नाम किया था। जानकारी देते हुए गढ़वा जिला कैरम संघ के सचिव कमलेश सिन्हा ने बताया कि दुमका जिला कैरम संघ के द्वारा दुमका के सिदो कान्हो मुर्मु इंडोर स्टेडियम में राज्य कैरम संघ के तत्वावधान में 11 से 13 मार्च तक यह प्रतियोगिता आयोजित थी। इस प्रतियोगिता में गढ़वा से आलोक कुमार कश्यप तथा चंदन कुमार ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में चंदन कुमार हालांकि तीसरे राउंड में हार गये। किंतु आलोक कुमार कश्यप ने अपने नर्व को कंट्रोल में रखते हुए तथा अपने अनुभव का लाभ उठाते हुए फाईनल मैच में रांची के सोनू पांडेय को 2-1 से पराजित किया। पुरुषों के इस एकल फाइनल के कड़े मुकाबले में पहला गेम सोनू पांडेय ने 24-23 अंको पर जीता। वहीं दूसरे गेम में पलटवार करते हुए आलोक ने कड़े मुकाबले में 17-16 पर मैच जीत कर स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। तीसरे और निर्णायक गेम में आलोक ने 25-08 पर एकतरफा मैच जीत चौम्पियन बना। इसके पूर्व आलोक ने सेमी फाइनल में दुमका के अजीत को क्वार्टर फाइनल में, दुमका के अभिषेक झा को, प्री क्वाटर फाईनल में पश्चिमी सिंहभूम के राजा तांती को हराया था। इसके पूर्व आलोक ने गोडडा में वर्ष 2007 तथा रांची में वर्ष 2008 में आयोजित झारखंड स्टेट कैरम चैंपियन में भी विजेता बनने का गौरव हाशिल किया था।

बकाया मानदेय भुगतान की मांग को ले मनरेगा कर्मियों ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिला मुख्यालय में मनरेगा कर्मी लगभग 10 वर्षों से डीआरडीए कार्यालय में कार्य कर रहे थे, जिन्हें बीते वर्ष 2022 में कार्य से मुक्त कर दिया गया किंतु सभी मनरेगा कर्मियों ने अपने बकाया 12 माह के मानदेय भुगतान को लेकर गढ़वा डीसी शेखर जमुआर से मुलाकात कर अपने मानदेय भुगतान कराने को लेकर आवेदन सौंपा उन्होंने कहा कि विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मियों का लंबित दैनिक प्राथमिक भुगतान करने की कृपा करें। मौके पर रंजन कुमार दुबे, मुकेश कुमार, ममता कुमारी, जय मंती देवी, खुर्शीद अंसारी, राजकुमार टोप्पो उपस्थित थे।

शाह कमिटी का गठन, मो. सरवर शाह बने अध्यक्ष

गढ़वा (आजाद सिपाही)। शहर के साईं मोहल्ला में शाह कमेटी का बैठक हुआ सम्पन्न बैठक में शाह समाज के लोगों ने सर्वसम्मति से शाह कमिटी का गठन राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अशरू दीन शाह के अध्यक्षता में किया गया जिसमें मोहम्मद सरवर शाह को अध्यक्ष बनाया गया वही मोतीम शाह को सेक्रेटरी, मोहम्मद सोनाहुल को युवा जिला अध्यक्ष बनाया गया। बैठक में 16 मार्च को रांची के अंजुमन इस्लामिया हॉल में आयोजित सम्मेलन में शामिल होने के लिए लोगों से आग्रह किया गया साथ ही बैठक में अधिक से अधिक उपस्थिति हो इसके लिए सभी लोग से एक दूसरे से समंवय स्थापित कर अधिक से अधिक लोगों को रांची ले जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में मोहम्मद जाउद्दीन शाह, मोहम्मद अनवर शाह, मोहम्मद अजहर अली, मोहम्मद सलीम जाफर, मोहम्मद मिसबाहुल शाह, मोहम्मद फैयाज उद्दीन शाह, मोहम्मद अरशद शाह, मोहम्मद फिरोज शाह, मोहम्मद मनन शाह मौजूद थे।

मैट्रिक और इंटर की परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त संपन्न

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के तीन परीक्षा केंद्रों पर मंगलवार को मैट्रिक और इंटर की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त संपन्न हुआ। जमा दो उच्च विद्यालय कांडी सेंटर पर प्रथम पाली में मैट्रिक की वोकेशनल विषय की परीक्षा में कुल 62 में 61 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे। जबकि एक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा। इंटर की वोकेशनल विषय की परीक्षा में एक परीक्षार्थी परीक्षा लिखा। उधर लमारी कला परीक्षा केंद्र पर इंटर की परीक्षा में 73 परीक्षार्थी शामिल हुए। जबकि एक अनुपस्थित रहा। शोणभद्र आदर्श इंटर महाविद्यालय परीक्षा केंद्र पर मैट्रिक के 89 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। सभी परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल मौजूद थी।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की करायी शादी

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंचे प्रेमी को ग्रामीणों ने पकड़ कर मंदिर में शादी करा दी।मामला भवनाथपुर थाना क्षेत्र के कुवंरटीका टोला गांव का है।बताया जा रहा है कि बालिग प्रेमी युगल थाना क्षेत्र के अलग अलग पंचायत के रहने वाले है। जिनकी शादी पंचायत प्रतिनिधियों की मौजूदगी एवं परिजनो की सहमति से कराकर लड़की की विदाई कर दी गई। भवनाथपुर प्रखंड के अरसली दक्षिणी पंचायत चेरवाडीह टोला निवासी नागेश्वर सिंह के पुत्र दिनेश सिंह को मकरी पंचायत के कुवंरटीका टोला के राजेश्वर सिंह कि पुत्री कुनी कुमारी से से प्यार हो गया और पिछले तीन वर्षों से दोनों एक दूसरे से छिप-छिपकर मिलते रहे। वही इस दौरान वो प्रेमिका से मिलने सोमवार कि रात सात बजे कुंवर टीका टोला पहुंचा था,कि इसी दौरान ग्रामीणों द्वारा पकड़ा गया। फिर ग्रामीणों ने दोनों के परिजनों के रजामंदी से कुंवरटीका शिव स्थल मंदिर पर विधि-विधान से दोनों प्रेमी युगल की शादी करा दी। शादी के समय वहां मौजूद महिलाओ ने मांगलिक गीत गा कर दोनों को आशीर्वाद दिया, फिर कुनी को प्रेमी से पति बने दिनेश कुमार सिंह के साथ ग्रामीणों ने विदा कर दिया। इस मौके पर समाजसेवी बबलू यादव, मकरी पंचायत के मुखिया पति धनंजय साह, जगदीश सिंह, हीरालाल सिंह, दया सिंह, रविंद्र राम, विनोद सिंह, सहित कई लोग उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में अपराध गोष्ठी का आयोजन

सड़क सुरक्षा अधिनियम के तहत थाना क्षेत्र में करें संघन वाहन चेकिंग: एसपी

एसपी ने कहा, अवैध खनन में संलिप्त वाहनों को राजसात के लिए प्रस्ताव अविलंब समर्पित करें। सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पुराने लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए अनुसंधान में तेजी लाएं एवं विशेष रूप से 05 वर्ष से अधिक लंबित कांडों का शत प्रतिशत निष्पादन माह के अंत तक सुनिश्चित करायें।

आजाद सिपाही संवाददाता

गढवा। पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य बिंदुओं पर समीक्षा की गई एवं निर्देश दिये गये की आगामी सरहुल एवं रामनवमी पर्व को ध्यान में रख कर सभी आवश्यक तैयारी सभी थाना प्रभारी करें एवं विशेष रूप से जुलूस के मार्गों का भौतिक सत्यापन करने ससमय जुलूस का लाइसेंस निर्गत करने के लिए शांति समिति की बैठक करें असामाजिक तत्वों के विरुद्ध धारा 107 सीआरपीसी के अन्तर्गत करवायी करने एवं सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने पर बल दिया गया। सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत सभी थाना क्षेत्रों में संघन अभियान चलाते हुए मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही सुनिश्चित करें। विशेष रूप से शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले, बिना हेलमेट दोपहिया चलाने वाले ओवर स्पीड़ इत्यादि के मामलों में न्यायालय में प्रोसेकुट रिपोर्ट जमा करना सुनिश्चित करें। वही राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रति दिन जगह बदल कर वाहन चेकिंग अभियान चलायें। विगत माह घटित सभी महत्वपूर्ण आपराधिक घटनाओं की समीक्षा करते हुए कांडों में आवश्यक कारवाई करते हुए त्वरित निष्पादन करें। अवैध खनन की शिकायत मिलने पर तत्काल क्षेत्र के अंचलाधिकारी ज़िला खनन पदाधिकारी से समंवय स्थापित कर झारखंड मिनरल्स प्रिवेंशन ऑफ इलगल ट्रांसपोर्ट एंड स्टोरेज रूल्स 2017 के अन्तर्गत कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

अवैध खनन में संलिप्त वाहनों को राजसात के लिए प्रस्ताव अविलंब समर्पित करें। सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पुराने लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए अनुसंधान में तेजी लाएं एवं विशेष रूप से 05 वर्ष से अधिक लंबित कांडों का शत प्रतिशत निष्पादन माह के अंत तक सुनिश्चित करायें।

मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश भी थाना प्रभारी को दिया

साइबर ठगी महिला अत्याचार अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामले प्रतिवेदित होने पर पीड़ित के पक्ष में अविलंब आवश्यक कानूनी करवाई करवाए। न्यायालय से निर्गत वारंट कुर्की सूचनाधिकार से संबंधित मामले चरित्र सत्यापन पासपोर्ट सत्यापन एवं पीजी पोर्टल से संबंधित लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश भी थाना प्रभारी को दिया गया। अपराध गोष्ठी के पश्चात पुलिस सभा का आयोजन किया गया, जिसमे सभी पुलिस कर्मियों की समस्या को सुनकर उसके निदान का भरोसा दिया गया।

मैट्रिक के पहले दिन की परीक्षा कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण संपन्न

केतार (आजाद सिपाही)। झारखंड अधिविद्य परिषद रांची द्वारा आयोजित मैट्रिक की परीक्षा प्रखंड के इकलौता परीक्षा केंद्र मध्य विद्यालय केतार में प्रथम दिन की परीक्षा कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मंगलवार को वोकेशनल पेपर की परीक्षा सम्पन्न हुई। जिसमें 62 विद्यार्थी उपस्थित एवं 1 अनुपस्थित पाया गया। परीक्षा केंद्र में नियुक्त मजिस्ट्रेट प्रखंड विकास पदाधिकारी सीओ मुकेश मछुआ ने बताया कि परीक्षा को कदाचार मुक्त और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए परीक्षा केंद्र के पांच सौ गज कि परिधि में धारा 144 लागू है। परीक्षा संचालन अधिनियम 2001 के तहत नकल करना, नकल कराना और परीक्षा केंद्र के इर्द-गिर्द नकल कराने के उद्देश्य से घूमते हुए पाये जाना गैर जमानती अपराध घोषित है। केंद्र अधीक्षक घनश्याम गुप्ता ने कहा कि परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों एवं वीक्षकों द्वारा मोबाइल फोन एवं कैल्कुलेटर वर्जित है। साथ ही कदारमुक्त परीक्षा को लेकर सभी बच्चों को जांच पड़ताल कर के वर्ग में प्रवेश कराया जाता है।इस दौरान ईएसआई उस्मान शेख व कृष्णा उरांव पुलिस बल के साथ मुस्तैदी से मौजूद थे। मौके पर दंडाधिकारी दीपक सिंह, महिला प्रवेक्षिका जागृति कुमारी, देवेंद्र कुमार, राजनाथ राम ,संतोष कुमार, राजकुमार पाठक, राजू सिंह, अजय कुमार दिलीप जायसवाल, सुधा कुमारी बृजेश सिंह शंकर मेहता, मनोरंजन कुमार, प्रेम कुमार गुप्ता, धनंजय कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

अवैध चिमनी भट्ठों पर की कार्रवाई

गढ़वा आजाद सिपाही)। जिले में संचालित अवैध चिमनी भट्ठो पर कार्रवाई की कड़ी में आज गढ़वा अनुमंडल पदाधिकारी राज महेश्वरम के द्वारा गढ़वा अनुमंडल अंतर्गत अवैध रूप से संचालित लोहे की चिमनी के ईट भट्ठे पर कार्रवाई करते हुए उपयोग में लाये जा रहे चिमनी को ध्वस्त किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा को सूचना प्राप्त हुई की मेराल प्रखंड अंतर्गत परसही ग्राम में खुर्शीद आलम, मदन कमलापुरी एवं दो अन्य द्वारा अवैध रूप से लोहे के चादर से निर्मित चार चिमनी भट्ठा चलाये जा रहे है। प्राप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंच अवैध चिमनी भट्टा को ध्वस्त कर दिया गया। साथ हीं अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा की दोषी पाये जाने वालों के विरुद्ध नियम संगत कार्रवाई की जायेगी।

बंशीधर महोत्सव की तैयारी को लेकर प्रशासन पूरी तरह रेस

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। बंशीधर महोत्सव की तैयारी को लेकर प्रशासन पूरी तरह से रेस हो गयी है। वही आम लोगो मे भी महोत्सव के समय निर्धारित होने के बाद उत्साह देखा जा रहा है। मंगलवार को अनुमंडल कार्यालय के सभागार में एसडीओ आलोक कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में महोत्सव को भव्य बनाने के लिए उपस्थित लोगों ने अपने-अपने विचार रखे। एसडीओ ने कहा कि गौरव की बात है कि बंशीधर महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन में सबकी सहभागिता जरूरी है। इस आयोजन को जिले और प्रदेश ही नही बल्कि देश स्तर का सबसे सफल आयोजन बनाना है। एसडीओ ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर कार्यक्रम को लेकर तैयारी जारी है। लेकिन स्थानीय लोग भी इसमें अपनी तरफ से सहयोग कर इसे भव्य बनाने में योगदान दें। उन्होंने लोगो से महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सबसे सुझाव मांगा। मौजूद लोगों ने शहर की साफ-सफाई, मंदिर जाने वाले सभी सड़को की सफाई, नाली निर्माण, स्ट्रीट लाइट की दुरूस्त व्यवस्था करने, शहर को जाम से मुक्ति दिलाने सहित अन्य सुझाव दिए। वही इस दौरान स्थानीय स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित करने पर बल दिया गया। महोत्सव के पहले दिन शोभायात्रा निकालने की बात कही गयी। शहर के सभी जर्जर बिजली पोल-तार को दुरुस्त करने की बात भी लोगो ने कहा। इसके अलावे स्टेशन रोड, मेन शहर, आयोजन स्थल, मंदिर जाने वाले सड़क के दोनों ओर आकर्षक लाइट से सजावट करने की बात कही गयी। एसडीओ ने शहरवासियों से अपने-अपने घरों को एक समान पेंटिंग करने का अपील किया। वही महोत्सव के दौरान शाम में दीवाली की तरह सभी घरों को लाइट से स्थानीय लोग सजायेंगे। एसडीओ ने स्थानीय लोगो से एक कमिटी बनाकर काम करने की बात कही। बैठक में पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी, कार्यपालक दंडाधिकारी अजय तिर्की, नगर पंचायत अध्यक्ष विजयालक्ष्मी, उपाध्यक्ष लता देवी, प्रमुख उर्मिला देवी, सांसद प्रतिनिधि बिजय ओझा, झामुमो जिला उपाध्यक्ष मुक्तेश्वर पांडेय, 20 सूत्री अध्यक्ष शैलेश चौबे, भाजपा नेता लक्ष्मण राम, मुकेश चौबे, अमरनाथ पांडेय, ईश्वरी पांडेय, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ब्रजेश चौबे, ईश्वरी चौधरी, भोलू कुमार, अनुप निराला सहित कई लोग मौजूद थे।

राज्य आपदा मोचन बल, राँची

-: अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना :-

नवगठित राज्य आपदा मोचन बल, राँची के लिए महत्वपुर्ण आवश्यक सामाग्रियों की आपूर्ति हेतु समादेष्टा, राज्य आपदा मोचन बल, राँची की ओर से GST में निबंधित फार्म/आपूर्तिकर्त्ता से नमूना के साथ मुहरबन्द निविदा दिनांक 22.03.2023 को पूर्वा० 11:00 बजें तक आमंत्रित की जाती है।

नियम एवं शर्ते :–

1. सभी मदों के लिये निविदा दो भागों में तकनिकी तथा वित्तीय भाग में देनी होगी। वित्तीय भागों में केवल मद का मूल्य सभी कर सहित देना होगा। अंकित दर में कोई कटिंग अथवा ओभर राईटिंग मान्य नहीं होगी, ऐसी निविदा को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। तकनिकी भाग में सभी कागजात जैसे–सभी प्रमाण–पत्र की छायाप्रति देनी होगी। गन्दे प्रति का अमान्य कर दिया जायेगा, जिसकी जिम्मेवारी विभाग की नहीं होगी।
2. निविदा के दोनों भाग (तकनिकी एवं वित्तीय) को अलग–अलग लिफाफा में सील कर एक अन्य लिफाफा में डालकर उसे भी सील कर अधोहस्ताक्षरी के नाम से भेजना होगा।
3. निविदा दिनांक 22.03.2023 को अप० 17:00 बजें अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी। जिस निविदा का तकनिकी भाग एवं नमूना सही पाया जायेगा, केवल उन्हीं के वित्तीय भाग की निविदा क्रय समिति के समक्ष निर्धारित तिथि को खोली जायेगी। निविदा खुलने के समय निविदादाता या उनके प्रतिनिधि अपने सामान के नमूने के साथ उपस्थित होगें।
4. निविदा के साथ अग्रधन के रूप में रू० 10,000/–(दस हजार रूपयें) बैंक ड्राफ्ट/नेशनल सेविंग, Cheque अधोहस्ताक्षरी के नाम बंधित कर जमा करना अनिवार्य होगा, अन्यथा निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
5. प्रत्येंक निविदाकृत मद के लिये एक ही दर सभी कर सहित दिया जाना होगा। शर्तो के साथ छूट मान्य नही होगा।
6. निविदा के साथ पैन नम्बर एवं अद्यतन वाणिज्यकर निबंधन GST प्रमाण–पत्र की छायाप्रति संलग्न करेगें।
7. निविदा खुलने के पश्चात् निविदा से संबंधित किसी प्रकार का कागजात या नमूना स्वीकार नही किया जायेगा।
8. अद्योहस्ताक्षरी को यह अधिकार सुरक्षित है कि बिना कारण बताये एक या एक से अधिक या सभी निविदाओं को आंशिक या पूर्ण रूप से अस्वीकृत कर दें, निर्धारित मद को आवश्यकतानुसार वर्णित मात्रा को घटा या बढ़ा दें।
9. सामाग्रियों की जानकारी हेतु संबंधित कार्यालय में कार्यालय अवधि के अन्तर्गत सम्पर्क कर सकते है।

ह०/–
(वाई०एस० रमेश)
समादेष्टा
राज्य आपदा मोचन बल, राँची।

PR 292508 (Police) 22-23 (D)

कार्यालय: जिला पशुपालन पदाधिकारी, गुमला

कृषकों के लिए आवश्यक सूचना

सरकार के सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) झारखण्ड रांची के राज्यादेश संख्या 23 रा0 (वि0) दिनांक 07.11.2022 में वित्तीय वर्ष 2022–23 में स्वीकृत मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनान्तर्गत ग्रामीण स्तर पर पुरुशों/महिलाओं को स्वनियोजित कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अनुदानित/ लाभुक अशंदान (स्वंय या बैंक ऋण) पर संचालित पशुपालन प्रक्षेत्र की विभिन्न योजनाओं से गुमला जिला के ग्रामीण क्षेत्र के इच्छुक कृषकों को लाभान्वित करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है:–

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना लागत प्रति इकाई	लाभुक श्रेणी	शेष लक्ष्य: 90% अनुदान एवं 10% लाभुक अंशदान	शेष लक्ष्य: 75% अनुदान एवं 25% लाभुक अंशदान	कुल लक्ष्य	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	8	9
1	400 बैकयार्ड लेयर(लो इनपुट लेयर कुक्कुट पालन) की योजना	118200/-	अनुसूचित जाति के आवेदक के लिए	1	2	3	90% अनुदान राशि – 106300.00 10% लाभुक अंशदान राशि – 11900.00 75% अनुदान राशि – 88650.00 25% लाभुक अंशदान राशि – 29550.00
2	ब्रायलर कुक्कुट पालन 500 ब्रायलर कुक्कुट पालन योजना	67500/-	अनुसूचित जाति के आवेदक के लिए	–	3	3	90% अनुदान राशि – 60750.00 10% लाभुक अंशदान राशि – 6750.00 75% अनुदान राशि – 50625.00 25% लाभुक अंशदान राशि – 16875.00
3	बतख चूजा वितरण की योजना (अण्डा उत्पादन हेतु)	1700/-	अनुसूचित जाति के आवेदक के लिए	17	119	136	90% अनुदान राशि – 1530.00 10% लाभुक अंशदान राशि – 170.00 75% अनुदान राशि – 1275.00 25% लाभुक अंशदान राशि – 425.00

चयन हेतु अहर्ता एवं प्रकिया:–

- जिला के लाभुकों का चयन ग्राम सभा के द्वारा किया जाना है।
- योजनावार निर्धारित लक्ष्य के आलोक में लाभुकों का चयन ग्राम सभा की अनुशंसा के साथ–साथ प्रखण्ड स्तरीय समिति के अनुशंसा उपरांत उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा अनुमोदन (अंतिम चयन) प्राप्त होने पर योजना का लाभ दिया जायेगा।
- जिला स्तरीय चयन समिति से अनुमोदन (अंतिम चयन) उपरांत लाभुक को योजनानुसार लाभुक अंशदान की निर्धारित राशि संबंधित लाभुक का Escrow Account में जमा करना अनिवार्य होगा।
- सभी योजनाओं का अनुदान राशि DBT के माध्यम से लाभुकों के Escrow Account में हस्तांतरित की जायेगी।

नोट :– 1. उपरोक्त योजनाओं के लिए आवेदन करने एवं जानकारी प्राप्त करने हेतु संबंधित प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी से सम्पर्क किया जा सकता है।
2. संबंधित योजनाओं का आवेदन पत्र अपने प्रखण्ड के प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी कार्यालय से कार्य अवधि में निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।
3. पूर्ण आवेदन पत्र अनुलग्नक (आधार कार्ड की स्पष्ट छायाप्रति, ग्राम सभा की बैठक में किये गए अनुशंसा की छाया प्रति) सहित दिनांक 20.03.2023 के अपराह्न तक अपने प्रखण्ड के प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी कार्यालय में जमा करेंगे।

जिला पशुपालन पदाधिकारी
गुमला

PR 292550 Animal Husbandry (22-23)_D

वार्षिक परीक्षाफल प्रकाशन सह सम्मान समारोह संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सीबीएसइ से मान्यता प्राप्त स्थानीय जीएन कान्वेंट स्कूल में सीनियर वर्ग का वार्षिक परीक्षा फल प्रकाशित किया गया साथ ही पूरे वर्ष में विभिन्न क्रियाकलापों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र मेडल एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक मदन केसरी उप प्राचार्य वसंत ठाकुर द्वारा सम्मिलित हो दीप प्रज्वलित एवं विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि कर किया गया। विद्यालय के नये सभागार में उपस्थित गणमान्य अभिभावकों एवं छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए निदेशक ने कहा कि हमें निरंतर परीक्षाओं के दौर से गुजारना पड़ता है, जिसके माध्यम से हमें स्व. मूल्यांकन का अवसर मिलता है इसी के आधार पर हम अपने लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर होते हैं। यह एक मापदंड है, जिसके आधार पर भविष्य का रोड मैप प्यार करते हैं वे सभी अभिभावक धन्यवाद के पात्र हैं, जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय बच्चों के लिए निकालकर आज इस सभागार में उपस्थित हुए हैं। पहले की शिक्षा और वर्तमान शिक्षा प्रणाली में बहुत बदलाव हो चुका है। ऐसी स्थिति में विद्यालय के साथ-साथ अभिभावकों को भी अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए मनन और चिंतन करने की जरूरत है ताकि हम मिलकर उनके उज्जवल भविष्य का निर्माण करने में सहायक बन सके जहां दैनिक शिक्षा के साथ-साथ अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करते रहें। वार्षिक परीक्षा सत्र 2022 23 मैं प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

इन्हें किया सम्मानित

क्लास सिक्स में फर्स्ट प्रतीक कुमार एवं शौर्यकुमार रहे। द्वितीय स्थान पर रक्षित भुवन, भास्कर तिवारी जबकि तृतीय स्थान पर अमित कुमार रहे। क्लास सेवन में आयुष कश्यप प्रथम, जीनत परवीन द्वितीय,सन्ध्या केशरी तृतीय स्थान प्राप्त की। क्लास एट में आदित्य प्रकाश प्रथम, आराध्या कुमारी द्वितीय, अनुपम कुमार तृतीय स्थान प्राप्त क्लास नाइन में रौनक कुमार प्रथम, शिवम कुमार द्वितीय और मोहम्मद इरफान अख्तर तृतीय स्थान पर रहे। विशेष क्रियाकलापों के लिए बेस्ट डिसिप्लिन के लिए अंशी दुबे,बेस्ट सॉन्ग के लिए रिया कुमारी, बेस्ट डांस के लिए तान्या,बेस्ट यूनिफॉर्म में दीपिका दुबे, शुभम तिवारी, बेस्ट पीटी में प्रिंस चौधरी सुभाषितानि के लिए रौशन दुबे, बेस्ट इंग्लिश राइटिंग में आदर्श गुप्ता और मोहम्मद फैज को बेस्ट हिंदी राइटिंग में सोनू कुमार बेस्ट इन अटेंडेंस और बेस्ट असेम्बली एक्टिविटी के लिए आदित्य प्रकाश को सम्मानित किया गया।

अड़की में युवक की हत्या सिर कटा शव हुआ बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जिला के अड़की थाना अंतर्गत रोकाब पहानटोली गांव स्थित एक टांड़ से सोमवार को पुलिस ने 42 वर्षीय एक युवक का शव बरामद किया। हत्यारों ने उसकी धारदार हथियार से हत्या की है। उसके सिर को धड़ से अलग कर दिया गया है। वहीं पेट सहित पूरे शरीर में चोट के गहरे निशान हैं। शव से लगभग पांच फीट की दूरी पर झाड़ी में उसका सिर पड़ा मिला। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस शव की शिनाख्त के प्रयास में जुटी है। शव को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद सुरक्षित शीत गृह में रख दिया गया है। इस संबंध में अड़की थाना में हत्या का एक मामला दर्ज कर पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

खूंटी (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र में सोमवार को बाइक के धक्के से गंभीर रूप से घायल हो गया था। खूंटी निवासी धुमेश्वर दादुल (27) को स्थानीय लोगों की मदद से खूंटी सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो ग/१। जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम तेज रफ्तार बाइक के धक्के से धुमेश्वर दादुल गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। मंगलवार को खूंटी थाना की पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया। खूंटी थाने में मामला दर्ज किया गया है।

फंदे से झूल कर युवक ने की खुदकुशी

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी थाना अंतर्गत जमुवादाग गांव निवासी जलेश्वर महतो के 18 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार महतो ने सोमवार की देर रात अपने घर में ही फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मंगलवार की सुबह घटना की सूचना खूंटी पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक पड़ताल के बाद शव को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया। समाचार लिखे जाने तक खुदकुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

भाजपा की बैठक में बूथ सशक्तीकरण अभियान की समीक्षा

खूंटी (आजाद सिपाही)। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे बूथ सशक्तीकरण अभियान के तहत खूंटी ग्रामीण एवं नगर मंडल द्वारा किए गए कार्यों की पार्टी के जिला प्रभारी सत्यनारायण सिंह ने मंगलवार को समीक्षा की। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान दोनों मंडलों द्वारा बूथ सशक्तीकरण अभियान के तहत किए गए कार्यों की जानकारी ली गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला उपाध्यक्ष सह बूथ सशक्तीकरण अभियान के जिला संयोजक संजय साहू ने पूरे जिले में अब तक की गतिविधियों की जानकारी जिला प्रभारी सत्यनारायण सिंह को दी। मंच संचालन जिला महामंत्री सह बूथ सशक्तीकरण अभियान के जिला सह संयोजक विनोद नाग व धन्यवाद ज्ञापन मदनमोहन गोप ने किया। बैठक में जिला सोशल मीडिया सह प्रभारी महावीर राम, खूंटी प्रखंड प्रमुख छोटराय मुंडा, भीम सिंह मुंडा, लीलू पहान, जीतन स्वांसी, बासमती देवी, सुकेंदर महतो आदि थे।

रतन लाल अध्यक्ष व रामचंद्र बने सचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी/पिपरवार। आल इंडिया एससी एसटी ओबीसी इंप्लाइज कोऑर्डिनेषन काउंसिल की बैठक मंगलवार को पिपरवार में हुई। जिसकी अध्यक्षता सीसीएल काउंसिल के उपाध्यक्ष मो इकबाल ने की। इस दौरान कौंसील के सीसीएल जोन के महासचिव बृज किशोर राम एवं मुख्य पयर्वेक्षक के रूप में कायकारी अध्यक्ष संजय कुमार उपस्थित थे। बैठक में सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के कार्यकारी कमेटी पुर्नगठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष रतनलाल, कार्यकारी अध्यक्ष सरजू सिंह, उपाध्यक्ष रामवचन यादव, एसडी राम, आनंद मुंडा, सुरेंद्र राम, सचिव रामचंद्र उरांव, उप सचिव विनोद पासवान, रोशन कुमार गुप्ता, मो जुलफान, वीरू मुंडा, संगठन सचिव अजय कुमार, श्रीवास्तव पासवान, राहुल कुमार, कोषाध्यक्ष शंभु कुमार राम के अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में चंदन कुमार, सुरेंद्र गंझू, सेवा उरांव, बी टोप्पो, विकास मुंडा, विश्व मित्र, संतोष यादव, चन्द्रशेखर महतो, बालेश्वर गंझू, मनोज गंझू, सोमे उरांव शामिल किया गया है।

10 दिनों के अल्टीमेटम के साथ विस्थापित रैयतों ने स्थगित किया अपना आंदोलन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के ग्राम कनौदा, बहेरा, मंगरदाहा और राजधर के विस्थापित रैयतो द्वारा सीसीएल प्रबंधन की ओर से अधिग्रहित भूमि के बदले नौकरी की मांग को लेकर किये जा रहे आंदोलन को प्रबंधन के साथ हुई सकारात्मक वार्ता के बाद फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार उपरोक्त गांव के विस्थापित रैयत नौकरी की मांग को लेकर सोमवार की सुबह से ही राजधर साइडिंग और कोयला ढुलाई का काम बंद कराकर अपनी ही अधिग्रहित भूमि पर धरने पर बैठे थे। दोपहर में सीसीएल अधिकारी धरना स्थल पहुंचे और रैयतो के साथ वार्ता की। लेकिन सहमति नहीं बनी। जिसके बाद देर रात को एक बार पुनः स्थानीय प्रबंधन द्वारा रैयतो के साथ वार्ता की गई। जिसमें प्रबधंन ने रैयतो की मांगो को पूरा करने के लिए मुख्यालय का हवाला देते हुए समय मांगा। तब रैयतों ने प्रबंधन को 10 दिनो का समय दिया। साथ ही कहा कि उक्त अवधि में मांगों को पूरा नहीं किया गया तो सभी रैयत पुनः बंदी के लिए बाध्य होगे। वार्ता मे प्रबंधन की ओर से एजीएम निरंजन सेनापति, एसओपी आलोक मनीष सोय, सच्चिदानंद सिंह, मोहनलाल सिंह आदि उपस्थित थे।

लोदरो मुंडा की मौत के लिए उसके बेटे मान रहे थे महिला को दोषी

महिला को डायन बताकर प्रताड़ित करने के पांच आरोपित गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। अड़की थाना क्षेत्र के रूमचू गांव की रहने वाली साउड़ी देवी नामक महिला को डायन बिसाही का आरोप लगाकर प्रताड़ित करने के आरोप में पुलिस ने पांच नामदर्ज आरोपितों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान मोहन सिंह मुंडा (43), संदीप कुमार मुंडा (39), मोहन सिंह मुंडा (35), यादव मुंडा (45) और मोहन मुंड़ा (22) के के रूप में हुई है। गिरफ्तार सभी

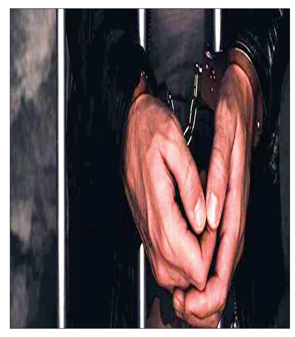

आरोपित रूमचू गांव के ही रहने वाले हैं। इस संबंध में पुलिस की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया है कि गत 12 मार्च को सावली देवी नामक महिला के फर्द बयान पर अड़की थाना में धारा 341, 323, 506, 448, 34 भादवी और 2/4 डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोपितों को गिरफ्तार करनेवाली टीम में अड़की थाना प्रभारी इकबाल हुसैन, पुलिस उप निरीक्षक मनोज तिर्की और बिरजू प्रसाद के अलावा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। दूसरी ओर, आरोपितों ने पुलिस को अपने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि मोहन सिंह मुंडा के पिता लोदरो मुंडा की तबयित हमेशा खराब रहती थी। रांची के रिम्स अस्पताल में इलाज के दौरान 28 फरवरी को लोदरो की मौत हो गई। इसके बाद उनके पुत्रों को संदेह था कि सउड़ी देवी ने ही डायन बिसाही कर लोदरो मुंडा को मार दिया। इससे उत्तेजित होकर ग्रामीणों के साथ मिलकर साउड़ी देवी से मारपीट और गाली गलौज की थी।

खलारी के मुन्नू शर्मा इंटरनेशनल ह्यूमैनिटी अवार्ड से सम्मानित

खलारी (आजाद सिपाही)। राजस्थान के बीकानेर में आयोजित इंटरनेशनल ह्यूमैनिटी चेंज मेकर अवार्ड से कोयलांचल के मोहन नगर निवासी युवा मुन्नु शर्मा को सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड कारगिल युद्ध में अपने हाथ पैर गंवाने वाले वीर योद्धा नायक दीपचंद जी के हाथों दिया गया। 11 एवं 12 मार्च को बीकानेर में विश्व सम्मलेन में 200 देशों के प्रतिनिधि सहित 780 लोगों पहुंचे थे। मुन्नु शर्मा द्वारा 130 से ज्यादा लापता लोगों को मिलाने और रक्तदान के लिए जागरूकता करने के लिए चयन किया गया था। कायर्क्रम में बीकानेर जिला अधिकारी डॉ नीरज के.पवन आदि उपस्थित थे।

कोचे मुंडा ने विधानसभा में उठाया पांडू पुड़िंग जलप्रपात में असुरक्षा का मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। तोरपा के भाजपा विधायक कोचे मुंडा ने मंगलवार को विधानसभा में तारांकित प्रश्न के तहत तोरपा प्रखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पांडू पुड़िंग जलप्रपात में असुरक्षा और असुविधा का मामला उठाते हुए सरकार से पूछा कि उक्त जलप्रपात के विकास के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या सही है कि इस जल प्रपात में तीन सैलानियों की मौत अब तक हो चुकी है। प्रश्त के उत्तर में पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री की ओर से बताया गया कि पांडू पुढ़िंग जलप्रपात में सुरक्षा के लिए पर्यटन मित्र की व्यवस्था की गई है। जलप्रपात में सैलानियों की सुरक्षा एवं जलप्रपात

के विकास के संबंध में मंत्री की ओर से बताया गया कि पंडूपुड़िंग जल प्रपात पर्यटन स्थल के रूप में अधिसूचित नहीं है। जिला पर्यटन संवर्धन परिषद और उसके बाद राज्य पर्यटन संवर्धन समिति की अनुशंसा के आलोक में पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा किसी भी स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में अधिसूचित किया जाता है। उसके बाद उक्त स्थल के विकास के लिए राशि उपलब्ध कराई जाती है। सरकार की ओर से बताया गया कि विभागीय पत्रांक 359 दिनांक 22 फरवरी 2023 द्वारा उक्त स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव जिला पर्यटन संवर्धन परिषद के समक्ष रखने के लिए डीसी, अध्यक्ष जिला पर्यटन संवर्धन समिति खूंटी को निर्देशित किया गया है। तारांकित प्रश्न के तहत कोचे मुंडा ने कर्रा प्रखंड के चांपी स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के जर्जर भन का मामला उठाया। इस पर सरकार की ओर बताया गया कि विद्यालय भवन की स्थिति काफी अच्छी है और वहां कक्षा सात तक संचालित है और विद्यालय में 205 विद्यार्थी नामांकित है।

पिपराटोली में एमपी मोटर्स का उद्घाटन

खूंटीं (आजाद सिपाही)। खूंटी नगर पंचायत क्षेत्र के पिपराटोली में मंगलवार को टाइटेनियम महिंद्रा के अधिकृत सब डीलर एमपी मोटर्स का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद युवा कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष और खूंटी जिला प्रभारी निशा भगत, युवा कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष अरूण सांगा व अन्य अतिथियों ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने एमपी मोटर्स के संचालक पुनीत और मनीष को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महिंद्रा शोरूम खुलने से अब खूंटी और आसपास के लोगों को महिंद्रा कंपनी की गाड़ियां लेने के लिए बाहर नहीं जाना पेड़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। वहीं, अरूण सांगा ने कहा कि महिंद्र कंपनी की हर प्रकार की गाड़ियां शोरूम में उपलबध हैं। इस मौके पर जिला 20 सूत्री सदस्य मोहम्मद सोहेल अंसारी, महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव पूजा, टाइटेनियम महिंद्रा के महाप्रबंधक विकास चतुर्वेदी, शंकर झा, प्रबंधक सुमन मिश्रा, पिंकू कुमार के अलावा संचालक मनीष कुमार और पुनीत कुमार उपस्थित थे।

खूंटी उपायुक्त ने की स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

खूंटी (आजाद सिपाही)। डीसी शशि रंजन की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। डीसी ने अस्पतालों में उचित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए गठित विभिन्न सेल के अधिकारियों और कर्मियों द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इसमें एचआर रिक्रूटमेंट, ट्रेनिंग सेल, स्टोर/डिस्पेंसरी सेल, सीअचओ सेल, हॉस्पिटल मशीनरी सेल, कायाकल्प-क्वालिटी कंट्रोल सेल, वैक्सिनेशन सेल, टेस्टिंग-कलेक्शन सेल, हॉस्पिटल मैनेजमेंट-स्पेसिफिक हेल्थ सर्विस सेल, आयुष्मान भारत सेल, डॉक्टर मैनेजमेंट सेल, अकाउंट्स मैनेजमेंट, ऑक्सिजन प्रबंधन सेल, प्रोक्योरमेंट सेल एवं ब्लड बैंक सेल बनाये गए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सेल द्वारा अस्पताल प्रबंधन के साथ-साथ सुचारू रूप से कार्यों का ससमय क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाय। उन्होंने कहा कि उचित स्वास्थ्य सुविधा के साथ-साथ अस्पताल प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिए कि कायाकल्प की रिपोर्ट के आधार पर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराएं। इसके अतिरिक एम्बुलेंस सेल को निर्देशित किया गया कि सभी एम्बुलेंस में उपलब्ध संसाधनों को दुरुस्त करते हुए व्यवस्थित किया जाना चाहिए। विशेष कमेटी द्वारा सभी सीएचसी का औचक निरीक्षणकरने का निर्देश डीसी ने दिया।उन्होंने ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन करने का निर्देश दिया।

पीएससीसी हाइस्कूल में मैट्रिक व आदर्श हाइस्कूल में इंटर वोकेशनल कोर्स की हुई परीक्षा

खलारी में कड़ी निगरानी के बीच मैट्रिक-इंटर की परीक्षाएं शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। झारखंड अधिविद्य परिषद के मैट्रिक व इंटर की परीक्षाएं शुरू हो गयी। खलारी में तीन केंद्र बनाए गए हैं। जिनमें मंगलवार को दो परीक्षा केंद्रों पीएससी हाई स्कूल खलारी और आदर्श हाई स्कूल में ही परीक्षाएं हुई। तीसरे केंद्र जनता प्लस टू हाई स्कूल में वोकेसनल कोर्स के परीक्षार्थी नहीं होने के कारण इस दिन परीक्षा नहीं हुई। प्रथम पाली में पीएससीसी हाई स्कूल खलारी केंद्र में मैट्रिक के जनता हाई स्कूल के 28 परीक्षार्थियों ने इंट्रोडक्ट्री इंफार्मेशन टेक्नोलाजी (आईआईटी) एवं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पुरनी राय के 26

आदर्श हाई स्कूल परीक्षा केंद्र में परीक्षा देते परीक्षार्थी।

परीक्षार्थियों ने हेल्थ केयर एजुकेशन की परीक्षा दी। आदर्श हाई स्कूल शांतिनगर खलारी में मैट्रिक के वोकेशनल कोर्स के परीक्षार्थी नहीं होने के कारण प्रथम पाली में परीक्षा नहीं हुई। आदर्श हाई स्कूल परीक्षा केंद्र में द्वितीय पाली में जनता हाई स्कूल से इंटर कला व वाणिज्य के 30 में से 28 हेल्थ केयर एजुकेशन और 27 में से 26 इंफोरमेशन टेक्नोलोजी सिस्टम (आईटीएस) की परीक्षा दिए। इस केंद्र पर 57 में तीन परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दोनों पाली की निर्धारित समय से शुरू हुई। प्रश्न पत्र सही समय पर केंद्रों पर पहुंचा दिए गए थे। दोनों केन्द्र पर सीसीटीवी सहित स्टेटिक व जोनल दंडाधिकारियों की निगरानी में कदाचार मुक्त संपन्न हुई। परीक्षार्थियों के लिए पेयजल सहित दूसरे आवश्यक सुविधाओं का इंतजाम रखा गया था। केंद्रों पर पुलिस के एक-एक अधिकारी के साथ सशस्त्र बलों की तैनाती थी। आदर्श हाई स्कूल परीक्षा केन्द्र में एएसआई गंगा प्रसाद यादव, जेई प्रेमचन्द मुर्मू स्टेटिक दंडाधिकारी और जोनल दंडाधिकारी जेई रवि रंजन उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

कड़ी निगरानी के बीच सोनाहातू और राहे प्रखंड में शुरू हुई मैट्रिक परीक्षा

सोनाहातू/राहे (आजाद सिपाही)। प्रखंड में मैट्रिक की परीक्षा मंगलवार को कड़ी निगरानी के बीच शुरू हो गई। राहे प्रखंड में परीक्षा के लिए दो केंद्र बनाए गए हैं। राहे मीडिल स्कूल में 224 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। जबकि राहे हाई स्कूल के केंद्र में 405 परीक्षार्थी परीक्षा देंगें। राहे प्रखंड के 8 हाई स्कूल में कुल 629 परीक्षार्थी मैट्रिक की परीक्षा लिखेंगे। पहले दिन राहे मीडिल स्कूल के केंद्र में 66 परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र में बैठे। जबकि राहे हाईस्कूल में एक परीक्षार्थी ने परीक्षा लिखी। इधर, सोनाहातू प्रखंड में 4 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। 9 हाई स्कूल के 1034 बच्चे परीक्षा लिखेंगे। पहले दिन हाई स्कूल जामुदाग के परीक्षा केंद्र में 42 बच्चों ने परीक्षा लिखी। परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।

जिंतुडीह गांव में मनाया गया सरहुल पर्व

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बारेंदा पंचायत अंतर्गत जिंतुडीह गांव में आदिवासी परंपरा के अनुसार सरहुल पर्व मनाया गया। गांव में पहली बार अखाड़ा बनाकर पर्व को मनाया गया। इस दौरान आसपास काफी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग उपस्थित थे। परंपरा के अनुसार सबसे पहले सिंगबोंगा की पूजा की गई। पाहन ने सभी उपस्थितव लोगों को सखुआ के फूल वितरण किये। पूजा समाप्ति के बाद आखड़ा में लोक सांस्कृतिक पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया। मौके पर ग्राम प्रधान दीनबंधु सिंह मुंडा, वार्ड सदस्य नरसिंह मुंडा, समाज सेवी भोलेश्वर सिंह मुंडा समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

षड्यंत्र के तहत काश्तकारों को किया जा रहा गुमराह

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू के दर्जनों राजस्व गांव के काश्तकारों के ऑनलाइन खतियान में व्यापक गलत प्रविष्टियां के विरुद्ध तैमारा क्षेत्र के लबगा गांव में पड़हा समिति के वैनर तले ग्रामीणों ने सभा की, जिसकी अध्यक्षता बहला पाहन और संचालन जोहान टुटी ने किया। सभा को संबोधित करते हुए विभिन्न वक्ताओं ने कहा कि खतियान एवं पंजी-टू में गलत जाति, खेवट एवं प्लॉट संख्या अंकित हो गयी है। पर जिम्मेवार अधिकारी व जनप्रतिनिधि काश्तकरों की एक नहीं सुन रहे हैं। सुधार के लिए काश्तकारों को यहां-वहां दौड़ाया जा रहा है। क्षेत्र के काश्तकार सुधार के लिए चरणबद्ध आंदोलन चलाएंगे। वक्ताओं ने कहा कि सरकार के अधिकारी षड्यंत्र के तहत काश्तकारों को गुमराह कर सीएनटी एक्ट से छेड़छाड़ का प्रयास कर रहे हैं। इसे किसी भी हाल में क्षेत्र के काश्तकार बर्दाश्त नहीं करेंगे। इधर, लोगों के गोलबंदी देख बुंडू अंचलाधिकारी राजेश डुंगडुंग एवं बीडीओ संध्या मुंडू स्वयं सभा स्थल पहुंचे और काश्तकारों को आश्वस्त किया कि वे आयुक्त को इसकी जानकारी देंगे और काश्तकारों की समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर कुंवर सिंह मुंडा, बिरसा मुंडा, चैतन मुंडा, गुंजल इकिर मुंडा, योगेश्वर अहीर, बंधुराम मुंडा, इंद्रजीत मुंडा, लखीराम मुंडा, हरि पाहन, जगरनाथ मुंडा, जिप सदस्य परमेश्वरी शांडिल, विषम्बर अहीर, सोमा पाहन, भोज मुंडा, मनसाराम मुंडा विमल टुटी, सुंदर मुंडा, डिडु मुंडा, बाजे मुंडा मुचिराय पाहन, बिरसा मानकी, मिर्धा पाहन, सोहराय मुंडा और कुंजल पाहन ने भी अपन-अपने विचार रखें।

जाति प्रमाणपत्र देने की मांग को लेकर लोहरा समाज ने प्रखंड मुख्यालय पर दिया धरना

तमाड़ (आजाद सिपाही)। लोहरा समाज को जाति प्रमाण पत्र देने की मांग को लेकर तमाड़ प्रखंड लोहरा समाज द्वारा प्रखंड मुख्यालय में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। इसके बाद एक मांग पत्र अंचलाधिकारी विमल सोरेन तमाड़ के नाम सौंपा गया, जिसमें बताया गया कि लोहरा जाति के लोगों के खतियान में जाति के रूप में लोहार दर्ज है। इस प्रखंड के लोहार के श्रेणी में आते हैं और यहां से बराबर अनुसूचित जनजाति के नाम से जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाता था। मगर कुछ दिनों से अंचलाधिकारी के कारण लोहरा जाति को पिछड़ा जाति में रखा गया है, जबकि झारखंड सरकार द्वारा आदेश जारी कर पत्तांक 355 दिनांक 19 जनवरी 2006 में कहा गया था कि लोहरा जाति को जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाए। पूर्व में यहां के लोहरा जाति को जाति प्रमाण पत्र दिया जाता था। लोहरा समाज के लोगों द्वारा सबसे पहले प्रखंड मुख्यालय में रैली निकाली गई। फिर रैली के शक्ल में प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर अंचल अधिकारी को मांग पत्र सौंपा गया। इस मौके पर लोहरा समाज के अध्यक्ष छोटू लोहरा उपाध्यक्ष दिगंबर लोहरा, सुरेश लोहरा, जितेंद्र लोहरा, बुधन लाल लोहरा, मोतीराम लोहरा, सुशील नाग, हराधन लोहरा, राहुल बेसरा आदि उपस्थित थे।

बुंडू नगर में चरमराई विद्युत व्यवस्था

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू नगर में विद्युत व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। इसे लेकर कहा गया कि बुंडू नगर में पीक आवर और नॉर्मल आवर पर विद्युत आपूर्ति एक घंटा रहती है। लेकिन अब तीन घंटे लोड शेडिंग किया जाता है। मालूम हो कि विद्युत विभाग के महाप्रबंधक को आजसू द्वारा पहले भी सूचित किया गया था कि बुंडू के विद्युत आपूर्ति को ग्रामीण क्षेत्र से हटाकर शहरी क्षेत्र में किया जाए। तब महाप्रबंधक ने आश्वासन दिया था कि यथाशीघ्र बुंडू विद्युत आपूर्ति को शहरी क्षेत्र में किया जाएगा, लेकिन आज तक इसे ग्रामीण क्षेत्र में ही रखा गया है। आजसू के उपाध्यक्ष राज किशोर कुशवाहा ने मंगलवार को विद्युत विभाग के महाप्रबंधक से बात की। उन्होंने कहा कि हमें ज्ञात नहीं था की बुंडू नगर में विद्युत आपूर्ति लचर है। मैं इन पर तुरंत ध्यान देकर जल्द ही बुंडू नगर की विद्युत आपूर्ति में सुधार करूंगा। उसके बाद से ही बुंडू नगर में विद्युत आपूर्ति में सुधार है। इसके लिए राज किशोर कुशवाहा ने विद्युत विभाग के महाप्रबंधक को धन्यवाद दिया।

नवकुंज महायज्ञ के तीसरे दिन उमड़ी भक्तों की भीड़

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। वृंदावन नवकुंज धाम तेंतला में नव कुंज महायज्ञ के तीसरे दिन मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। सुबह से ही क्षेत्र के महिलाएं आरती करने पहुंची थी। प्रातः आरती में योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज के शिष्य पूज्य स्वामी दिव्य देव जी महाराज अपनी माता जी के साथ सुबह नौ बजे पहुंचे एवं पूजन आरती आदि दर्शन किया। उनके साथ भारत स्वाभिमान पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी रामजीवन एवं पतंजलि जिला प्रभारी जनमेंजय, मनकी उमाकांत, सिल्ली के पूर्व विधायक अमित महतो, सुधीर गोप आदि भी पहुंचे थे। सभी आगंतुकों का करम कोइरी, नरेश कुमार, प्रवीण कुमार, भोलानाथ गोस्वामी , चित्तरंजन महतो, योगेश्वर आदि ने स्वागत किया।

26 मार्च को मुन्ना पतरा में लगेगा सरहुल मेला अखाड़ाधारियों को किया जायेगा पुरस्कृत

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। आदिवासी सरना पड़हा समाज मुन्ना पतरा की बैठक चकला सचिवालय में की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो प्रेम नाथ मुंडा ने किया। बैठक में सरहूल पर्व को पारंपरिक तरीका से मनाने का निर्णय लिया गया ।26 मार्च को मुन्ना पतरा में लगने वाले मेला को लेकर विशेष चर्चा किया गया। 23 मार्च को प्रखंड के सभी गांवों में रूसा मनाया जायेगा एवं 24मार्च को सभी सरना स्थल मैं पहान के द्वारा पूजा किया जायेगा। 26 मार्च को भगवान बिरसा मुंडा जैविक उद्यान चकला मुन्ना पतरा में आयोजित सरहुल मेला में प्रखंड के सभी अखाडाधारियों से आह्वान किया गया कि मेला परिसर में पारंपरिक वेश भूषा एवं पारंपरिक वाध्य यंत्र के साथ अवश्य आयें। सरहुल पूजा महोत्सव में ढोल नगाड़े के साथ नाच गान करेंगे डीजे बजा बजा कर नाचने गाने पर सख्त पाबंदी लगाया गया है। बैठक में मुख्य रूप से शामिल झारखंड प्रदेश आदिवासी सरना पड़हा समाज मुख्य संरक्षक रमेश उरांव संरक्षक बालक पहान, महासचिव नीलमोहन पहान, मुख्य पहान पुजारी दिल रंजन पहान, कैलाश पहान बलराम बेदिया, बिजेंदर मुंडा अशोक पहान दीपक बड़ाइक शिवनाथ मुंडा, चांद मुंडा, शंकर उरांव, कैलाश बेदिया, लालमोहन बेदिया, मनोज मुंडा दिल दयाल मुंडा भुनेश्वर पहान, विष्णु मुंडा आदि उपस्थित थे। साथ ही सहयोग करने वालों से विशेष रूप से अपील किया गया है कि सरना पड़हा समाज के नाम पर अवैध तरीके से सहयोग राशि वसूलने वालों से सावसावधान रहें।

बाल संरक्षण सह जागरूकता अभियान चलाया

इटकी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सभागार में मंगलवार को प्रखंड स्तरीय बाल विवाह, बाल तस्करी और बाल संरक्षण पर एक दिवसीय जागरूक्ता सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजन किया गया। मौके पर कार्यक्रम को संवोधित करते बीडीओ गौतम प्रसाद साहू ने कहा कि बच्चे समाज के भविष्य है। इनके समुचित विकास के साथ-साथ इन्हें अपराध से मुक्त रखना हमारी साझी जिम्मेवारी है। सीएसएस सचिव सह निदेशक डॉ. सचि कुमारी ने कहा कि जेजे एक्ट 2015 के तहत बनाए गए बाल संरक्षण एवं न्याय प्रणाली को मजबूत करने की जरूरत है। जो पंचायत स्तर के सेवा प्रदाताओं की भूमिका से ही सफल हो सकेगा। बाल संरक्षण विशेषज्ञ डॉ. स्मिता गुप्ता ने बाल विवाह, बाल तस्करी, बाल मजदूरी जेजे एक्ट के कानूनी पहलू और समाधान के विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए बच्चों को मोबाइल, नशापान जैसे कुरितियों से दुर रखने की बात कही साथ ही बदलते परिवेश में बच्चों की देख- रेख की कौशल को महत्व देने का जरूरत बताया। कार्यक्रम में पंचायत जन प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। इसके पूर्व बीडीओ और छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ द्वारा सयुक्त रूप से द्वीप प्रजलित कर कार्यक्रम उदघाटन किया। कार्यक्रम प्रमुख किरण उरांव, उपप्रमुख परवेज राजा, मुखिया राजन किस्पोट्टा, रमेश महली, शिक्षक, आगनवाड़ी सेविकायें, सहिया जन प्रतिनिधि, अधिकारी सहित दर्जणों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

इटकी में मैट्रिक की परीक्षा शुरू

इटकी (आजाद सिपाही)। झारखंड बोर्ड द्वारा द्वारा आयोजित मैट्रिक की परीक्षा में प्रथम दिन मंगलवार को दो केंद्रों में 104 परीक्षार्थी शामिल हुए. ।दो परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम दिन आइआइटी, आरइटी एवं टीएचओ विषय की परीक्षा हुई। जानकारी के अनुसार प्रखंड के 1180 विद्यार्थियों के लिये चार केंद्र बनाये गये हैं।

रातू के तिलता में 110 पेटी अवैध विदेशी शराब जब्त

रातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के तिलता स्थित एक गोदाम में छापेमारी कर पुलिस ने 110 पेटी अवैध विदेशी शराब जब्त की है। घटना सोमवार शाम की बतायी जा रही है। जानकारी के मुताबिक के मुताबिक एसएसपी के निर्देश पर उत्पाद विभाग,जिला पुलिस, क्यूआरटी एवं रातू पुलिस ने संयुक्त कारवाई करते हुये तिलता स्थित एक गोदाम में छापेमारी की । इस दौरान पुलिस ने 110 पेट अवैध विदेशी शराब बरामद करने में सफलता पाई। शराब को जब्त कर लिया गया है। वही मामले में किसी की गिरफ्तारी की सूचना नही है। पुलिस मकान मालिक व गोदाम संचालक की तलाश कर रही है।

चतरा जंगल में बेखौफ होकर काटे जा रहे हैं पेड़

अनगड़ा (आजाद सिपाही। प्रखंड के चतरा पंचायत अंतर्गत चतरा जंगल मे इन दिनों अंधाधुंध पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है। हर रोज सुबह और शाम दर्जनों की संख्या मे लोग जंगल पहुंचते हैं तथा बेखौफ होकर लकड़ी काट रहे हैं। बताया जाता है कि जंगल काटे जाने का विरोध करने वालों पर महिलाएं व पुरूष एकजुट होकर टुट पड़ते हैं तथा मारपीट भी करते हैं। कुछ पर्यावरण प्रेमी ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध मे वन विभाग को कई बार सूचित किया गया पर आजतक कोई कारवाई नहीं हुई। उनका यह भी कहना है कि इस पर अविलंब रोक नहीं लगा तो वह दिन दूर नहीं जब इस क्षेत्र से जंगल समाप्त हो जायेगा।

बीएससी एग्रीकल्चर के छात्रों ने इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग की प्रेजेंटेशन रिपोर्ट प्रस्तुत की

नामकुम (आजाद सिपाही)। वाइबीएन विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छात्रों को ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केंद्र प्लांडू रांची में भेजा गया था। ट्रेनिंग 6 फरवरी से 17 फरवरी तक चला। जिसमें बीएससी एग्रीकल्चर के 11 छात्रों ने भाग लिया। जिसका इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग का प्रेजेंटेशन रिपोर्ट मंगलवार को छात्रों ने प्रस्तुत किया। मौके पर ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव के बारे में बताते हुये डीन डॉ अर्पणा शर्मा ने कहा कि इस चार साल के एग्रीकल्चरल साइंस के कोर्स में हम एग्रीकल्चर के विभिन्न विषयों का अध्ययन वैज्ञानिक पद्धति से क्रमबद्ध रूप से करते है। जिसमे सेमेस्टर प्रणाली (छह माह का एक सेमेस्टर) की भूमिका होती है। उस दौरान समस्त एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी के सभी विषयों पर गहन अध्ययन, प्रायोगिक और सैद्धांतिक रूप से होता है। अध्ययन का अंतिम वर्ष प्रायोगिक रूप से महत्वपूर्ण वर्ष है। इसमें कृषि, किसान, समाज, गांव और खेत खलिहान से जुड़ी सामाजिक और व्यवहारिक जानकारियों से विद्यार्थियों को रूबरू होना पड़ता है। कहा कि ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम अंतिम वर्ष की एक प्रमुख गतिविधि है। कृषि स्नातकों के पेशेवर कौशल का सम्मान करके उनमें आत्मविश्वास पैदा करना एवं आईसीएआर द्वारा स्नातक स्तर पर रावे को शुरू करने का प्रमुख उद्देश्य है। छात्रों ने अपने प्रेजेंटेशन रिपोर्ट में बताया कि पूरे कार्यक्रम को आठ मॉड्यूल में विभाजित किया गया था। इसके अलावा छात्रों को कृषि और ग्रामीण विकास में वर्तमान और उभरते अवसरों और चुनौतियों से अवगत कराया जाता है। ग्रामीण प्रवास के दौरान छात्र एक पखवाड़े के लिये ग्रामीण परिवारों के साथ रहते है। जो किसानों को फिर से खोजने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करता है। मौके पर वाईबीएन विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर सह चेयरमैन रामजी यादव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी इंजीनियर दीपक कुमार, कुलपति प्रोफेसर डॉ.एसपी यादव, कुलसचिव प्रोफेसर डॉ श्रीरमन दुबे ने छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की।

जिला ग्राम प्रधान संघ ने प्रखंड मुख्यालय में की बैठक

मनरेगा सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन में ग्राम प्रधानों को भागीदारी देने पर चर्चा की

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। जिला ग्राम प्रधान संघ के तत्वावधान में मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय सभागार मे एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। संघ के जिलाध्यक्ष उमेश बड़ाइक की अध्यक्षता मे हुई इस बैठक मे बीडीओ उतम प्रसाद, सीआइ रमेश रविदास सहित प्रखंड सह अंचल कार्यालय के तमाम पदाधिकारी एवं कर्मियों ने भाग लिया। बैठक में मनरेगा सहित अन्य योजनाओं के क्रियांवयन में ग्राम प्रधानों को भागीदारी दिये जाने पर चर्चा की गई साथ हीं ग्रामसभा की अनुमति के वगैर जमीन के क्रय-बिक्रय पर रोक लगाये जाने की मांग की गई। मौके पर जिलाध्यक्ष उमेश बड़ाइक ने अधिकारियों को बताया कि विभिन्न पंचायत क्षेत्रों मे फर्जी वंशावली और गलत दस्तावेज के आधार पर धड़ल्ले के साथ जमीन की अवैध खरीद-ब्रिकी का कारोबार कथित भू माफियाओं द्वारा किया जा रहा है। वहीं सीएनटी एक्ट का उलंघन कर आदिवासी भुमि को जेनरल बनाकर रैयतों की सैकड़ो एकड़ भूमि को बेच दी गई। ऐसे कई मामले हैं जिसमें रैयतों को गुमराह कर उनकी जमीन बेच दी गई है।

बैठक में इनकी रही मौजूदगी

बैठक में नामकुम के जिप सदस्य विपीन टोप्पो, ग्रामप्रधान लोकनाथ पहान, सोमरा उरांव, किष्टो कुजूर, बालेश्वर बेदिया, जगन्नाथ शाही, विषम शाही मुंडा, महाबीर मुंडा, जगमोहन बेदिया, भीमसिंह मुंडा, देवराज पहान, रमेश मुंडा, धर्मनाथ बेदिया, जगमोहन बेदिया, रामनाथ करमाली, राजू मुंडा, बाबुलाल बड़ाइक आदि मौजूद थे।

इसके अलावा मनरेगा सहित अन्य योजनाओं के क्रियांवयन में ग्रामसभा को भागीदारी देने, ग्राम प्रधान का मानदेय दो हजार रूपया करने के साथ नियमित मानदेय का भुगतान सुनिश्चित करने, ग्रामप्रधानों को पहचान पत्र निर्गत करने, पेशा कानून को प्रमुखता से लागु करने, उपायुक्त के दिशा-निदेशों का अनुपालन करने, भु संबंधी ऑनलाईन त्रुटि सुधार के नाम पर रैयतों को परेशान करना बंद करने आदि मांग की गई। मौके पर बीडीओ उतम प्रसाद ने कहा कि ग्रामप्रधानों की समस्याओं के सामाधान की दिशा मे कारवाई की जायेगी तथा इससे उपायुक्त महोदय को भी अवगत कराया जायेगा।

विद्यार्थियों को बीआइएस का प्रशिक्षण मिला

नामकुम (आजाद सिपाही)। विश्व उपभोक्ता दिवस के मौके पर भारतीय मानक ब्यूरो उपभोक्ता मामले (बीआइएस) खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से कैंब्रिज इंस्टीट्यूट के इंजीनियरिंग व पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों के लिये एक दिवसीय ओरिएंटेशन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि एवं रिसोर्स पर्सन विभाग के संयुक्त निदेशक (जमशेदपुर शाखा) कौशलेंद्र कुमार व सौरभ राय ने कार्यक्रम को संबोधित कर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने का कार्य किया। इस दौरान विद्यार्थियों को हॉल मार्क, आइएसआइ मार्क, उत्पादों के पंजीकरण के अलावा क्वालिटी कनेक्ट प्रोग्राम के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर सीआईटी के प्रभारी प्राचार्य प्रो अरशद उस्मानी, सीआईपी के प्राचार्य डॉ रोहित शर्मा, डीन डॉ ए भट्टाचार्या, डॉ केपी दत्ता, प्रोग्राम कॉर्डिनेटर प्रो.अब्दुल रज्जाक, प्रो.विनोद कुमार, प्रो. दिव्यांस आयन के आलावा कैंब्रिज ग्रुप के एडवाइजर डॉ एमएन बंदोंपाध्याय मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आजसू पार्टी ने चलाया जनसंपर्क अभियान

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। अंचल कार्यालय मे व्याप्त भ्रष्टाचार सहित अन्य मुद्धों को लेकर आगामी 21 मार्च को आजसू पार्टी द्वारा प्रखण्ड मुख्यालय के समक्ष एक दिवसीय महाधरना कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस धरना कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मंगलवार को आजसू कार्यकताओं ने चतरा पंचायत के महली टोला, बोंगईबेड़ा के गंगाघाट, जाहेरा, पैका पंचायत के जरगा आदि इलाकों मे सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। इस अवसर पर विभिन्न जगहों पर बैठक का भी आयोजन किया गया। बैठक मे खिजरी विधानसभा के पूर्व आजसू प्रत्याशी पारसनाथ उरांव एवं प्रखण्ड अध्यक्ष जगरनाथ महतो विशेष रूप से उपस्थित होकर लोगों को इस महाधरना कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की।

इस अभियान मे किशुन महतो, संजय महतो, जयंत महतो, प्रदीप महतो, लखीराम महतो, धनेश्वर हजाम, विष्णु महतो, ककडु हजाम, किरण कच्छप, एमलेन खेस, निशु देवी, एतवारी देवी, सोमारी देवी, लक्ष्मी देवी, अघनी देवी समेत अन्य उपस्थित थे।

लोवाडीह चौक पर लगा महावीर झंडा, भक्तों ने की पूजा

नामकुम (आजाद सिपाही)। चैत्र मास की नवमी तिथि को रामनवमी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व हिंदू धर्म के लिये काफी खास है। क्योंकि राम नवमी के दिन ही भगवान श्री राम ने अयोध्या में राजा दशरथ के घर पर जन्म लिया था। इस बार यह पर्व 30 मार्च को मनाया जा रहा है। इसी क्रम में नटराज युवक संघ महावीर मंडल लोवाडीह के तत्वाधान में मंगलवार को लोवाडीह चौक पर विधि विधान से पूजा अर्चना कर महावीर झंडा लगाया गया। मौके पर प्रदीप साहू ने कहा कि रामनवमी का पर्व आपसी भाईचारा का पर्व है। हमें आपस में मिलजुलक कर सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाना चाहिये। मौके पर गोपाल लोहिया, वनमाली मंडल, धमेंद्र सिंह, प्रदीप साहू, शंकर राम कुमार, लीलू साहू, विक्रम साहू, पप्पू सिंह, बलम साहू, उमेश साहू, अमित कुमार, संतोष साहू, जुगनू साहू, मोतीराम महतो के साथ महावीर मंडल लोवाडीह के सदस्य मौजूद थे।

राधा-कृष्ण की पूजा और नवमी डोल मेला कल

नामकुम (आजाद सिपाही)। टाटीसिलवे के सिल्वे पंचायत स्थित डोल बगीचा में हर वर्ष होली के बाद नवमी तिथि को एतिहासिक डोल मेले का आयोजन होता है। मंगलवार को आजाद सिपाही से बात करते हुये सिल्वे पंचायत के पूर्व मुखिया धनंजय साही ने बताया कि नवमी के दिन टाटीसिलवे के मानकी परिवार भगवान राधा कृष्ण की पूजा करते है। बताया कि गुरुवार रात के 11 बजे भगवान राधा-कृष्ण की मूर्ती को पालकी में झांकी निकाल कर मेला स्थल के मंदिर में ले जाकर रात भर पूजा अर्चना की जायेगी। बताया कि नवमी को शाम 5 बजे से ही मेले में लोगों की भीड़ उमड़ना शुरू हो जाती है। सभी रात भर मेले का आनंद लेते है। वहीं, शुक्रवार की शाम मेले से राधा-कृष्ण की मूर्ती को फिर ले जाकर मंदिर में स्थापित करेंगे। मेले में तरह-तरह के झूले, मौत का कुआं, ब्रेक डांस, बच्चों के लिये कठपुतली डांस, तरह-तरह की मिठाइयां आदि आकर्षक होता है।

पांच दिनी हनुमत प्राण प्रतिष्ठा और देवी मंडप प्रतिष्ठा महायज्ञ समारोह संपन्न

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के जरिया पुरानाडीह में पांच दिवसीय हनुमत प्राण प्रतिष्ठा एवं देवी मंडप प्रतिष्ठा महायज्ञ मंगलवार को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हो गया। पुजारी जितेंद्र पाठक एवं प्राण वल्लभ भक्त की अगुवाई में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के तहत पांच दिवसीय महोत्सव के दौरान यजमान भोला साहू एवं गंदुर गोप सपत्नी आदि ने हनुमत प्राण प्रतिष्ठा एवं देवी मंडप प्रतिष्ठा महायज्ञ का रस्म पूरा किया। मंगलवार को महायज्ञ के दौरान देवी देवताओं की पूजा अर्चना,हवन, पूर्णाहुति, नौ कुंवारी कन्याओं का पूजन और आरती किया गया। इस दौरान देवी देवताओं के जयकारों से मंदिर का परिसर गूंजित रहा। साथ ही शाम को 12 घंटे का अखंड हरि कीर्तन के आयोजन में विभिन्न कीर्तन मंडली की टीम ने भाग लिया। वहीं भंडारे के दौरान श्रद्धालुओं के बीच भोग व प्रसाद का वितरण किया गया। इधर पांच दिनों तक चले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला, पुरूष युवक, युवतियां एवं बच्चों द्वारा नित्य देवी देवताओं का पूजन और आराधना के साथ साथ यज्ञ स्थल का परिक्रमा किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से हवन में आहूतियां डाली गईं। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीणों में राजीव रंजन अधिकारी, ब्रजेश महतो, मनु बड़ाइक, मनोज साहू, सुभाष गोप, ओमप्रकाश गोप, प्रेम कुमार, लक्ष्मण महतो, सुरेश महतो, हिमांशु महतो, कपिल कुमार महतो, पंकज बड़ाइक, राजेश बड़ाइक एवं शंकर समेत सभी ग्रामवासियों ने सराहनीय योगदान दिया।

मुआवजा नहीं मिलने से रैयतों ने सड़क निर्माण कार्य रोका

बेड़ो (आजाद सिपाही)। बेड़ो में बाइपास सड़क निर्माण में रैयतों की जमीन का मुआवजा नौ माह बाद भी भू अर्जन विभाग से नहीं मिलने पर निर्माण कार्य रोक दिया गया। आक्रोशित रैयतदारों ने निर्माण कार्य को अपने जमीन में खड़े होकर निर्माण कार्य बंद करा दिया। इसकी सूचना मिलने पर एनएचआई के शिवमंगल पांडेय डीपीएम आर के शर्मा पहुंचे। उनके काफी समझाने बुझाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं होने दिया गया। रैयतदार मुआवजा मिलने तक काम बंद रहने की बात पर अड़े रहे। कहा कि नौ महीनों से अंचल एवं भू अर्जन विभाग के चक्कर में हजारों रुपये खर्च कर दिए। जबकि रैयतदार का सारा कागजात संबंधित विभाग में जमा करने के नौ माह बीत गये पर कुछ नहीं किया गया। इस कारण मंगलवार को सड़क निर्माण कार्य रोक दिया गया। निर्माण स्थल पर आये एनएचआइ के पदाधिकारियों से कहा हमलोगों की जमीन अधिग्रहित की गई लेकिन मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। मुआवजे के लिए चक्कर काटकर थक गये है। हमें सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। इधर डीपीएम ने कहा कि रैयतों को मुआवजा नहीं मिलने से सड़क का निर्माण कार्य रुका हुआ है। उन्होंने कहा रैयतों के मुआवजे की मांग जायज है। वह उन्हें शीघ्र ही मिलना चाहिए।

मैट्रिक की परीक्षा शांति पूर्ण संपन्न

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। प्रखंड में मंगलवार को दसवीं वर्ग (मैट्रिक) का पहला दिवस का परीक्षा शांति पूर्ण संपन्न हो गयी। अब 18 मार्च को उर्दू के विषय पर परीक्षा होगी। मंगलवार को हुई मैट्रिक परीक्षा में कुल 99 विद्यार्थियों को परीक्षा में परीक्षा में कुल 95 बच्चों ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 3 परीक्षार्थी अनुपस्थिति थे। नगड़ी प्रखंड में कुल तीन 03 सेंटर बनाये गये हैं। जिनमें उच्च विद्यालय नगड़ी, मध्य विद्यालय नगड़ी और आरसी मिशन विद्यालय सपारोम को परीक्षा सेंटर बनाया गया है। आज दो पाली में परीक्षा हुआ प्रथम पाली में खुदरा एवं फुटकर के विषय में और द्वितीय पाली में पर्यटन और आतिथ्य के विषय में विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

प्रथम दिन मैट्रिक की परीक्षा शांति पूर्वक संपन्न

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड में चार केंद्र के माध्यम से मैट्रिक की परीक्षा आज शुरू हुआ। इसमें आज आइटी (वोकेशनल कोर्स) की परीक्षा हुई। इसमें राजकीय मध्य विद्यालय लापुंग में 36 व इंटर महाविद्यालय लापुंग में 65 में 64 परीक्षार्थी भाग लिए। राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जातालोया व प्लस टू उच्च विद्यालय में आईटी के परीक्षार्थी नही थे। परीक्षा शांति पूर्वक संपन्न हुई। राजकीय मध्य विद्यालय लापुंग में कमर जमील अख्तर, केंद्राधीक्षक प्लस टू उच्च विद्यालय लापुंग प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार राय, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जातालोया में केंद्राधीक्षक प्रताप कुमार राय और इंटर महाविद्यालय लापुंग का कमलेश मिश्रा को केंद्राधीक्षक बनाया गया है।

हुसैनाबाद में निर्विघ्न शुरू हुई मैट्रिक-इंटर की परीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। झारखंड अधिविद्द परिषद की ओर से मैट्रिक व इंटर की वार्षिक परीक्षा मंगलवार से शुरू हो गई। हुसैनाबाद के केंद्रों पर मैट्रिक की आईटी व हेल्थ केयर और इंटर की वोकेशनल विषय की परीक्षा ली गयी। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परीक्षा केंद्र पर आइटी के 38 व हेल्थ केयर के 30 परीक्षार्थि शामिल हुए। जबकि इंटर की वोकेशनल परीक्षा में स्तरोन्नत उच्च विद्यालय कामगारपुर, प्लस टू बालिका उच्च विद्यालय एवं बक्शी उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र पर 82 परीक्षार्थी शामिल हुए। वहीं, एक विद्यार्थी अनुपस्थित रहा। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल के साथ ही मजिस्ट्रेट की भी नियुक्ति की गयी है। इसके अलावे उड़नदस्ता के लिए वरीय पदाधिकारी की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है। प्रत्येक केंद्र पर एक केंद्राधीक्षक नियुक्त किए गए हैं। बीइइओ राम नरेश राम ने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर शांतिपूर्ण संचालन में जुटे परीक्षकों व केंद्राधीक्षको को जरूरी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षा शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त हो रही है। उन्होंने अभिभावकों से भी सहयोग की अपील की। इस दौरान केंद्राधीक्षक जितेंद्र बहादुर सिंह, विश्वजीत चौबे, आमोद प्रकाश, संतोष प्रसाद, वीक्षक शंकर राम, अनिल कुमार पासवान, रामप्रवेश राम, ममता कुमारी सिंह, संध्या कुमारी, रविशंकर विभूति, अखलेश यादव, वीरेंद्र कुमार चौधरी, संजय कुमार और अभिषेक कुमार पासवान आदि उपस्थित थे।

गर्ल्स हाई स्कूल में इंटर की परीक्षा में एक अनुपस्थित

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। इंटर की परीक्षा में मंगलवार को हरिहरगंज नप क्षेत्र के बालिका उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र पर वोकेशनल विषय की परीक्षा में 25 परीक्षार्थियों में एक अनुपस्थित रहा। परीक्षा केंद्र के निरीक्षण के दौरान दंडाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि गर्ल हाई स्कूल परीक्षा केंद्र पर विधि व्यवस्था के बीच कदाचार मुक्त और शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संचालित हुई। कहा कि परीक्षा कदाचार मुक्त बनाने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। इस मौके पर सहायक केंद्र अधीक्षक रंजीत कुमार सिंह, वीक्षक पूजा कुमारी, अनूप कुमार, अमित कुमार, एसआई रेणुका टुडू के अलावे पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

17 मार्च की बैठक में सभी पार्षदों को क्षेत्र की समस्याओं के साथ उपस्थित होने की सलाह

पीएचडी पंप हाउस को रखें दुरुस्त लापरवाही बर्दाश्त नहीं : महापौर

आजाद सिपाही संवाददाता

महापौर अरुणा शंकर।

मेदिनीनगर। महापौर अरुणा शंकर ने विरासत में मिले निगम क्षेत्र के पेयजल समस्या के तत्काल निदान को लेकर 17 मार्च को निगम कार्यालय में सभी पार्षदों, संबंधित पीएचडी व निगम के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगीं। महापौर ने कहा कि इस वर्ष जल की समस्या विशेष होने की संभावना है जिसके लिए निगम और पीएचडी को पहले से ही तैयार रहना होगा। उन्होंने पार्षदों से बैठक में अपने-अपने वार्ड क्षेत्र की निम्न जानकारी-समस्याओं के साथ आए, ताकि तत्काल उसका समाधान निकाला जा सके। मसलन वार्ड में कितने चांपानल है उसमें कितने चल रहे, कितने खराब है और कितने चलने योग्य नहीं है। वार्ड में कितने जीवित सरकारी कुए हैं जिसे सफाई कर पीने योग्य बनाया जा सकता है। वर्तमान में पानी का वैकल्पिक व्यवस्था और क्या-क्या किया जा सकता। वार्ड में प्रमुख लोगों की राय से पांच पॉइंट निर्धारित करें जहां टैंकर से पानी सुबह और शाम दिया जा सके। महापौर ने पार्षदों से वार्ड के पांच गणमान्य लोगों का भी नाम और मोबाइल नंबर बैठक में उपलब्ध कराने को कहा है जो अपने वार्ड में पार्षदों के साथ मिलकर पानी की व्यवस्था में निगम को सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर खुद उन सभी लोगों के साथ वार्ड में जाकर बैठक करेंगी। महापौर ने सभी सामाजिक संस्थानों से विशेष अनुरोध किया है कि इस वर्ष ज्यादा से ज्यादा निगम क्षेत्र में पनशाला खोलें। यह एक पुण्य कार्य है और समाज की जरूरत भी है। महापौर ने कहा कि पनशाला के लिए पानी की चिंता ना करें, निगम अलग से शुद्ध पेयजल का टैंकर चलाएगा और सभी पनसाल्ला जहां पानी उपलब्ध नहीं होगा वहां प्रतिदिन पानी उपलब्ध कराया जाएगा। महापौर ने पीएचडी को भी हिदायत दी कि निगम क्षेत्र अंतर्गत आने वाले अपने सभी पंप हाउस को पीएचडी दुरुस्त रखें। अगर कोई समस्या है तो बैठक में बताएं, ताकि उसका निदान निकाला जा सके। लेकिन लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी।

एनसीपी के वरिष्ठ नेता के निधन पर शोक

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। पिपरा प्रखंड क्षेत्र के खजुरिया गांव निवासी एनसीपी कार्यकर्त्ता रामपति भुइयां (60) का निधन मंगलवार को उनके पैतृक आवास पर हो गया। परिजनों ने बताया कि मृतक रामपति भुइयां शुगर की बीमारी से ग्रसित थे। इसी बीमारी ने उनकी जान ले ली। घटना की जानकारी मिलने पर हरिहरगंज-हुसैनाबाद के विधायक सह पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह ने पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता रामपति भूईयां के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त किया। कहा कि रामपति भूईया के निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। इस दुख की घड़ी में हुसैनाबाद विधानसभा एनसीपी परिवार उनके परिजनों के साथ खड़ी है। अचानक निधन से वे मर्माहत है। शोक संवेदना प्रकट करने वालों में एनसीपी के प्रदेश सचिव विनय कुमार सिंह उर्फ बीनू सिंह, युवा नेता सूर्या सोनल सिंह, हुसैनाबाद विधायक प्रतिनिधि अजीत कुमार सिंह, पिपरा प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह, हरिहरगंज विधायक प्रतिनिधि सरोज कुशवाहा, पिपरा प्रखंड अध्यक्ष जनेश्वर भुइयां, महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष लालती देवी, कमलेश प्रजापति, हरि भूईया, कान्हा सिंह, सूबेदार भूईया, रंजन भुईयां, उपेंद्र भुईयां, विमल भुईयां, सत्येंद्र भुईयां, पिंटू भुईयां, कृष्णा भुइया, शंभू भुइया, उदेश भुइयां आदि का नाम शामिल है। उसका दाह संस्कार पैतृक स्थित श्मशान घाट पर किया गया।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा।

आवश्यक सूचना।
(नोटिस)

नाम–1. विजय कुमार जयसवाल उर्फ बिजु जयसवाल, पिता–स्व0जगदीश जयसवाल, सा0–पुरानी हटरी, थाना+जिला–रायगढ, (छ0ग0) आपको सूचित किया जाता है कि आप नगरउंटारी थाना कांड सं0–122/2018 दिनांक–16.07.2018 धारा–420/406/385/387/511/323/504/506/भा0द0वि0 के प्राथमिकी अभियुक्त है, और उक्त कांड में अबतक फिरार है। माननीय न्यायालय श्री अरविन्द कच्छप, अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, अनुमण्डलीय न्यायालय, नगरउंटारी, गढ़वा के द्वारा आपके के विरुद्ध इश्तेहार निर्गत किया गया है, किन्तु आप अपने स्थायी पता से भी फिरार हैं। आपको सूचित किया जाता है कि माननीय न्यायालय द्वारा निर्धारित अवधि के अंदर अविलंब आत्मसमर्पण करें।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा।

PR 292488 (Police) 22-23 (D)

डीजे बजा रहे लोगों पर डीसी ने की कार्रवाई, छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज, पिकअप-साउंड सिस्टम जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। डीसी सह जिला दंडाधिकारी आंजनेयुलु दोड्डे ने सोमवार की देर रात शहर थाना क्षेत्र में सोमवार की रात में बज रहे डीजे का निरीक्षण करने पंहुचे। इस दौरान उन्होंने सदीक चौक और रेडमा दो नंबर टाउन के समीप देर रात डीजे बजा रहे साउंड संचालकों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस संबंध में शहर थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में छह लोगों के विरुद्ध शहर थाना कांड संख्या 108/2023 में ध्वनि प्रदूषण अधिनियम अंतर्गत धारा 290, 291 भादवि के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया है। जिसमें दो वाहन मालिक, दो वाहन चालक और दो साउंड मालिक शामिल हैं। वहीं, मौके से पुलिस ने दो पिकउप वैन, दो साउंड सिस्टम, दो जनरेटर, लाइट सहित कई चीजें जब्त कर ली है। बतातें चलें कि डीसी ने रात 10 बजे के बाद सभी तरह के कार्यक्रमों में डीजे बजाने पर पूर्ण रोक निर्देश दिया है।

भाजपा नेता ने किया मोबाइल शॉप का उद्घाटन

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। जपला-छतरपुर रोड में एलआईसी कार्यालय के समीप सोनी मोबाइल गैलरी नामक शॉप का उद्घाटन भाजपा नेता कामेश्वर कुशवाहा और अजय गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि आज की जरूरत के लिहाज से इस शॉप का खोला जाना लोगों और प्रोप्राइटर के लिए लाभदायक होगा। उन्होंने इस प्रतिष्ठान के प्रोप्राइटर से सबक लेते हुए अन्य युवाओं को भी व्यावसाय के क्षेत्र में उतरने की सलाह दी। वहीं, प्रतिष्ठान के प्रोप्राइटर राहुल कुमार और श्रवण मेहता ने बताया कि यहां सभी प्रकार के मोबाइल फोन और इससे जुड़े अन्य सामाग्रियों की बिक्री शुरू हो गई है।

कार्यालय : धनवार नगर पंचायत, धनवार
ई0मेल- nagar.dhanwar@gmail.com / दूरभाष : 06554 299921

आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सभी विज्ञापन ऐजेंसी/व्यावसायिक प्रतिश्ठानों/विज्ञापन कर्त्ता आदि को सूचित किया जाता है कि झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम– 2011 की धारा 171 उपधारा (1) में प्रावधान है कि नगरपालिका के क्षेत्र के भीतर बिना अनुमति के कोई विज्ञापन किसी जमीन, भवन, दिवाल, फ्रेम, छतरी, गाड़ी आदि के ऊपर या पर न लगायेगा, न प्रदर्शित करेगा।

क्षेत्र भ्रमण में पाया गया कि विभिन्न कंपनियों/व्यावसायिक प्रतिश्ठानों के द्वारा धनवार नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत विज्ञापन बिना अनुमति के लगा दी गई है, उनसे अनुरोध है कि धनवार नगर पंचायत कार्यालय से तीन दिनों के अंदर निर्धारित शुल्क का भुगतान कर अनुमति लेने के पश्चात् ही विज्ञापन लगाए, अन्यथा बिना अनुमति के लगाए गए विज्ञापन पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध नगरपालिका अधिनियम– 2011 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए दण्ड शुल्क वसूली की जाएगी।

नोट : धनवार नगर पंचायत के सूचना पट्ट पर निम्न प्रकार का दर निर्धारित से संबंधित विवरणी उपलब्ध है।

ह0/–
उत्कर्श कुमार, (भा0 प्र0 से0),
कार्यपालक पदाधिकारी,
धनवार नगर पंचायत

PR292577 (Rural Development)22-23*D

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पीपरा में लगा स्वास्थ्य कैंप

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर पीपरा प्रखंड के पीपरा पंचायत सचिवालय में मंगलवार को हिलिंग फिल्डस फाउंडेशन ने स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर के माध्यम से महिंलाओं द्वारा स्वास्थ्य संबंधित सेवा एवं देखभाल पहुंच को लोगों तक पहुंचाने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया गया। क्षेत्र से पहुंची 50 महिंलाओं को बीपी, ऑक्सीजन लेवल तथा बुखार जांच कर उन्हें दवा दी गई। वहीं गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीजों को संस्था के बड़े डॉक्टरों से सलाह लेने की बात कही गई। इस मौके पर संस्था के प्रखंड प्रशिक्षक प्रितम कुमार सिन्हा, फिल्ड कॉऑर्डिनेटर रूबी कुमारी, ममता देवी, एएनएम सीएचओ सरस्वती कुमारी, स्वास्थ्य सामुदायिक प्रदाता (सीएचई) आरती देवी, इंदु देवी आदि थीं।

जनता दरबार में पहुंची महिला की डीसी से अपील मुझे पति और ससुरालवालों के उत्पीड़न से बचाइये

- जनता दरबार में पहुंचे लोगों की डीसी ने सुनी फरियाद
- संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला दंडाधिकारी सह डीसी आंजनेयुलू दोड्डे ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में जनता दरबार आयोजित किया। जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्रामीणों ने उन्हें अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान की अपील की। वहीं, समस्याओं का अवलोकन करते हुए डीसी ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय सीमा में उसका निष्पादन करने का निर्देश दिया।

डीसी आंजनेयुलू दोड्डे की फाइल फोटो।

जनता दरबार में हुसैनाबाद से आयी सुनैना कुमारी ने डीसी को बताया कि उसके ससुराल वाले एक गाड़ी और दहेज की मांग करते हैं। नहीं दे पाने पर उनके साथ पति और ससुराल वाले मारपीट करते है। उसे प्रताड़ित किया जाता है। इसी तरह पाटन से आए चंद्रदेव यादव ने डीसी को बताया कि उन्हें कैंसर हो गया है। पैसे के अभाव में इलाज कराने में असमर्थ है। उन्हें कुछ आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है। वहीं डाल्टनगंज के डीएवी इंजीनियरिंग कॉलेज से आए छात्रों ने डीसी से कहा कि उनके प्रिंसिपल द्वारा छात्रवृत्ति का पूरा पैसा मांगा जा रहा हैं। नहीं देने पर कॉलेज से निकालने की धमकी दी जा रही है। इसी तरह चैनपुर से आये रविशंकर सिंह ने डीसी को बताया कि वह बेरोजगार है। इसलिए मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत ऋण लेकर व्यवसाय करना चाहते हैं, ताकि अपना और अपने परिवार का जीवन यापन कर सके। अतः उन्होंने अपने आवेदन के माध्यम से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लाभान्वित करने की स्वीकृति देने का अनुरोध किया। दूसरी ओर, चैनपुर की ही पूनम देवी ने अपनी बच्ची का नामांकन कस्तूरबा विद्यालय चैनपुर में कराने की डीसी से अपील की। इसी तरह लेस्लीगंज से आयी मनी देवी ने बताया कि वह बेहद गरीब परिवार से आती है। मजदूरी करके किसी तरह अपना गुजर बसर करती है। उसके पति भी हमेशा बीमार रहते है और रहने के लिए घर भी नहीं है। उसने डीसी से अनुरोध किया कि उन्हें बाबासाहेब अंबेडकर आवास योजना से लाभावित किया जाए। इस दौरान जनता दरबार में जमीन, प्रधानमंत्री आवास व जमीन दाखिल-खारिज, जमीन हड़पने, पेंशन, राशन, फीस माफी आदि से सबंधित आवेदन आये जिसे डीसी ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर निर्धारित समय सीमा के अंदर निष्पादित करने का निर्देश दिया।

ए. के. सिंह कॉलेज
जपला, पलामू (झारखंड)- 822116
नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय से संबद्ध इकाई
Website- https://akscollege.com, Email-akscollege84@gmail.com

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1. विज्ञापन दाता का नाम :- प्राचार्य, ए. के. सिंह कॉलेज, जपला पलामू।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :- दिनांक 18.03.23, 11 बजे पूर्वाह्न से 20.03.23 अपराह्न 03 बजे तक।
3. निविदा जमा करने की तिथि :- 25.03.23 को 03 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि :- 03.04.23 को 11 बजे पूर्वाह्न में।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :- कम्प्यूटर कक्ष, ए. के. सिंह कॉलेज, जपला।
6. निविदा प्राप्त करने का स्थान :- कम्प्यूटर कक्ष, ए. के. सिंह कॉलेज, जपला।
7. निविदा खोलने का स्थान :- प्राचार्य कक्ष, ए. के. सिंह कॉलेज, जपला।
8. कार्यों का विस्तृत विवरण:-

क्र. सं.	कार्य का नाम	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्यकाल
01	ए. के. सिंह कॉलेज जपला में कैंटीन संचालन हेतु	10,000/-	1000/-	11 माह

नोट : निविदा की विस्तृत शर्त्तें-महाविद्यालय के वेबसाइट https://akscollege.com पर देखा जा सकता है।

विश्वासभाजन
ह./- (सूर्य मणि सिंह)
प्राचार्य
ए.के. सिंह कॉलेज, जपला, पलामू

पत्रांक : P/86/23, दिनांक : 13.03.2023

स्पोर्ट्स

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच आगामी 17 मार्च से तीन वन-डे की सीरीज शुरू होने जा रही है। सीरीज का पहला मुकाबला शुक्रवार को मुंबई में होगा। ऑस्ट्रेलिया की कमान स्टीव स्मिथ ही संभालेंगें।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच आगामी 17 मार्च से शुरू होने जा रही तीन वन-डे की सीरीज

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर कप्तान कमिंस, स्मिथ होंगे कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 17 मार्च से 3 वनडे की सीरीज शुरू होने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस इस सीरीज से बाहर हो चुके हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उनकी जगह उपकप्तान स्टीव स्मिथ टीम को लीड करेंगे। बतातें चलें कि कमिंस मां की तबियत खराब होने के कारण दिल्ली टेस्ट के बाद स्वदेश लौट गए थे। 10 मार्च को उनका निधन हो गया। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और ऑलराउंडर एश्टन एगर भी बीच दौरे में स्वदेश लौटे थे। वनडे सीरीज के लिए दोनों ही वापस भारत आएंगे।

वनडे सीरीज के लिए दोनों टीमें इस प्रकार

ऑस्ट्रेलिया टीम : स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स केरी, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जंपा।

भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल, इशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमरान मलिक, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल और जयदेव उनादकट।

10 मार्च को हुआ कमिंस की मां का निधन

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस भारत के खिलाफ दिल्ली टेस्ट के बाद मां की तबियत बिगड़ने की वजह से ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे। कमिंस की मां मारिया लंबे समय से बीमार थीं। उन्हें ब्रेस्ट कैंसर था। इसके बाद 10 मार्च यानी शुक्रवार को कमिंस की मां का निधन हो गया। इस वजह से कमिंस ने वनडे सीरीज से बाहर रहने का फैसला किया।

भारत के खिलाफ 3 वनडे खेलेगा ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया से भारत ने टेस्ट सीरीज जीत ली है। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला मुकाबला शुक्रवार को मुंबई में होगा।

मैक्सवेल और मार्श की वापसी

वनडे में ऑस्ट्रेलियाई टीम में ग्लेन मैक्सवेल और मिचेल मार्श की लंबे समय बाद वापसी हुई है। मैक्सवेल नवंबर में टी-20 वर्ल्ड कप के बाद चोटिल हो गए थे। वे एक बर्थडे पार्टी में फिसल गए थे, जिस कारण उनके पैर में चोट आई। वहीं, मार्श बाएं टखने की चोट के कारण काफी समय तक टीम से बाहर रहे थे। मैक्सवेल डोमेस्टिक क्रिकेट में वापसी कर चुके हैं। हालांकि, वापसी के बाद पहले ही मैच में उन्हें उंगली में चोट आई थी। लेकिन अब वह चोट से उभर चुके हैं और भारत के खिलाफ खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं।

रिचर्डसन की जगह एलिस शामिल

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जाय रिचर्डसन स्क्वॉड में शामिल थे, लेकिन चोट की वजह से वे भी बाहर हो गए। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने कुछ दिन पहले इसकी जानकारी दी थी। उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट आई है। 26 साल के रिचर्डसन की जगह टीम में मीडियम फास्ट बॉलर नाथन एलिस को शामिल किया गया है।

न्यायालय अनुमंडल दण्डाधिकारी, गिरिडीह सदर
दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा–144 के अन्तर्गत निशेधाज्ञा आदेश

वाद सं0–131/न्या0 2023

झारखण्ड अधिविद्य परिशद्, राँची द्वारा आयोजित वार्शिक माध्यमिक एवं इन्टरमीडिएट परीक्षा–2023 दिनांक 14.03.2023 से 03.04.2023 तक विभिन्न तिथियों में गिरिडीह अनुमण्डल क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न केन्द्रों में आयोजित की जायेगी। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश एवं झारखण्ड परीक्षा संचालन अधिनियम–2001 के आलोक में उपरोक्त दोनों परीक्षाओं को स्वच्छ, शांतिपूर्ण वातावरण में कदाचार रहित परीक्षा संचालन किया जाना आवश्यक है। परीक्षा केन्द्रों के आस–पास विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु निम्नालिखित परीक्षा केन्द्रों के 500 गज की परिधि में दं0प्र0सं0 की धारा 144 के अन्तर्गत निशेधाज्ञा लागू करना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः मैं विशालदीप खलखो, अनुमण्डल दण्डाधिकारी, गिरिडीह उपरोक्त कारणों से संतुश्ट होकर दं0प्र0सं0 की धारा 144 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वार्शिक माध्यमिक परीक्षा–2023 एवं इन्टरमीडिएट परीक्षा–2023 गिरिडीह अनुमंडल क्षेत्र अन्तर्गत उपरोक्त परीक्षा केन्द्रों के निकट 500 गज की परिधि में निषेधाज्ञा जारी करता हूँ तथा आदेश देता हूँ कि :–

1. निशेधाज्ञा क्षेत्र के अन्तर्गत उक्त परीक्षा केन्द्रों के आस–पास 500 गज की परिधि वाले क्षेत्र में पाँच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने/लाठी भाला/पारम्परिक अस्त्र–शस्त्र के साथ एकत्रित होने पर रोक लगायी जाती है।
2. परीक्षा से संबंधित कोई भी कागज–पत्र या अन्य सामग्री वितरित करना अथवा उसका प्रचार करने या करवाने पर रोक लगायी जाती है।
3. ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग करने पर पूर्ण रूपेन रोक लगाई जाती है।
4. यह आदेश कार्यावधि के दौरान पुलिस बल, अर्धसैनिक बल द्वारा शस्त्र लेकर चलने पर प्रभावी नहीं होगा।
5. ऐसे अन्य कार्यकलापों में संलग्न होना जिससे परीक्षा के संचालन या उसकी गोपनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो पर रोक लगायी जाती है।

परन्तु झारखण्ड परीक्षा संचालन अधिनियम 2001 की धारा 8(ग) में अन्तार्विष्ट कोई भी बात ऐसे परीक्षा केन्द्र में ली जा रही परीक्षा में शामील होने वाले परीक्षार्थियों के सद्भावी कार्यकलापों के संबंध में लागू नहीं होगी।

यह आदेश आज दिनांक 13.03.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया जो परीक्षा प्रारम्भ की तिथि से परीक्षा समाप्ति की तिथि तक प्रभावी रहेगा।

ह0/–
अनुमंडल दण्डाधिकारी,
गिरिडीह

PR292512 (Giridih)22-23*D

मदनाडीह में बजरंग पनशाला का उद्घाटन

लोयाबाद (आजाद सिपाही)। मदनाडीह स्थित एसबीआई शाखा के समीप मंगलवार को श्री बजरंग पनशाला का उद्गाटन राम रहीम के नाम से मशहुर कांग्रेस नेता असलम मंसुरी व राजकुमार महतो ने किया। यह पनशाला एक समाजिक कार्यकर्ता मंगरु महतो द्वारा खोला गया है। नेताद्वय ने कहा कि गर्मी के मौसम में लोगों की प्यास बुझाना नेकी का काम है। गर्मी में बैंक आने जाने वाले खाताधारकों के साथ इधर से गुजरने वाले राहगीरों को इस पनशाला से काफी राहत मिलेगी। मंगरु ने बताया कि यहां शुद्ध और शीतल पेय जल की व्यवस्था है। इस मौके पर मो असलम मंसूरी, राजकुमार महतो, शिबलू खान, राहुल गौतम आदि मौजूद थे।

उत्पादन लक्ष्य के साथ विस्थापन समस्या व परियोजना विस्तारीकरण को लेकर हुई चर्चा

बाघमारा/कतरास (आजाद सिपाही)। बरोरा क्षेत्रीय सभागार में बरोरा एवं ब्लॉक दो क्षेत्र के महाप्रबंधको एवं उनकी टीम के साथ निदेशक तकनीकी ने मंगलवार को बैठक की। इस दौरान उन्होंने कोयला उत्पादन एवं प्रेषण में गत वर्ष की तुलना में हुए बढ़ोतरी, आने वाले वित्तीय वर्ष में उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने का प्लान एवं निकट भविष्य में सामने आनेवाली बाधायें के ऊपर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से चर्चा की। आगामी मानसून को देखते हुए दोनों क्षेत्रों में किए गये तैयारियों का जायजा लेते हुए पॉज़िटिव ग्रोथ के लिए आवश्यक दिशा निर्देश देने का काम किये। इसके बाद डिटी ने ब्लॉक दो क्षेत्रीय कार्यालय में केशरगगढ़ पुनर्वास योजनाको लेकर ग्रामीणों के साथ वार्ता की। इस दौरान निदेशक तकनीकी उदय अनंत कावले ने कंपनी की ओर से विस्थापन को लेकर दिए जाने वाले लाभ के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी। साथ ही ग्रामीणों को भी अपना पक्ष रखने की बात कहा। निदेशक तकनीकी ने कहा कि ब्लॉक दो परियोजना के विस्तारीकरण में केशरगगढ़ बस्ती को खाली कराना अतिआवश्यक हो गया है। इस पर मौजूद विस्थापित ग्रामीणों ने अपना पक्ष अगली बैठक में रखने की बात कही। वार्ता में प्रबंधन की ओर से ब्लॉक दो जीएम चितरंज कुमार,अपर महाप्रबंधक एसबी कुमार,भु संपदा पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, परियोजना पदाधिकारी केके सिंह, टीएस चौहान और ग्रामीणों की ओर से शशि कुमार महथा, संजय महथा, दिवाकर महथा, प्रदीप महथा, अवधेश महथा, शिव शंकर महथा, शंभु कुमार महथा और विकास महथा शामिल थे।

एक नये सफर की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो स्टील प्लांट से मार्च 2023 में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं और सेवानिवृति के उपरांत जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबंधन की जानकारी देने के उद्देश्य से मंगलवार को मानव संसाधन विकास केंद्र के मुख्य प्रेक्षागृह में एक नए सफर की शुरूआत नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके आरंभ में वरीय प्रबंधक (कार्मिक-सेवाएं) नंदा प्रियदर्शिनी ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। सीनियर डीएमओ (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ साकेत मिश्रा और योग विशेषज्ञ केबी मिश्रा ने इस्पात कर्मियों को स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। वहीं, सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) शैलजा ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी। चीफ मैनेजर मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, दिल्ली, एस सुखडिया एवं प्रबंधक मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, रांची विकाश झा ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी। वरीय प्रबंधक (कार्मिक-सेवाएं) नंदा प्रियदर्शिनी ने अंतिम निपटारा गतिविधियों के बारे में बताया।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

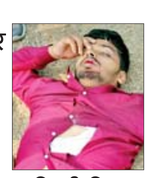

बलियापुर (आजाद सिपाही)। सिंदरी के दिवंगत पत्रकार मिलींद सिंह के बड़े बेटे आयुष सिंह मंगलवार को सड़क दुर्घटना में घायल हो गया। आनन-फानन में उसे एसएनएमएमसीएच धनबाद ले जाया गया। जहां से उपचार के बाद उसे घर ले जाया गया। फिलहाल उसकी स्थिति ठीक बताई जार ही है। जानकारी के मुताबिक आयुष सिंदरी स्थित अपने आवास से बाइक लेकर बलियापुर के पलानी स्थित बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल के लिए निकला था। भिखराजपुर भुंइफोर हीरक रोड के पास ट्रक से टक्कर हो गई। वहीं से गुजर रहे बलियापुर के सीओ ने उसे उठाकर बलियापुर स्वास्थ्य केंद्र लाया।

जमसं के बैनर तले मजदूरों ने किया शताब्दी परियोजना का चक्का जाम

5 घंटे उत्पादन प्रभावित

सकारात्मक आश्वासन के बाद आंदोलन हुआ समाप्त

आजाद सिपाही संवाददाता

शताब्दी परियोजना का चक्का जाम कर प्रदर्शन करते जमसं समर्थित मजदूर।

बाघमारा/कतरास। बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र की मुराईडीह कोलियरी अंतर्गत संचालित माइनप भूमिगत खदान के मजदूरों ने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को जनता मजदूर संघ (कुंती गुट) के बैनर तले मुराईडीह शताब्दी परियोजना सहित बीसीसीएल एरिया वन क्षेत्र का चक्का जाम कर दिया। इस कारण लगभग पांच घंटे तक उत्पादन और डिस्पैच पूरी तरह बाधित रहा। सैकड़ों माइनप के मजदूर मुराईडीह वर्कशाप एवं शताब्दी वर्कशाप पहुंच गए और दोनों वर्कशॉप को बंद कराकर प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। खबर पाकर दोपहर एक बजे महाप्रबंधक पीयूष किशोर ने जमसं के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम से फोन पर बात की। जिसके बाद धरना स्थल पर मुराईडीह के परियोजना पदाधिकारी मजदूरों के बीच पहुंचे। पीओ ने बुधवार को मांगों पर सकारात्मक वार्ता करने का लिखित आश्वासन दिया। इसके बाद मजदूरों ने आंदोलन तत्काल समाप्त कर दिया। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जमसं (असंगठित) बरोरा एवं ब्लाक टू क्षेत्र के सचिव अमरेंद्र कुमार एवं दीपक चौहान ने कहा कि पूर्व में मजदूरों ने बरोरा क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया था। जिसमें प्रबंधन द्वारा आश्वासन दिया गया था कि 10 मार्च को वार्ता में बुलाया जाएगा, लेकिन प्रबंधन अपने वादे से मुकर गयी। प्रबंधन की वादा खिलाफी के विरुद्ध बाध्य होकर आंदोलन पर उतरना पड़ा।

नियोजन की मांग को लेकर जलेश्वर समर्थकों की बैठक

लोयाबाद (आजाद सिपाही)। लोयाबाद ईदगाह के समीप मंगलवार को जलेश्वर समर्थकों ने बैठक कर गोपालीचक में आई नई महालक्ष्मी आउटसोर्सिंग कंपनी से स्थानीय बेरोजगारों को नियोजन देने की मांग की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डब्ल्यू पासवान ने कहा कि आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन को बेरोजगारों को नियोजन देना होगा। कंपनी के चलने से यहां के लोग प्रभावित होंगे। उन्होंने आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन को चेताते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो राम रहीम के नेतृत्व में कंपनी के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा। इस मौके पर कारु गुप्ता, मो आजाद, राजन अहमद, सुजीत चौहान, नागराज पासवान, नीतीश कुमार, सुरज भुइंया, किशोर बाउरी, संतोष पासवान आदि थे।

धनबाद झामुमो की नयी कमेटी की घोषणा, लखी सोरेन अध्यक्ष, मुकेश सिंह बने जिला उपाध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। लंबे इंतेजार के बाद झामुमो जिला की नई कमेटी की घोषणा हो गई। मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर झामुमो के नए जिला अध्यक्ष समेत कमेटी के सभी मनोनीत पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलकर बधाई दी। बतातें चलें कि पुरानी कमेटी को भंग किये जाने के बाद जिला में कोऑर्डिनेशन कमेटी ही सभी कार्यों की देख-रेख कर रही थी। करीब तीन महीने बाद नई कमेटी की घोषणा के बाद कार्यकर्ता में जश्न का माहौल है। नव मनोनीत अध्यक्ष ने कहा कि 2024 में विधानसभा,लोकसभा के चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

वहीं, नव गठित कमेटी में मुकेश सिंह को जिला उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किए जाने पर उन्होंने पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष दिशोम गुरु शिबू सोरेन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय एवं धनबाद के संयोजक मंडली के सदस्य अमितेश सहाय, डॉ निलम मिश्रा आदि का आभार व्यक्त किया। कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ने जिस भरोसे से उन्हें दायित्व दिया हैं उसे पूरा करने का हर संभव प्रयास करेंगें। साथ ही 2024 में धनबाद जिला से अधिक से अधिक विधानसभा सीट पार्टी की झोली में डालने का प्रयास करेंगे। नई कमेटी में लखी सोरेन जिला अध्यक्ष, कालीचरण महतो, लखन प्रमाणिक, मुकेश सिंह, अजय रवानी उपाध्यक्ष, मन्नू आलम सचिव, संगठन सचिव का पद मदन महतो और बोदी लाल हांसदा, कोषाध्यक्ष किशोर मुर्मू बनाये गये हैं। संयुक्त सचिव मनोज महतो, फूलचंद किस्कू,तपन तिवारी और एजाज अहमद मल्लिक है।

महिला फुटपाथ दुकानदारों के लिए कार्यशाला आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। नासवी और धनबाद शहर स्तरीय फुटपाथ दुकानदार विक्रेता संघ के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को विश्व महिला दिवस के अवसर पर एप्पल रेस्टोरेंट बेकारबांध धनबाद सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बचौर मुख्य अतिथि पूर्व महापौर इंदू देवी, आसनी सिंह, धनबाद महिला थाना प्रभारी विशाखा कुमारी और महिला समाजसेवी पुष्पा मेहता, अधिवक्ता जया कुमारी आदि उपस्थित थीं। सभा की अध्यक्षता धनबाद शहर स्तरीय पथ विक्रेता संघ के जिला अध्यक्ष भगवानदास शर्मा और नासवी के सिटी मैनेजर स्नेहम कुमार सिन्हा ने किया। इस मौके पर संगठन के सभी क्षेत्र से महिला दुकानदार से सैकड़ों की तादाद में उपस्थित थी। महिला टीवीसी मेंबर प्रमिला देवी, सुनीता देवी लक्ष्मी देवी भारतीय रानी देवी आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व महापौर ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि दुकानदारों के साथ हमेशा सुख दुख में साथ रहेंगी। वहीं महिला थाना प्रभारी ने अपने स्तर से शहर में फुटपाथ महिला दुकानदारों की प्रशासनिक स्तर से सहायता का आश्वासन दिया। साथ ही कहा कि जो भी मेरे लायक सेवा दुकानदारों के लिए हो दुकानदार बेझिझक उनसें मिलें। उनकी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, नासवी सिटी मैनेजर स्नेहम कुमार सिन्हा ने महिला दुकानदारों के संबोधन में कहा कि आज धनबाद शहर में फुटपाथ महिला दुकानदारों की स्थिति बहुत दयनीय है। दुकानदारों को सरकार की योजनाओं का लाभ सही ढंग से मिलना चाहिए।

सीएसआइआर-सिंफर धनबाद में पूर्वी कमांड भारतीय सेना के अधिकारियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम की शुरुआत

सिंफर विज्ञान और उद्योग को एक साथ लानेवाला प्रतिष्ठित संस्थान : संजय सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

कौशल विकास कार्यक्रम में उपस्थित भारतीय सेना और सिंफर के पदाधिकारीगण।

धनबाद। सीएसआइआर-केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान धनबाद में भारतीय सेना के पूर्वी कमांड के अधिकारियों के लिए सीएसआइआर एकीकृत कौशल पहल के तहत भूमिगत उत्खनन तकनीक विषय पर कौशल विकास कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। 13 से 28 मार्च तक आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम में भारतीय सेना के पूर्वी कमांड के अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों को भूमिगत उत्खनन तकनीकों के बारे में गहन जानकारी दी जाएगी। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह संस्थान के बरवा रोड स्थित सभागार में हुई। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड धनबाद के निदेशक तकनीकी संजय कुमार सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर अरविंद कुमार मिश्रा, मुख्य वैज्ञानिक डॉ जय कृष्ण पांडेय, डॉ सी सौम्लियाना एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आदित्य राणा द्वारा किया गया।

संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर अरविंद मिश्रा ने कहा कि यह संस्थान के लिए गौरव का विषय है कि हमें सेना के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का अवसर मिला है। उन्होंने भारत के वृहद्तम अनुसंधान संस्थानों में से एक सीएसआइआर का जिक्र करते हुए सीएसआइआर-सिंफर के संबंध में अवगत कराया। साल 1946 में स्थापित और सीएसआइआर की 38 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में से एक सिंफर ने हाल ही में अपना प्लैटिनम जयंती मनाया। उन्होंने बताया कि सिंफर के दो परिसर हैं। बरवा रोड परिसर प्रमुख रूप से कोयला एवं धातु खनन, ईंधन, पर्यावरण प्रबंधन, परीक्षण, विश्लेषण एवं सिविल निर्माण के क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास कार्य कर रहा है। संस्थान का डिगवाडीह परिसर कोयला कार्बनीकरण, कोक निर्माण प्रक्रिया, कोयला से मेथेनॉल, कोयला से हाईड्रोजन, कोयला से सिनगैस जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि यह संस्थान 1980 के दशक से ही सुरंग उद्योग को सहायता प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रहा है और इसने औद्योगिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए देश के विभिन्न भागों में परिवहन प्रणालियों और जलविद्युत परियोजनाओं के लिए लगभग 100 सुरंगन परियोजनाओं में परामर्श प्रदान किया है। वर्ष 2018 से सिम्फर रणनीतिक अवसंरचनाओं के निर्माण में गति लाने के लिए बीआरओ को सक्रिय रूप से सेवाएं प्रदान कर रहा है। प्रोफेसर मिश्रा ने बताया कि यह संस्थान बीआरओ के साथ रणनीतिक परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है, जिससे भारतीय सेना सिंफर की विशेषज्ञता से परिचित हुआ। हिमालयी क्षेत्र विश्व के सबसे दुर्गम क्षेत्रों में से एक है। इसलिए यहां सुरंग निर्माण करना बेहद ही कठिन कार्य बन जाता है। जहां तक उत्खनन अभियांत्रिकी और पर्यावरण की बात है, यह कार्य कठिन के साथ-साथ काफी चुनौतीपूर्ण भी हो जाता है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को तैयार किया गया है, जिसमें 15 वैज्ञानिक उत्खनन से संबंधित विविध विषयों पर प्रशिक्षण देंगें। इस दौरान माइन विज़िट और संस्थान के विभिन्न अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का दौरा भी कराया जाएगा। वहीं, मुख्य अतिथि संजय सिंह ने कहा कि यह धनबाद के लिए ही अत्यंत गौरव की बात है कि कोयलांचल में राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित भारतीय सेना जैसे सर्वश्रेष्ठ संगठन के अधिकारीगण प्रशिक्षण के लिए आए हुए हैं। उन्होंने बताया कि सिंफर विज्ञान और उद्योग को एक साथ लाने वाला एक अत्यंत ही प्रतिष्ठित संस्थान है, जो खनन एवं ईंधन क्षेत्र के अलावा सुरंग तैयार करने में अपनी विशेषज्ञता प्रदान करता है। भारतीय सेना पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्रों में कार्य करता है। इको-सिस्टम को प्रभावित किए बिना कैसे ये कार्य किए जाएं सिंफर इसके लिए बेहतरीन सहयोग प्रदान कर सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सुरंग बनाते समय कैसे विस्फोटकों का प्रयोग किया जाए, किन-किन बातों का ध्यान रखा जाए आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की जाएगी। वहीं, डॉ जय कृष्ण पांडेय ने मुख्य अतिथि का संक्षिप्त परिचय, जबकि डॉ आदित्य राणा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण पेश किया। कनिष्ठ सचिवालय सहायक संस्कृति कुमारी ने मंच संचालन किया। इसकी जानकारी साहाना चौधुरी और अनिमा कुमारी महातो ने दी।

पूर्व वार्ड पार्षद सत्येंद्र सिंह को दी गयी श्रद्धांजलि

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। फुसरो नगर परिषद के पूर्व वार्ड पार्षद सत्येंद्र नारायण सिंह के निधन पर नप कार्यालय सभागार में मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें नप अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष छेदी नोनिया आदि ने दिवंगत सत्येंद्र नारायण सिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सभा का संचालन उपाध्यक्ष छेदी नोनिया ने की। नप अध्यक्ष ने कहा कि सत्येंद्र नारायण सिंह एक प्रसिद्ध समाजसेवी थे। फुसरो नगर परिषद के पहले कार्यकाल 2008 में पार्षद बने थे। पार्षद बनकर लोगों की सेवा कर एक मिसाल कायम की थी जो अनुकरणीय है।

जिला खनन कार्यालय, हजारीबाग

आम-सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को हजारीबाग जिला में अवस्थित बालूघाटों के संचालन हेतु तैयार Draft DSR (बालू खनिज) को जिले के बेवसाईट NIC Portal-htts://hazaribag.nic.in पर 21 दिनों के लिए आम जनता के आपत्ति अथवा सुझाव हेतु Upload किया गया है।

इस संदर्भ में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति अथवा सुझाव देना हो, तो जिला खनन कार्यालय, हजारीबाग में किसी भी कार्यालय कार्य दिवस में सम्पर्क स्थापित कर लिखित रूप में या कार्यालय ई–मेल dmo-hazaribagh@jharkhandmail.gov.in पर आपत्ति अथवा सुझाव दिया जा सकता है।

जिला खनन पदाधिकारी,
PR.NO.292583 Mines and Geology(22-23):D हजारीबाग।

झारखण्ड सरकार
आदिवासी कल्याण आयुक्त का कार्यालय,
झारखण्ड मंत्रालय,
कल्याण कॉम्प्लेक्स, मोराबादी, राँची

सूचना
मरङ गोमके जयपाल सिंह मुण्डा
पारदेशीय छात्रवृति योजना

झारखण्ड राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र–छात्राओं के लिए वित्तीय वर्ष–2023–24 हेतु मरङ गोमके जयपाल सिंह मुण्डा पारदेशीय छात्रवृति योजना, 2020 (संशोधित, 2022) अन्तर्गत आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एण्ड नॉर्थन आयरलैण्ड के लिए चयनित विश्वविद्यालयों / संस्थानों में उच्च स्तरीय शिक्षा यथा Masters/M.Phil हेतु चयनित छात्र–छात्राओं (अधिकतम 25) को छात्रवृति प्रदान की जाएगी।
ऑनलाईन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि–15 मार्च, 2023
आवेदन की अंतिम तिथि–31 मई, 2023
आवेदन ऑनलाईन निम्न लिंक पर किया जा सकता है :–
www.mgos.jharkhand.gov.in

मरङ गोमके जयपाल सिंह मुण्डा पारदेशीय छात्रवृति की विशेष जानकारी हेतु उपर्युक्त विभागीय साईट का अवलोकन किया जा सकता है।

आदिवासी कल्याण आयुक्त,
झारखण्ड,
राँची
PR 292519 Schedule Tribe, Schedule Caste, Minority and Backward Class Welfare Department(22-23).D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

ई–अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं० :–*RE-01/RDSD/RAMGARH/05/2022-23(2nd Call)*

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :– DUF/DMFT मद अन्तर्गत।

क्र० सं०	आईडेन्टीफिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DUF /01/2022-23	Dulmi	Constrction of Boundry wall with Gate for UPG M.S Beyang	16.48500	33000.00	5000.00	31.05.2023 तक होगी।
2	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DUF /29/2022-23	Chitarpur	Construction of Boundry wall with Gate for Upgraded High School Sukrigarha	14.77104	30000.00	2500.00	3 माह (तीन माह)
3	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DMFT /35/2022-23	Gola	Construction of Boundry wall with Gate for UPG H.S Nawadih	17.09706	35000.00	5000.00	30.06.2023 तक होगी।
4	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DMFT /37/2022-23	Mandu	Construction of Boundry wall with Gate for UPG P.S Lakri gate Kujju	17.00896	35000.00	5000.00	30.06.2023 तक होगी।
5	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DMFT /38/2022-23	Patratu	Construction of Boundry wall with Gate for UPG M.S Dudagi	17.96124	36000.00	5000.00	30.06.2023 तक होगी।
6	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DMFT /41/2022-23	Patratu	Construction of Boundry wall with Gate for Middle School Riverside Saunda	87.57235	176000.00	10000.00	30.06.2023 तक होगी।
7	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DMFT /45/2022-23	Gola	Construction of Boundry wall with Gate for UMS Serenghatu	30.09119	61000.00	5000.00	30.06.2023 तक होगी।
8	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DMFT /47/2022-23	Gola	Construction of Boundry wall with Gate for UPG M.S Sarangdih	22.84510	46000.00	5000.00	30.06.2023 तक होगी।
9	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DMFT /49/2022-23	Mandu	Construction of Boundry wall with Gate for UPG M.S Dumerbera	36.06065	73000.00	5000.00	30.06.2023 तक होगी।
10	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DMFT /50/2022-23	Mandu	Construction of Boundry wall with Gate for UPG M.S Gargali	24.79892	50000.00	5000.00	30.06.2023 तक होगी।
11	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DMFT /51/2022-23	Mandu	Construction of Boundry wall with Gate for UPG M.S Sarangdih	38.73930	78000.00	5000.00	30.06.2023 तक होगी।
12	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DMFT /57/2022-23	Patratu	Construction of Boundry wall with Gate for P.S Nichedhora Bhurkunda	76.98919	154000.00	10000.00	30.06.2023 तक होगी।
13	RE-01/RDSD/RAMGARH/ DMFT /58/2022-23	Patratu	Construction of Boundry wall with Gate for UPG M.S Lem	40.37892	81000.00	5000.00	30.06.2023 तक होगी।

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक 17.03.2023
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक 24.03.2023 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, शपथपत्र के मूलप्रति एवं Bank Certificate for credit Facility जमा करने की तिथि एवं समय दिनांक 25.03.2023 को अपराह्न 5.00 बजे तक, स्थान– जिला नियंत्रण कक्ष, रामगढ़ में कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़ द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि के लिया जायेगा।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 27.03.2023 अपराह्न 02:00 बजे
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० :– 8986791292, 8210703869
8. निविदा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट या बैंकर्स चेक जो कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़ के पदनाम से देय हो देना होगा। जो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा, रामगढ़ (Branch Code-00164) में भुगतेय होगा। प्राईवेट बैंक का D.D/ Bankas Cheque मान्य नहीं होगा।
9 अग्रधन की राशि राष्ट्रीय बचत पत्र (NSC) 05 वर्षीय / 03 वर्षीय / डाकघर सावधि जमा पत्र / 03 वर्षीय / 05 वर्षीय / बैंक सावधि जमा पत्र (F.D) 05 वर्षीय / 03 वर्षीय, कम्पनी के मामले में झारखण्ड राज्य के राष्ट्रीयकृत बैंक का B.G जो की कार्यपालक अभियंता के नाम से प्रतिज्ञिप्त होगा, मान्य होगा एवं प्राईवेट बैंक का मान्य नहीं होगा।
10. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है।, तदनुसार परिमाण विपत्र की राशि का 02 प्रतिशत राशि अग्रधन की राशि के रूप में जमा करना होगा।
11. विशेष परिस्थिति में बिना कारण बताए निविदा रद्द करने अथवा स्थगित करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट *Jharkhandtenders.gov.in* एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
नोट :– 50 (लाख) से ऊपर की निविदा के लिए दो लिफाफा पद्धति में लागु होगा।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,रामगढ़
PR 292492 Rural Work Department(22-23).D

पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन संबलपुर ने 14 महिला रेलवे कर्मचारियों को किया सम्मानित

संबलपुर (आजाद सिपाही)। पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन, संबलपुर द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन, संबलपुर की अध्यक्ष अंजनी सिंह ने रेलवे में उत्कृष्ट योगदान के लिए संबलपुर मंडल की 14 मेधावी महिला रेलवे कर्मचारियों को सम्मानित किया। श्रीमती सिंह ने कहा कि महिलाएं समाज की संरचनात्मक नींव हैं। उन्होंने महिलाओं को घर से लेकर समाज या किसी अन्य संस्थान तक प्रत्येक क्षेत्र में अपना अच्छा काम जारी रखने की सलाह दी। इस अवसर पर पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन की उपाध्यक्ष रुचिका सिंह, पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन की सदस्या और बड़ी संख्या में महिला रेलवे कर्मचारियों ने भाग लिया।

नकली बंदूक की फैक्ट्री पर छापा, बंदूकों के साथ बनाने का सामान जब्त, एक गिरफ्तार

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। गंजाम जिले के जगन्नाथ प्रसाद थाना पुलिस ने ब्रह्मपुर नयागड जिले के उडगांव थाना क्षेत्र के डीमिरीपल्ली गांव के मोहन मलिक नामक बंदूक बनाने वाले को गिरफ्तार कर चार बंदूकें और बंदूक बनाने के उपकरण जब्त किये हैं। जगन्नाथप्रसाद पुलिस ने विशेष सूत्र से सूचना मिलने पर गत 26 फरवरी को खईरपुट गांव के सुशांत कुमार नायक के घर पर छापेमारी की। इसी बीच एक देशी बंदूक जब्त की गयी और जब सुशांत से पूछताछ की गयी, तो उसने खुलासा किया कि उक्त बंदूक उसने मोहन मलिक से नौ हजार रुपये में खरीदी थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने मोहन मलिक के घर पर छापा मारा और बंदूक एवं उपकरण जब्त कर मोहन के खिलाफ धारा 25/1ए, केस नंबर 126/23 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने बंदूक प्रस्तुतकारी मोहन से पूछताछ में पता चला कि 30 साल से यह फैक्ट्री चला रहा था और उसने खुलासा किया है कि अब तक तीन हजार से ज्यादा बंदूकें बनायी हैं।

आइएमएस और सम अस्पताल में चिकित्सा शिक्षा पर कार्यशाला

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने वाले फैकल्टी सदस्यों को अधिक ज्ञान प्राप्त करने और बेहतर शिक्षक कैसे बनें इस पर प्रशिक्षित करने के लिए सोमवार को इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड सम हॉस्पिटल में तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू की गयी। राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद के दिशा-निर्देशों के तहत और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन प्रो (डॉ) संघमित्रा मिश्र डीन आईएमएस एंड सम हॉस्पिटल ने किया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य इस बात पर चर्चा करना है कि यदि चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने वाले संकायों को बेहतर प्रशिक्षित किया जाए तो वे मेडिकल छात्रों को अधिक सक्षम और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण डाक्टर बनने में मदद कर सकते हैं और समाज की जरूरतों के अनुसार बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर सकता हे इस कर्मशाला का मुख्य उद्देश्य था।

राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद के पर्यवेक्षक प्रो (डॉ) श्रीकांत पंडा, आइएमएस एवं सम अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो (डॉ) पुष्पराज सामंतसिंघार, चिकित्सा शिक्षा प्रमुख प्रो (डॉ) प्रकाश कुमार साहू, अतिरिक्त डीन प्रो (डॉ) अजय जैना, सुपरिटेंड प्रो (डॉ) राजेश लेंका, प्रो (डॉ) रचिता षडंगी और प्रो (डॉ) देबाहुति महापात्र ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में आइएमएस और सम अस्पताल के विभिन्न विभागों के लगभग 30 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

वेदांता एल्युमिनियम और डालमिया सीमेंट लो कार्बन सीमेंट का उत्पादन करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत के सबसे बड़े एल्युमीनियम उत्पादक वेदांता एल्युमीनियम ने कम कार्बन सीमेंट के उत्पादन के लिए फ्लाई ऐश और लाइनिंग जैसे औद्योगिक कच्चे माल की आपूर्ति के लिए डालमिया सीमेंट के साथ लंबे समय से सहयोग किया है। इस साझेदारी के तहत, झारसुगुडा वेली में वेदांता का बड़ा एल्युमीनियम स्मेल्टर सीमेंट उत्पादन के लिए ओड़िशा, छत्तीसगड, मेघालय और असम में पांच साल के लिए प्रति माह लगभग 20 फ्लाई ऐश का परिवहन करेगा और तीन साल के लिए राजगांगपुर में संयंत्र को एसपीएल की आपूर्ति करेगा।

वेदांता लिमिटेड सीमेंट उद्योग के लिए उच्च गुणवत्ता वाली फ्लाई ऐश की पसंदीदा आपूर्तिकर्ता है। यह कोयले का उपयोग करके उच्च मात्रा वाले फ्लाई ऐश और थर्मल पावर जनरेशन के वेदांता एल्यूमीनियम स्केल्टर से उत्पन्न होता है। फ्लाई ऐश सीमेंट उद्योग में एक कच्चा माल है, यह सीमेंट की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है और कार्बन सामग्री को कम कर सकता है। प्रमुख औद्योगिक अपशिष्ट के रूप में फ्लाई ऐश की भूमिका महत्वपूर्ण है।

सीमेंट उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली हर टन फ्लाई ऐश लगभग 700-800 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन, 4.2 मिलियन किलोग्राम ऊर्जा और 341 लीटर पानी बचाने में मदद करती है। तदनुसार, एसपीएल सीमेंट के कच्चे माल को ऊर्जा के स्रोत के रूप में संसाधित किया जा सकता है। इससे उत्सर्जन कम होगा, ईंधन की कम खपत होगी और प्राकृतिक संसाधनों का कम इस्तेमाल होगा।

डालमिया सीमेंट के साथ साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए सुनील गुप्ता सीइओ, वेदांता ली ने कहा कि उद्योग की प्रकृति को देखते हुए, वेदांता जैसा एक बड़ा एल्यूमीनियम उत्पादक सीमेंट उद्योग के लिए दीर्घकालिक भागीदार है।

सीमेंट निर्माण जैसे रणनीतिक सहयोग बेहतर गुणवत्ता, स्थिरता और लागत के मामले में कई लाभ प्रदान करेंगे और इसके लिए हम कचरे का उचित उपयोग चाहते हैं। संबंधित उद्योगों के उत्पादन और सतत विकास के लिए यह हमारी महत्वपूर्ण पहल है।

डालमिया सीमेंट के प्रवक्ता ने कहा कि डालमिया सीमेंट भारत की प्रमुख घरेलू सीमेंट कंपनियों में से एक है। भारत में डालमिया सीमेंट अपने सभी हितधारकों के लिए स्थायी तरीके से कीमतें बढ़ाने में रुचि रही है।

वेदांता एल्युमिनियम के साथ हमारी साझेदारी सीमेंट और एल्युमीनियम दोनों के टिकाऊ एजेंडे का समर्थन करने के प्रति दोनों कंपनियों की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। हम वेदांत के साथ सहयोग करके खुश हैं।

सोआ ने फिलिप्स एजुकेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। शिक्षा 'ओ' अनुसंधान (सोआ) डीम्ड यूनिवर्सिटी ने फिलिप्स एजुकेशन, फिलिप्स मशीन टूल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं। नवी मुंबई अपने संकाय और छात्रों को उद्योग के लिए तैयार समस्याओं और लाइव प्रशिक्षण कार्यक्रमों से परिचित कराने में सक्षम बनायेगा। हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार फिलिप्स एजुकेशन, फिलिप्स मशीन टूल्स इंडिया प्रा लिमिटेड हर साल लघु और दीर्घकालिक प्रशिक्षण और 100 प्रतिशत प्लेसमेंट कार्यक्रम के लिए छात्र और संकाय के समर्थन के लिए सोआ के साथ सहयोग की तलाश करेगा। इस उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सेमिनारों और कार्यशालाओं जैसी सहायक गतिविधियों के साथ-साथ परियोजनाओं के साथ कई प्रशिक्षण और प्लेसमेंट कार्यक्रमों की पहचान स्पष्ट लक्ष्यों, दृष्टिकोणों, डिलिवरेबल्स और समयरेखा के साथ दोनों पक्षों के बीच संयुक्त रूप से की जायेगी। सोआ के प्रो वाइस चांसलर प्रो प्रदीप्त कुमार नंद और फिलिप्स एजुकेशन के हेड सेल्स स्ट्रेटेजी कमल बत्रा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

दसवीं (मैट्रिक) के हिंदी और संस्कृत के परीक्षा प्रश्नपत्र वायरल होने की खबर

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। नबरंगपुर जिले में दसवीं (मैट्रिक) के प्रश्नपत्र वायरल हो गये। मंगलवार को जब मैट्रिक की परीक्षा के लिए हिंदी और संस्कृत की तीसरी भाषा की परीक्षा हो रही थी, तब पहले हिंदी का प्रश्न पत्र लीक हुआ और संस्कृत की परीक्षा का उत्तर लीक हो गया। परीक्षा शुरू होने के कुछ देर बाद ही मोबाइल से मोबाइल हिंदी का प्रश्न पत्र वायरल हो गया। प्राथमिक स्तर पर जानकारी मिली कि नबरंगपुर सदर प्रखंड बिक्रमपुर उच्च विद्यालय से प्रश्न पत्र लीक हुई है। सच्चाई का पता लगाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर पहुंचकर जांच की। परीक्षा खत्म होने के बाद जिला शिक्ष अधिकारी ने कहा कि वायरल हो रहे हिंदी के प्रश्नपत्र सही है, लेकिन ये विक्रमपुर उच्च विद्यालय का नहीं है। उधर, उन्होंने कहा कि संस्कृत उत्तर खाते को लेकर जांच चल रही है। अब भी जांच चल रही है। स्कूल शिक्षकों के मोबाइल चेक किए जा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि आगे की जांच के बाद सब कुछ पता चलेगा। हालांकि, स्कूल के प्रधानाध्यापक ने प्रश्न पत्र लीक को लेकर पूरी तरह इनकार किया और कहा कि वह सभी जांचों के लिए तैयार हैं।

नाम परिवर्तन

शपथ पत्र संख्या 98384 दिनांक 14.03.2023 के अनुसार **मैं अभय कुमार सिंह पिता स्व. रघुनाथ सिंह,** उम्र लगभग 43 वर्ष, धर्म हिन्दु, राष्ट्रीयता भारतीय पेशा व्यापार, ग्राम तीनतारा, पोस्ट लोकाई, थाना वो जिला कोडरमा, राज्य झारखंड शपथ पूर्वक घोषणा करता हूं कि :-

1. यह कि मैं उपरोक्त पता का स्थायी निवासी हूं एवं मेरा आधार सं. 3389 6786 3881 हैं।
2. यह कि पलक सिंह मेरी पुत्री है। घर का पुकारू नाम मानसी सिंह हैं। मेरी पुत्री का आधार सं. 2429 0551 6015 है।
3. यह कि मेरी पुत्री की उम्र लगभग 15 वर्ष है।
4. यह कि मेरी पुत्री का स्कूल में पलक सिंह के नाम से नामांकन दर्ज है और वर्ष 2024 में दसवीं (मैट्रिक) की परीक्षा में बैठेगी, जिसके लिए पंजीयन हो चुका है और पंजीयन पलक सिंह के नाम से हो चुका है, परंतु आधार कार्ड पुकारू नाम मानसी सिंह का नाम दर्ज हो गया है जिसके स्थान पर पलक सिंह का नाम दर्ज कराना है।
5. यह कि आज के बाद से मेरी पुत्री पलक सिंह के नाम से ही जानी जायेगी तथा सभी तरह के कार्य पलक सिंह के नाम से होगा।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**